आषाढ़ कृष्ण पक्ष द्वादशी
विक्रम संवत 2081

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

बुधवार, 3 जुलाई 2024
वर्ष 2, अंक 313, पृष्ठ 14
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 5 रुपये

अमृत विचार

कानपुर

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

शूटआउट में जीता पुर्तगाल, क्वार्टर फाइनल में 2

शाहरुख को मिलेगा करियर अचीवमेंट अवॉर्ड 14

सत्संग के बाद भगदड़, 116 की मौत

हाथरस में भोले बाबा के कार्यक्रम में लाखों की संख्या में जुटी थी भीड़

सरकार आयोजकों के विरुद्ध केस दर्ज कर बड़ी कार्रवाई करने की तैयारी में

मुख्यमंत्री के निर्देश पर दो मंत्री, मुख्य सचिव, डीजीपी दुर्घटनास्थल को रवाना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/एजेंसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज घायलों का हाल लेने हाथरस जाएंगे

मंगलवार को एटा में एक अस्पताल के बाहर जुटी परिजनों व रिश्तेदारों की भीड़, जहां हाथरस में सत्संग के दौरान मची भगदड़ के पीड़ित भर्ती हैं, भगदड़ में 100 से अधिक लोग मारे गए हैं कई घायल हैं। ● एजेंसी

अमृत विचार : हाथरस जिले के सिकंदराराऊ क्षेत्र में आयोजित एक सत्संग में मंगलवार को मची भगदड़ में 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। दुर्घटना उस वक्त हुई जब, नारायण साकार विश्व हरि के नाम से प्रसिद्ध भोले बाबा के कार्यक्रम में लाखों की संख्या में भक्तों की भीड़ जुटी थी। कार्यक्रम स्थल पर प्रशासन की अनुमति से ज्यादा भक्त पहुंचे। मुख्य सचिव मनोज सिंह और डीजीपी प्रशांत कुमार दुर्घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं। घायलों को इलाज के लिए एटा भेजा गया। घटना सिकंदराराऊ कोतवाली क्षेत्र के जीटी रोड स्थित गांव फुलराई के पास की है। राज्य सरकार कार्यक्रम आयोजकों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर बड़ी कार्रवाई करने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी बुधवार को घायलों का हाल लेने हाथरस जाएंगे। इस बीच प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री योगी को फोन कर हादसे के बाबत जानकारी ली और मृतकों के परिवार और घायलों के प्रति संवेदना प्रकट की।

अलीगढ़ की मंडलायुक्त चैत्रा बी ने मरने वालों की संख्या 87 बताई है। जबकि एडीजी जोन कार्यालय आगरा ने मृतकों की संख्या 100 से अधिक होने की बात कही है। आईजी जोन अलीगढ़ शलभ माथुर ने 116 मृतकों की पुष्टि की है। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने एटा के अस्पताल में 60 से अधिक शव लाए जाने का दावा किया। पीड़ितों को मृत अवस्था में या बेहोशी की हालत में ट्रकों और अन्य वाहनों में लाद कर सिकंदराराऊ ट्रामा सेंटर लाया गया। शवों को स्वास्थ्य केंद्र के बाहर रखा गया, जहां लोगों की भारी भीड़ एकत्र है। इस बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर लखनऊ से मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी और संदीप सिंह दुर्घटनास्थल के लिए रवाना हो चुके हैं। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह एवं पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार को भी दुर्घटनास्थल पर पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं।

सत्संग में शामिल होने के लिए सपरिवार जयपुर से आई एक प्रत्यक्षदर्शी शकुंतला देवी ने न्यूज एजेंसी को बताया कि सत्संग खत्म होने के बाद लोग जब आयोजन स्थल से निकल रहे थे, तो उसी समय भगदड़ मची। उन्होंने बताया कि लोग एक दूसरे के ऊपर गिरते चले गए। एटा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह ने बताया कि यह घटना पुलराई गांव में सत्संग में हुई, जिसमें शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में लोग आए थे। जिलाधिकारी आशीष कुमार ने बताया कि घटना में अब तक लगभग 60 लोगों की मौत होने की जानकारी मिली है। कइयों की हालत गंभीर है। सिकंदराराऊ थाने के एसएचओ आशीष कुमार ने कहा कि भगदड़ अत्यधिक भीड़ होने की वजह से हुई है।

सुरक्षा व्यवस्था और बचाव, राहत कार्य के लिए आगरा, एटा और अलीगढ़ से पीएसी की तीन कंपनियां हाथरस पहुंच गई हैं। एसडीआरएफ की दो कंपनियां भी पहुंच रही हैं।

एडीजी आगरा कार्यालय ने सौ से ज्यादा मौतों की पुष्टि की

आगरा। सत्संग के दौरान मची भगदड़ में मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 100 से अधिक हो गई है। यूपी पुलिस के आगरा जोन के एडीजी कार्यालय ने इसकी पुष्टि की है। एडीजी कार्यालय के मुताबिक, शवों को कई जगह ले जाया गया है। इसलिए मरने वालों की सही संख्या बाद में पता चलेगी। इससे पहले हाथरस के पुलिस अधीक्षक निपुण अग्रवाल ने हाथरस हादसे में करीब 60 लोगों के मारे जाने और 18 लोगों के घायल होने की जानकारी दी थी। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि इस हादसे में मरने वाले लोगों की संख्या अभी और बढ़ सकती है।

हादसे के बाद रोते-बिलखते परिजन। ● एजेंसी

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री ने जताया शोक

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भगदड़ की घटना में लोगों की हुई मौत को हृदय विदारक बताया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मुर्मू ने एक्स पोस्ट में कहा, मैं उन लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं, जिन्होंने अपने परिवार के सदस्यों को खो दिया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं। वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा में चल रही चर्चा के बीच कहा, मुझे अभी एक दुखद खबर दी गई है। उत्तर प्रदेश के हाथरस में एक कार्यक्रम में भगदड़ मचने से कई लोगों की दुखद मृत्यु की सूचना आ रही है। मैं मृतकों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं सभी घायलों के जल्द से जल्द ठीक होने की कामना करता हूं। इधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी दुख व्यक्त करते हुए अधिकारियों को राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। बाद में मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने संदेश में कहा, दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दु:खद एवं हृदय विदारक है।

मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख, घायलों को 1-1 लाख की मदद

प्रधानमंत्री कार्यालय ने मृतकों के परिजनों के लिए दो-दो लाख रुपये और घायलों के लिए 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दिए जाने की घोषणा की। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी भगदड़ में मारे गए लोगों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं।

योगी ने गठित की जांच कमेटी, 24 घंटे में तलब की हादसे की रिपोर्ट

मुख्यमंत्री ने एडीजी आगरा और कमिश्नर अलीगढ़ के नेतृत्व में जांच टीम गठित कर दुर्घटना के कारणों की 24 घंटे में जांच कर रिपोर्ट तलब की है। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं।

जिला प्रशासन ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर

जिला प्रशासन ने आम लोगों की सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 05722227041 तथा 05722227042 जारी किए हैं।

एक नजर

शूटिंग के दौरान सलमान पर हमले की थी साजिश

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की हत्या की कथित साजिश मामले में शामिल एक आरोपी ने एक फिल्म की शूटिंग के दौरान उन पर हमला करने का षडयंत्र रचा था। यह जानकारी पुलिस के एक अधिकारी ने आरोप पत्र के हवाले से मंगलवार को दी। अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच के दौरान पता चला कि जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने अपने गिरोह के सदस्यों को अभिनेता पर हमला करने के लिए 25 लाख रुपये की सुपारी दी थी।

पासपोर्ट मामले में सीबीआई ने 1.59 करोड़ जब्त किए

नई दिल्ली। सीबीआई ने मुंबई के पासपोर्ट सेवा केंद्रों से जुड़े भ्रष्टाचार गिरोह का भंडाफोड़ करने के बाद तीन दिन तक चले तलाशी अभियान में 1.59 करोड़ रुपये नकद और अहम डिजिटल सबूत जब्त किए हैं। लोअर परेल और मलाड के पासपोर्ट सेवा केंद्रों के 14 अधिकारियों और 18 दलालों के खिलाफ 28 जून को 12 मामले दर्ज करने के बाद सीबीआई ने मुंबई और नासिक में तलाशी अभियान शुरू किया।

शपथ लेने को रशीद को मिली दो घंटे की पैरोल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत ने मंगलवार को कश्मीरी नेता शेख अब्दुल रशीद को पांच जुलाई को लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के लिए दो घंटे की पैरोल प्रदान की। रशीद, 'इंजीनियर रशीद' के नाम से भी जाने जाते हैं। वह लोकसभा चुनाव में बारामूला सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुने गए थे। उन्हें 2017 में जम्मू-कश्मीर में आतंक के वित्तपोषण के मामले में गिरफ्तार किया गया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने धन्यवाद प्रस्ताव पर लोकसभा में हुई चर्चा पर दिया जवाब

कांग्रेस परजीवी पार्टी, सहयोगी दलों की कीमत पर फल-फूल रही

● संबोधन के दौरान नारेबाजी करता रहा विपक्ष, अध्यक्ष को टोकना पड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस पर अराजकता फैलाने की साजिश रचने का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि मुख्य विपक्षी दल को अब से परजीवी पार्टी के रूप में जाना जाएगा जो अपने सहयोगी दलों की कीमत पर फलती-फूलती है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर सदन में लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी 2024 से परजीवी कांग्रेस पार्टी के रूप में जानी जाएगी। परजीवी वो होता है जो जिस शरीर के साथ रहता है, उसी को खाता है। कांग्रेस भी जिस पार्टी के साथ गठबंधन करती है, उसी के वोट खा जाती है। प्रधानमंत्री ने मुख्य विपक्षी दल को घेरते हुए कहा कि कांग्रेस के नेता दक्षिण भारत में उत्तर के खिलाफ बोलते हैं तो उत्तर में पश्चिम के खिलाफ जहर उगलते हैं, ये महापुरुषों के खिलाफ बोलते हैं। प्रधानमंत्री के पूरे भाषण के दौरान विपक्षी नेता नारेबाजी करते रहे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नेता प्रतिपक्ष (राहुल गांधी) से कहा कि सदन के नेता बोल रहे हैं और आप अपने सदस्यों को आसन के पास आने का निर्देश देते हैं। यह तरीका सही नहीं है और संसदीय परंपराओं के विरुद्ध है।

हिंदुओं को हिंसा फैलाने वाला बताना गहरी साजिश

प्रधानमंत्री मोदी ने नेता प्रतिपक्ष के हिंदुओं को हिंसक बताने संबंधी कथित बयान पर कहा कि हिंदुओं को हिंसक बताना बहुत गंभीर बात है और इसमें कोई गहरी साजिश नजर आ रही है। हिंदुओं को हिंसक कहा जा रहा है, अपमानित किया जा रहा है और गाली दी जा रही है। हिंदुओं को गाली देने का चलन बनाया जा रहा है इसलिए इस बारे में हिंदुओं को भी सोचना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि क्या हिंदू हिंसक होता है। क्या यह आपकी यही सोच है, क्या यह आपकी नफरत है। क्या यही है आपका संस्कार। देश हिंदुओं को हिंसा फैलाने वाला कहकर संबोधित करने वालों और हिंदू आतंकवाद जैसे शब्द गढ़ने की कोशिश करने वालों को भूलेगा नहीं।

बालकबुद्धि कह राहुल पर कसा तंज

प्रधानमंत्री ने राहुल गांधी का नाम लिए बिना उन पर तंज कसते हुए कहा कि आजकल बच्चे का मन बहलाने का काम चल रहा है। कांग्रेस के लोग और उनका तंत्र आजकल ये मन बहलाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस को मिलीं 99 सीटों का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसा संदेश दिया जा रहा है मानो उन्हें '100 में से 99 अंक मिले हों, जबकि ये अंक उन्हें 543 में से मिले हैं। उन्होंने कहा कि अब उस बालकबुद्धि को कौन समझाए कि तुमने फेल होने का विश्व रिकार्ड बना दिया है। उन्होंने राहुल गांधी के भाषण का परोक्ष जिक्र करते हुए कहा कि हमने कल सदन में यही बचकाना हरकत देखी है। आज देश इनसे कह रहा है कि तुमसे ना हो पाएगा।

हमें तीसरी बार चुनने से कुछ को पीड़ा

मोदी ने कहा कि देश की जनता ने भाजपा को तीसरी बार चुना है और कुछ लोगों की पीड़ा समझी जा सकती है कि लगातार असत्य चलाने के बावजूद उनकी घोर पराजय हुई। कहा कि इस देश ने लंबे अरसे तक तुष्टीकरण की राजनीति देखी, लंबे समय तक तुष्टीकरण का शासन का मॉडल देखा। हम तुष्टीकरण नहीं, संतुष्टीकरण के विचार को लेकर चले हैं। उन्होंने कहा कि मैं देशवासियों को विश्वास दिलाता हूं कि विकसित भारत के जिस संकल्प को लेकर हमें चले हैं, उसकी पूर्ति के लिए भरसक प्रयास करेंगे, पूरीनिष्ठा, ईमानदारी से करेंगे और हमारा समय का पल-पल, हमारे शरीर का कण कण विकसित भारत के सपने को पूरा करने में लगाएंगे।

राहुल का मोदी को पत्र : नीट पर चर्चा कराने का आग्रह

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर आग्रह किया कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट' में कथित अनियमितता के मुद्दे पर सदन में चर्चा कराई जाए। उन्होंने कहा कि नीट पर चर्चा कराने के विपक्ष के अनुरोध को 28 जून और बीते सोमवार को ठुकरा दिया गया था, लेकिन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्ष को आश्वासन दिया था कि वह सरकार के साथ चर्चा करेंगे। गांधी ने पत्र में कहा कि मैं 'नीट' पर संसद में चर्चा का अनुरोध करते हुए यह पत्र लिख रहा हूं।

ऊंचाहार समेत पांच इकाइयां ठप, गहराया बिजली संकट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● आठ इकाइयां ठप होने से तीन हजार मेगावाट उत्पादन घटा

अमृत विचार : ऊंचाहार समेत पांच उत्पादन इकाइयों के ठप होने से प्रदेश में बिजली संकट और गहरा गया। आठ इकाइयां ठप होने से करीब तीन हजार मेगावाट उत्पादन घट गया। वैकल्पिक व्यवस्था के तहत एनर्जी एक्सचेंज से बिजली आयात कर स्थिति काबू में लाने के प्रयास जारी रहे। दूसरी ओर, स्थानीय खराबी के कारण प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित होने का सिलसिला जारी रहा।

उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के सूत्रों के अनुसार ऊंचाहार की 110 मेगावाट, हरदुआगंज की 250 मेगावाट, जवाहरपुर की 660 मेगावाट, ओबरा सी की 660 मेगावाट व ओबरा की 200 मेगावाट की इकाइयां ठप हो गईं, जबकि पहले से बंद चल रही अनपरा सी की 600 मेगावाट, बारा की 660 मेगावाट व ओबरा की 200 मेगावाट क्षमता की इकाइयां अभी चालू नहीं हो सकी। कुल आठ इकाइयों के ठप होने से प्रदेश के बिजलीघरों में 3191 मेगावाट उत्पादन घट गया है।

छात्रों को टी-शर्ट और फटी जींस पहनने से रोका

● हिजाब पर प्रतिबंध के बाद मुंबई के कॉलेज का निर्णय

मुंबई। हिजाब पर प्रतिबंध लगाने के लिए चर्चा में रहे मुंबई के एक कॉलेज ने अब छात्रों के फटी जींस, टी-शर्ट, गरिमाहीन कपड़े और जर्सी या ऐसे कपड़े पहनने पर रोक लगा दी है जो धर्म या सांस्कृतिक असमानता को दर्शाते हों। चेंबूर ट्रॉम्बे एजुकेशन सोसाइटी के एनजी आचार्य और डीके मराठे कॉलेज ने 27 जून को जारी नोटिस में कहा कि छात्रों को परिसर में शालीन पोशाक पहननी चाहिए। लड़कियां कोई भी भारतीय या पश्चिमी पोशाक पहन सकती हैं।

2200 से ज्यादा शिक्षकों की होगी पुनर्नियुक्ति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

कैबिनेट का फैसला

● शिक्षकों को अस्थायी तौर पर 25 और 30 हजार रुपये के मानदेय पर मिलेगी पुनर्नियुक्ति

● कक्षा 9-10 में पढ़ाने वालों को 25 हजार और जो 11-12 में पढ़ाएंगे उन्हें 30 हजार मिलेंगे

अमृत विचार : राज्य मंत्रिमंडल की मंगलवार को लोकभवन में हुई बैठक में साल 2023 में सेवा से हटाए जाने वाले 2200 से ज्यादा शिक्षकों को अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में मानदेय पर रखे जाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर यह निर्णय लिया गया है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों के पद रिक्त हैं, जिसका असर शिक्षण कार्य पर हो रहा है। ऐसी स्थिति में 2023 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सेवा से मुक्त किए गए 2200 से ज्यादा शिक्षकों को अस्थायी तौर पर 25 हजार और 30 हजार रुपये के मानदेय पर पुनर्नियुक्ति किया जाएगा। जो शिक्षक कक्षा 9 और 10 में पढ़ाएंगे उन्हें 25 हजार और जो कक्षा 11-12 में पढ़ाएंगे उन्हें 30 हजार रुपये दिए जाएंगे। प्रबंधन इससे ज्यादा देना चाहते हैं तो अपने पास से दे सकते हैं।

राज्यपाल व मुख्यमंत्री के सुरक्षा गार्ड का मानदेय बढ़ा

अपर मुख्य सचिव माध्यमिक, वित्त व गृह दीपक कुमार ने बताया कि कैबिनेट ने वेतन समिति की सिफारिशें मंजूर कर ली हैं। इसके तहत मुख्यमंत्री आवास व राजभवन में तैनात सुरक्षा कर्मियों को अब प्रोत्साहन भत्ते के रूप में 12500 रुपये के बजाए 22000 रुपये मिलेंगे। व्यावसायिक या माध्यमिक शिक्षा विद्यालयों में इंटर में पढ़ाने वालों को प्रति व्याख्यान 500 रुपये की जगह अब 750 रुपये मिलेंगे। इन्हें 15 हजार मासिक की जगह अधिकतम 20 हजार रुपये मिल सकेंगे। हाईस्कूल में पढ़ाने वाले शिक्षकों को 400 रुपये की जगह 500 रुपये प्रति व्याख्यान दिया जाएगा। इन पर सरकार पर 19.74 करोड़ रुपये का व्यय भार आएगा।

उप्र. एग्रीटेक नीति 2024 को मंजूरी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में 12 में से 11 प्रस्तावों पर मुहर लगी। बैठक में कृषि विभाग द्वारा लाए गए उप्र. एग्रीटेक नीति 2024 को मंजूरी मिलने के साथ ही किसानों के लिए डिजिटल रजिस्ट्री कार्यक्रम की शुरुआत और कृषि विकास दोगुना करने का लक्ष्य भी रखा गया।

खेल डायरी

जमशेदपुर, शिलॉग डूरंड कप के नए मेजबान होंगे

कोलकाता। भारतीय फुटबॉल के घरेलू सत्र का पहला टूर्नामेंट डूरंड कप 27 जुलाई से 31 अगस्त तक चार स्थानों पर आयोजित किया जाएगा, जिसमें इंडियन सुपर लीग, आई-लीग और अन्य आमंत्रण टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी। एशिया के सबसे पुराने टूर्नामेंट के 133वें सत्र में राउंड-रॉबिन लीग और नॉकआउट प्रारूप में 43 मैच खेले जाएंगे, जिसमें शुरुआती और फाइनल मुकाबला कोलकाता के प्रतिष्ठित विवेकानन्द युवा भारती क्रीडांगन (साल्टलेक स्टेडियम) में खेला जाएगा। टूर्नामेंट में 24 टीमें भाग लेगी जिन्हें छह ग्रुप में बांटा गया है। हर ग्रुप की शीर्ष टीम के साथ अगली दो सर्वश्रेष्ठ टीमें क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। आयोजकों ने मंगलवार को बताया कि पिछले साल की तरह इस बार भी विदेशी टीमें टूर्नामेंट का हिस्सा बनेंगी।

हॉकी इंडिया पहली बार करेगा मास्टर्स कप की मेजबानी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने 40 साल से अधिक उम्र के पुरुष और महिला खिलाड़ियों के लिए मास्टर्स कप आयोजित करने की मंगलवार घोषणा की। इस टूर्नामेंट का मकसद अनुभवी हॉकी खिलाड़ियों के जुनून और कौशल का जश्न मनाने का है। हॉकी इंडिया से संबद्ध सभी राज्य सदस्य इकाइयां इस आयोजन में भाग लेने के लिए पात्र हैं। इस टूर्नामेंट में भाग लेने के इच्छुक 40 वर्ष से अधिक आयु के सभी पात्र खिलाड़ियों को अपनी संबंधित सदस्य इकाइयों से संपर्क करना होगा। इन खिलाड़ियों को हॉकी इंडिया की सदस्य इकाई की वेबसाइट के माध्यम से पंजीकरण करना होगा।

भारत को ओलंपिक में पेनल्टी कॉर्नर गंवाने से बचना होगा : रस्किन्हा

मुंबई। पूर्व कप्तान वीरेन रस्किन्हा का मानना है कि अगर भारतीय पुरुष हॉकी टीम को आगामी पेरिस ओलंपिक में पोडियम पर पहुंचना है तो उसे अनावश्यक पेनल्टी कॉर्नर गंवाने की अपनी आदत से छुटकारा पाना होगा। आठ बार के स्वर्ण विजेता भारत ने तोक्यो ओलंपिक में कांस्य जीतकर 41 साल के सूखे को खत्म किया था। भारत पेरिस ओलंपिक में गत चैंपियन बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड और आयरलैंड के साथ पूल बी में है। रस्किन्हा ने कहा अगर आप एक टीम के रूप में बचाव करते हैं और आक्रमण करते हैं, तो हर किसी को अपनी भूमिका निभानी होती है।

चीन के बैडमिंटन खिलाड़ी की कोर्ट में मौत

जकार्ता। चीन के किशोर बैडमिंटन खिलाड़ी झांग झिजी की खेल के दौरान अचानक हृदयाघात से मौत हो गई। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार झांग झिजी की बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप में खेल के दौरान गिर गए, बाद में खिलाड़ी को अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सको ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार इंडोनेशिया के बैडमिंटन एसोसिएशन अखिल इंडोनेशिया बैडमिंटन संघ (पीबीएसआई) ने कहा कि खिलाड़ी को खेलते समय दिल का दौरा पड़ा। देरी उपचार को लेकर अधिकारियों ने तीखी आलोचना हो रही है। पीबीएसआई के प्रवक्ता ने कहा कि मेडिकल टीमों को खेल के नियम के अनुसार कोर्ट में प्रवेश करने से पहले रेफरी की अनुमति की आवश्यकता होती है इसलिए मेडिकल टीम तुरन्त कोर्ट में नहीं पहुंच सकी। पीबीएसआई अब महासंघ से इस नियम का पुनर्मूल्यांकन करेगा ताकि इस तरह की परिस्थिति तुरंत कार्रवाई जा सके।

एआईएफएफ ने नेरोका और टीआरएयू के आईलीग से रेलीगेशन की पुष्टि की

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने मंगलवार को नेरोका एफसी और टीआरएयू एफसी के आईलीग से रेलीगेशन (निचली लीग में खिसकना) की पुष्टि की। मणिपुर के ये दोनों क्लब 2023-24 सत्र में अंतिम दो स्थान पर रहे। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह ने आग्रह किया था कि तीन मई 2023 को राज्य में शुरू हुए जातीय संघर्ष को देखते हुए इम्फाल के इन दोनों क्लबों को रेलीगेशन से छूट दी जाए लेकिन इसके बावजूद अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने यह फैसला किया। एआईएफएफ ने कहा, अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने आईलीग 2023-24 में नियमों के अनुसार रेलीगेशन लागू करने का फैसला किया है। 13 टीम की प्रतियोगिता में नेरोका एफसी 14 अंक और टीआरएयू एफसी 13 अंक के साथ अंतिम दो स्थान पर रहे और रेलीगेट हो गए। मोहम्मडन स्पोर्टिंग की टीम 52 अंक के साथ चैंपियन बनी।

आखिरी चार में प्रज्ञानानंदा और गुकेश लगाएंगे जोर

सुपरबेट क्लासिक शतरंज

बुकारेस्ट (रोमानिया), एजेंसी

ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा और डी गुकेश सुपरबेट क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट में एक दिन के विश्राम के बाद जब छठे दौर के मुकाबल में उतरेंगे तो तालिका में शीर्ष पर पहुंचने के लिए उन्हें आखिरी के चार दौर में अपने खेल के स्तर को और ऊंचा उठाना होगा।

नौ दौर के टूर्नामेंट में पांच दौर के बाद दोनों भारतीय तीन-तीन अंकों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। अमेरिका के फैबियानो कारूआना उनसे आधा अंक आगे तालिका में शीर्ष पर है। फ्रांस के अलिरेजा फिरोजा और मैक्सिम वाचिएर-लाग्रेव, रूस के इयान नेपोम्नियाचची और अमेरिक के वेस्ले सो 2.5 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं। यह चारों खिलाड़ी नीदरलैंड के अनीश गिरी और उजबेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसात्तोरोव से आधा अंक आगे हैं। स्थानीय खिलाड़ी डीक बोगदान-डेनियल 1.5 अंकों के साथ तालिका में सबसे नीचे हैं। प्रज्ञानानंदा टूर्नामेंट में अब तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में नाकाम रहे है और बेहतर स्थिति में होने के बावजूद उन्होंने कुछ मुकाबलों को ड्रॉ खेला है।

हताश हूं, इस हार को पचाना मुश्किल : मिलर

जोहानिसबर्ग, एजेंसी

टी-20 विश्व कप के फाइनल में भारत से मिली करीबी हार से निराश डेविड मिलर ने कहा कि इस परिणाम को पचा पाना मुश्किल है। बाएं हाथ के इस आक्रामक बल्लेबाज ने हालांकि उम्मीद जताई कि उनकी टीम इस हार के गम को भुला कर मजबूत वापसी करेगी।

दक्षिण अफ्रीका ने इस विश्व कप में चोकर्स के ठप्पे को काफी हद तक पीछे छोड़ते हुए बिना कोई मैच गंवाए फाइनल में जगह पक्की की थी। शनिवार को बारबाडोस में खेले गये फाइनल में उसे भारत से सात रन की शिकस्त मिली मिलर ने इंस्टाग्राम पर लिखा मैं बहुत निराश हूं, दो दिन पहले जो हुआ उसके पचा पाना काफी कठिन है। मेरे पास अपनी भावनाओं को बयां करने के लिए शब्द नहीं है। मुझे हालांकि इस टीम पर बेहद गर्व है। फाइनल से पहले दक्षिण अफ्रीका ने अपने अभियान में कई करीबी मैचों में जीत दर्ज की लेकिन टीम खिताबी मुकाबले में जीत के करीब होने के बाद आखिरी पांच ओवर में दबाव में आ गई। मिलर ने कहा इस टूर्नामेंट में हमारा सफर शानदार रहा। हमने पूरे महीने कई उतार-चढ़ाव देखे। हमने पीड़ा सही है। मैं हालांकि जानता हूं कि इस टीम में जज्बा है और वह अपना स्तर ऊंचा करती रहेगी। दक्षिण अफ्रीका को आखिरी पांच ओवर में 30 रन चाहिए थे लेकिन जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या की शानदार गेंदबाजी ने मैच के रुख को भारत की ओर मोड़ दिया। पंड्या ने आक्रामक बल्लेबाजी करने वाले हेनरिच क्लासेन को आउट किया तो वही बुमराह ने मार्को यानसेन को चलता किया। आखिरी ओवर में दक्षिण अफ्रीका को 16 रनों की जरूरत की लेकिन पंड्या की पहली गेंद पर सूर्यकुमार यादव ने लांग ऑफ बाउंड्री के पास मिलर का शानदार कैच लपक कर मैच पर भारत का नियंत्रण बना दिया।

द्रविड़ ने खुलासा किया, एकदिवसीय विश्व कप में हार के बाद रोहित ने कैसे पद छोड़ने से रोका, बोले- शुक्रिया रो

... तो ऐतिहासिक पल का हिस्सा न होता

ब्रिजटाउन (बारबडोस), एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के निवर्तमान मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने यहां टी-20 विश्व चैंपियन बनने के बाद टीम को दिए अपने विदाई भाषण में खुलासा किया कि अगर उन्हें एकदिवसीय विश्व कप फाइनल में हार के बाद पद पर बने रहने का अनुरोध करते हुए कप्तान रोहित शर्मा का फोन नहीं आया होता तो वह इतिहास का हिस्सा नहीं होते। द्रविड़ का कार्यकाल एकदिवसीय विश्व कप के साथ समाप्त हो गया था। भारत लगातार 10 मैच जीतने के बाद फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार गया था। कोचिंग स्टाफ को हालांकि शनिवार को समाप्त हुए टी-20 विश्व कप के अंत तक विस्तार मिला था।

भारत ने द्रविड़ के मार्गदर्शन में अपना दूसरा टी-20 विश्व कप जीता लेकिन उन्होंने इस भूमिका में बने रहने के लिए फिर से आवेदन नहीं किया। उन्होंने शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में टीम की सात रन की जीत के बाद केनसिंगटन ओवल ड्रेसिंग रूम में अपने भाषण के दौरान कोच के रूप में बने रहने का आग्रह करने में रोहित की भूमिका का उल्लेख किया। द्रविड़ ने मंगलवार को बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में कहा, रो (रोहित) नवंबर में मुझे फोन करने और टीम के साथ जुड़े रहने के लिए कहने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मुझे लगता है कि आप सभी के साथ काम करना मेरे लिए सौभाग्य और खुशी की बात है, लेकिन रो, समय देने के लिए भी धन्यवाद... हमने बातचीत करने, चर्चा करने, सहमत होने और असहमत होने में बहुत समय बिताया लेकिन आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। उन्होंने कहा, आप सभी को ये पल याद होंगे। हम हमेशा कहते हैं, यह रनों के बारे में नहीं है, यह विकेटों के बारे में नहीं है, आप अपने करियर को कभी याद नहीं रखते हैं, लेकिन आप इस तरह के पलों को याद रखते हैं, इसलिए आओ और इसका लुत्फ उठाओ। मैं आप लोगों पर बहुत गर्व करता हूं, जिस तरह से आपने वापसी की, जिस तरह से संघर्ष किया, जिस तरह से हमने एक टीम के रूप में काम किया... लचीलापन दिखाया। पिछले कुछ वर्षों में कुछ निराशा हुई, जहां हम करीब आए लेकिन कभी रेखा को पार नहीं कर पाए।

- अपने विदाई भाषण में के वक्त भावुक हुए भारतीय टीम के निवर्तमान मुख्य कोच राहुल द्रविड़
- वनडे विश्व कप के साथ ही समाप्त हो गया था द्रविड़ का कार्यकाल, फिर से नहीं किया आवेदन

बीसीसीआई और पर्दे के पीछे के लोगों के काम की सराहना की

द्रविड़ ने कहा आप सभी ने बहुत सारे बलिदान किए हैं, अपने परिवारों को आज यहां इसका आनंद लेते हुए देखने के लिए, आपके परिवार के कई सदस्य घर पर हैं, बस उन सभी बलिदानों के बारे में सोचें, जो आप अपने बचपन से लेकर अब तक ड्रेसिंग रूम का हिस्सा बनने के लिए करते आए हैं। आपके माता-पिता, आपकी पत्नी, आपके बच्चों, आपके भाई, आपके कोच, बहुत से लोगों ने बहुत सारे बलिदान किए हैं और इस पल में इस स्मृति का आनंद लेने के लिए आपके साथ बहुत मेहनत की है। आप लोगों के साथ इस स्मृति का हिस्सा बनने पर बहुत गर्व है। आमतौर पर मुखर रहने वाले द्रविड़ ने माना कि उनके पास कहने के लिए शब्द नहीं हैं लेकिन उन्होंने निवर्तमान कोचिंग स्टाफ के प्रति सम्मान के लिए टीम की प्रशंसा की। मेरे पास आमतौर पर शब्दों की कमी नहीं होती लेकिन आज जैसे दिन पर, जब मैं इसका हिस्सा बना, मैं आप सभी का, मेरे कोचिंग स्टाफ और मेरे सहयोगी स्टाफ के प्रति दिखाए गए सम्मान, दयालुपन और आपके प्रयासों के लिए जितना आभारी हूं, उतना कम है। द्रविड़ ने कहा एक बेहतरीन टीम के पीछे एक सफल संगठन भी होता है और हमें बीसीसीआई और पर्दे के पीछे के लोगों के काम की सराहना करनी चाहिए।

जल्द होगी भारतीय टीम की घर वापसी

ब्रिजटाउन (बारबडोस), एजेंसी

- बारबडोस की प्रधानमंत्री को छह से 12 घंटे में हवाई अड्डे खुलने की उम्मीद

टी-20 विश्व चैंपियन भारतीय क्रिकेट टीम मंगलवार शाम को चार्टर विमान से स्वदेश रवाना होगी। बारबडोस की प्रधानमंत्री मिया मोटली ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यहां हवाई अड्डा अगले छह से 12 घंटों में चालू हो जाएगा जिसे श्रेणी चार के तूफान के कारण बंद किया गया था।

रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम, उसका सहयोगी स्टाफ, बीसीसीआई के कुछ अधिकारी और खिलाड़ियों के परिवार तूफान बेरिल के कारण पिछले दो दिन से यहां फंसे हुए हैं। टीम ने शनिवार को फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर खिताब जीता। एक सूत्र के अनुसार दल के ब्रिजटाउन से शाम छह बजे (स्थानीय समय) रवाना होने और बुधवार को शाम 7.45 बजे (भारतीय समयानुसार) पर दिल्ली पहुंचने की उम्मीद है। खिलाड़ियों को बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सम्मानित किया जाएगा लेकिन इसके कार्यक्रम को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

लक्ष्मण के मार्गदर्शन में भारतीय टीम जिम्बाब्वे रवाना

मुंबई। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण के मार्गदर्शन में युवा भारतीय क्रिकेट टीम छह जुलाई से हरारे में शुरू होने वाली पांच मैचों की टी-20 अंतर्राष्ट्रीय शृंखला के लिए जिम्बाब्वे रवाना हो गई। टीम की कमान शुभमन गिल संभालेंगे जबकि युवा खिलाड़ी रियान पराग और अभिषेक शर्मा को पिछले आईपीएल में उनके प्रदर्शन के बाद पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया है। टी-20 विश्व कप के लिए रिजर्व सलामी बल्लेबाज रहे कप्तान गिल ब्रेक पर थे और वह अमेरिका से सीधे हरारे में टीम से जुड़ेंगे। बीसीसीआई ने विमान में सवार लोगों की तस्वीरें एक्स पर पोस्ट कीं जिनमें अभिषेक, पराग, रुतुराज गायकवाड़, आवेश खान, रवि बिश्नोई, वाशिंगटन सुंदर, तुषार देशपांडे और एनसीए प्रमुख लक्ष्मण शामिल हैं। टीम के पांच सदस्य शिवम दुबे, संजू सैमसन, यशस्वी जायसवाल, रिंकू सिंह और खलील अहमद या तो टी20 विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा थे या रिजर्व खिलाड़ी के रूप में टीम के साथ थे। हरारे के स्पोर्ट्स क्लब में होने वाली पांच मैचों की शृंखला 6 जुलाई से शुरू होगी। अन्य मैच 7, 10, 13 और 14 जुलाई को खेलें जाएंगे। जिम्बाब्वे के साथ पहले और दूसरे टी-20 के लिए भारतीय टीम में शुभमन गिल (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, अभिषेक शर्मा, रिंकू सिंह, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रियान पराग, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, आवेश खान, खलील अहमद, मुकेश कुमार, तुषार देशपांडे, साई सुदर्शन, जितेश शर्मा (विकेट कीपर) और हर्षित राणा को शामिल हैं।

पुरुष एकल के पहले दौर में हारे सुमित

लंदन, एजेंसी

भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल को विंबलडन टूर्नामेंट 2024 में पुरुष एकल के पहले दौर के मुकाबले में सर्बिया के मिओमिर केकमैनोविच से हार का सामना करना पड़ा है।

सोमवार देर रात खेले गए मैच में सार्बियाई खिलाड़ी केकमैनोविच ने दो घंटे और 48 मिनट में नागल को 6-2, 3-6, 6-3, 6-4 से हराया। नागल के शानदार खेल की बदौलत मुकाबला चार सेटों तक खिंचा। सुमित ने पहला सेट 2-6 से हारने के बाद शानदार वापसी करते हुए दूसरा सेट 6-3 से जीता। हालांकि इसके बाद केकमैनोविच ने तीसरा सेट 3-6 से जीतकर 2-1 की बढ़त कर दिया। केकमैनोविच ने तीसरा सेट 3-6 और चौथे सेट में 6-4 से जीत लिया। नागल और सर्बिया के डुसन लाजोविच की जोड़ी अब पेड्रो मार्टिनेज और जौम मुनार से युगल मुकाबले में प्रतिस्पर्धा करेगी।

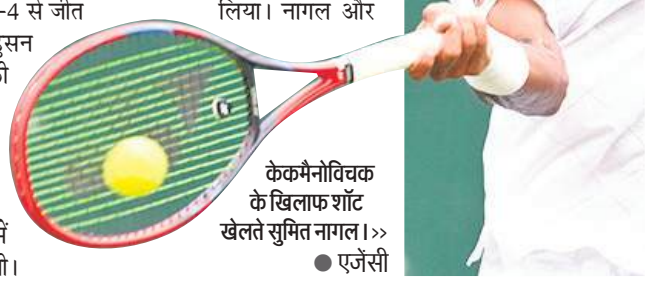

केकमैनोविचक के खिलाफ शॉट खेलते सुमित नागल। ›› ● एजेंसी

अपने अंतिम विंबलडन में युगल मुकाबले खेलेंगे मरे

लंदन। दो बार के विंबलडन चैंपियन एंडी मरे ऑल इंग्लैड क्लब पर अंतिम बार उतरते हुए सिर्फ युगल मुकाबलों में खेलेंगे। मरे की एक हफ्ते से कुछ अधिक समय पहले पीठ की सर्जरी हुई है और मंगलवार को उन्होंने एकल मुकाबलों से हटने का फैसला किया। मरे ने सेंटर कोर्ट पर टॉमस मैकेक के खिलाफ मुकाबले से कुछ घंटों पहले एकल वर्ग से हटने का फैसला किया। मरे की प्रबंधन टीम ने एक बयान में कहा दुर्भाग्य से, एक सप्ताह पहले ही ऑपरेशन के बाद से उबरने की प्रक्रिया पर कड़ी मेहनत करने के बावजूद, एंडी ने इस साल एकल नहीं खेलने का बहुत कठिन निर्णय लिया है। बयान के अनुसार जैसा कि आप कल्पना कर सकते हैं, वह बेहद निराश हैं लेकिन उन्होंने पुष्टि की है कि वह जेमी के साथ युगल में खेलेंगे और विंबलडन में आखिरी बार प्रतिस्पर्धा करने के लिए उत्सुक हैं।

वॉन और फ्लिंटॉफ के बेटे अंडर-19 में इंग्लैंड के लिए कर सकते हैं पदार्पण

लंदन, एजेंसी

- श्रीलंका के खिलाफ 8 को पदार्पण कर सकते हैं दोनों खिलाड़ी

इंग्लैंड के माइकल वॉन और एंड्रयू फ्लिंटॉफ की जोड़ी के अपने टेस्ट करियर को समाप्त करने के पंद्रह साल बाद उनके बेटों के श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों से आयु वर्ग स्तर पर पारंपरिक प्रारूप में अपनी यात्रा शुरू करने की उम्मीद है।

पूर्व एशेज विजेता इंग्लैंड के कप्तान वॉन के बेटे आर्ची वॉन को मंगलवार को 14 सदस्यीय टीम में शामिल किया जिसमें 16 वर्षीय रॉकी फ्लिंटॉफ भी शामिल हैं जिन्होंने पहले ही युवा एकदिवसीय मुकाबलों में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण कर लिया है। टीम में पारिवारिक संबंध साफ नजर आते हैं। इंग्लैंड के मौजूदा लेग स्पिनर रेहान के भाई फरहान अहमद और इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज जो डेनली के 17 वर्षीय भतीजे जेडन डेनली को भी टीम में जगह मिली है। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज और ऑफ स्पिनर 18 वर्षीय आर्ची ने इस सत्र की शुरुआत में अपने पहले पेशेवर अनुबंध में समरसेट का प्रतिनिधित्व किया। पिछले हफ्ते आयु वर्ग स्तर पर उन्होंने इंग्लैंड अंडर-19 एकदिवसय टीम के खिलाफ अभ्यास मैच में यंग लायंस आमंत्रण एकादश के लिए 83 गेंदों में 85 रन बनाकर सबका ध्यान खींचा। इंग्लैंड अंडर-19 टीम 8 से 11 जुलाई तक और 16 से 19 जुलाई तक दो टेस्ट मैचों में श्रीलंका अंडर-19 से भिड़ेगी।

नीरज ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए किया प्रेरित : सुमरिवाला

मुंबई, एजेंसी

- भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के अध्यक्ष बोले- काफी शांतचित और एकाग्र है नीरज

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के अध्यक्ष आदिल सुमरिवाला ने मंगलवार को यहां कहा कि ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा शांतचित खिलाड़ी हैं, जो दबाव को कभी हावी नहीं होने देते है और दूसरे भारतीय खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करते हैं। नीरज पुरुषों की भाला फेंक में मौजूदा विश्व चैंपियन भी हैं।

सुमारिवाला ने स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ मुंबई द्वारा आयोजित एक चर्चा में भारत के सुपरस्टार एथलीट के बारे में कहा, एक तरफ नीरज नीरज है और दूसरी तरफ बाकी सब (एथलीट) हैं। जहां तक नीरज का सवाल है तो वह काफी शांतचित और एकाग्र है। अगर आप उससे पूछें, क्या आपको डर लगता है? तो वह कहेगा, डर तो सबको लगता है लेकिन तनाव नहीं लेना चाहिए। सुमरिवाला ने कहा, मैं प्रतिस्पर्धा में जाने से पहले हमेशा इन खिलाड़ियों से वार्मअप क्षेत्र में बातचीत करता हूं। वह कहता है कोई तनाव नहीं है।

शूटआउट में जीता पुर्तगाल, क्वार्टरफाइनल में

यूरो कप 2024

फ्रैंकफर्ट, एजेंसी

यूरोकप 2024 के राउंड ऑफ 16 में पुर्तगाल ने पेनल्टी शूटआउट में स्लोवेनिया को 3-0 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया है। सोमवार को खेले गए रोमांचक मुकाबले में पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो के पास अतिरिक्त समय में दो गोल करने का मौका था लेकिन वह चूक गए और मैदान में रोते हुए देखे गए।

पेनल्टी शूटआउट में पुर्तगाल के गोलकीपर डिओगो कोस्टा के लगातार तीन गोल बचाकर अपनी टीम क्वार्टरफाइनल में पहुंचाया। पुर्तगाल अगले दौर में फ्रांस से भिड़ेंगे। फ्रांस बेल्जियम को 1-0 से हराकर अगले दौर में पहुंचा है। मैच के बाद रोनाल्डो ने कहा मेरे पास खेल का फैसला करने का मौका था, लेकिन मैं चूक गया और ओब्लाक ने शानदार बचाव किया। पुर्तगाल के गोलकीपर कोस्टा ने कहा, यह मेरे करियर का अब तक का सबसे अच्छा मैच था। मैंने पेनल्टी शूटआउट के दौरान स्वयं पर भरोसा किया। बेशक, हमने शूटरों का विश्लेषण किया था, लेकिन खिलाड़ी अक्सर मैदान पर मन बदल लेते हैं, इसलिए मैंने अपने अंतर्ज्ञान पर भरोसा किया। पुर्तगाल के कोच रॉबर्टो मार्टिनेज ने कोस्टा की प्रशंसा करते हुए कहा कोस्टा हमारा गुप्त हथियार है। उसने आज अपनी ताकत दिखाई।

पेनल्टी शूटआउट में गोल दागते क्रिस्टियानो रोनाल्डो। ● एजेंसी

बेल्जियम को हराकर क्वार्टरफाइनल में पहुंचा फ्रांस

डसेलडोर्फ (जर्मनी)। रेंडल कोलो मुआनी के शॉट पर आत्मघाती गोल से फ्रांस ने बेल्जियम को 1-0 से हराकर यूरो 2024 फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। दो दिग्गज पड़ोसी टीमों और दुनिया की दूसरे (फ्रांस) तथा तीसरे (बेल्जियम) नंबर की टीमों के बीच हुआ यह प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबला उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा और मैच में सिर्फ एक गोल हो पाया।

कोपा अमेरिका 2024

उरूग्वे के खिलाफ 0-1 की हार से बाहर हुआ अमेरिका

कन्सास सिटी (अमेरिका)। अमेरिका को मथास ओलिवेरा के दूसरे हाफ में दागे विवादास्पद गोल के कारण उरूग्वे के खिलाफ 0-1 से शिकस्त का सामना करना पड़ा जिससे टीम कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट से बाहर हो गई। इसके साथ ही अमेरिकी सॉकर महासंघ पर 2026 विश्व कप से पहले कोच ग्रेग बरहाल्टर को हटाने का दबाव भी बढ़ गया है।

बोलीविया को हरा कर पनामा क्वार्टरफाइनल में

ओरलैंडो। पनामा को ग्रुप सी मैच में बोलीविया को 3-1 से हराकर दूसरे स्थान पर रहते हुए पहली बार कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल रहा। पनामा क्वार्टर फाइनल में ग्रुप डी के विजेता से भिड़ेगा जो ब्राजील या कोलंबिया हो सकता है। एडवर्डो गुइरेरो ने 79वें मिनट में पनामा को 2-1 की बढ़त दिलाई जबकि सेजार यानिस ने इंजरी टाइम के पहले मिनट में एक और गोल दागकर टीम की 3-1 से जीत सुनिश्चित की।

छह साल में पहली बार ओसाका को मिली जीत

विंबलडन, एजेंसी

नाओमी ओसाका ने सोमवार को विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट में छह साल में पहली जीत दर्ज की जब वह डियाने पैरी को हराकर महिला एकल के दूसरे दौर में जगह बनाने में सफल रहीं। आसोका पांच साल विंबलडन में खेली भी नहीं। बारह महीने पहले आसोका अपनी बेटी शाई के जन्म के कारण टूर का हिस्सा भी नहीं थी। उनकी बेटी मंगलवार को एक साल की हुई। आसोका ने पहले दौर के कड़े मुकाबले में पैरी को 6-1, 1-6, 6-4 से हराया।

जनवरी में टूर पर वापसी से पूर्व 15 महीने तक बाहर रहीं ओसाका की विश्व रैंकिंग इस समय 113 है जबकि वह दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी रह चुकी हैं। पैरी की विश्व रैंकिंग 53 है। दो बार की अमेरिकी और ऑस्ट्रेलियाई ओपन विजेता ओसाका 2019 में पहले दौर में हार के बाद पहली बार विंबलडन में हिस्सा ले रहीं थी। कोको गॉफ, 2021 की अमेरिकी ओपन विजेता ऐमा राडुकानु और तीन बार के ग्रैंडस्लैम विजेता कार्लोस अल्कारेज भी जीत दर्ज करने में सफल रहे। अल्कारेज ने पुरुष एकल में खिताब की रक्षा के अभियान की शुरुआत एस्टोनिया के क्वालीफायर मार्क ला याहल के खिलाफ 7-6, 7-5, 6-2 की जीत के साथ की। गॉफ ने कैरोलिन डोलेहाइड को 6-1, 6-2 से हराया जबकि राडुकानु ने रेनाटा जाराजुआ को 7-6, 6-3 से शिकस्त दी।

अजारेंका और चोटिल सबालेंका विंबलडन से हटीं

लंदन। बेलारुस की टेनिस महिला खिलाड़ियों एरिना सबालेंका और विक्टोरिया अजारेंका को कंधे की चोट के कारण विंबलडन टूर्नामेंट से हटना पड़ा है। मीडिया से बातचीत में सबालेंका ने कहा हम अपनी टीम के साथ हरसंभव प्रयास कर रहे थे कि मैं यहां अपना पहला मैच खेल सकू लेकिन मैं इसके लिए प्रतिशत तैयार नहीं हूं। इसके बाद सबालेंका ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर लिखा, मैंने स्वयं को तैयार करने का हर संभव प्रयास किया लेकिन दुर्भाग्य से मेरा कंधा साथ नहीं दे रहा है। मैंने आज अभ्यास का पूरा नहीं कर पाई। मेरी टीम ने समझाया कि खेलने से चीजें और भी खराब हो जाएंगी। सोमवार को अभ्यास बीच में ही समाप्त करने के बाद साबलेंका ने टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया और इसके बाद में उनकी हमवतन विक्टोरिया अजारेंका भी कंधे की चोट के कारण विंबलडन से हट गईं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शंभू दयाल वाजपेयी द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 14/76-एल सिविल लाइन्स, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

संपादक-शंभू दयाल वाजपेयी, 0512-2548300 (कार्यालय), **ईमेल-** amritvicharkanpur@gmail.com (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

आज का मौसम

बादल छाए रहेंगे। तेज और छिटपुट बारिश की संभावना। उमस भी रहेगी।

अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
33.4⁰	27.8⁰

सूर्योदय	सूर्यास्त
05 : 21	07 :01

एक नजर

खनिज अधिनियम का वारंटी चढ़ा पुलिस के हत्थे

चित्रकूट। रैपुरा थाने के एसआई दिनेश कुमार पांडेय ने खनिज अधिनियम के वारंटी सत्यनारायण पुत्र बच्चीलाल निवासी जमेहली को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम में आरक्षी अंकित शुक्ला शामिल रहे।

थाना भरतकूप में नए कानूनों की जानकारी दी

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में थाना भरतकूप में हुए जागरूकता कार्यक्रम में नए कानूनों की जानकारी दी गई। इस मौके पर पीस कमेटी की बैठक भी हुई। एसपी ने परिसर में बरगद का पौधा लगाया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी राजकमल, थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार सिंह, पीआरओ प्रवीण कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

विभिन्न प्रजातियों के 71.98 लाख पौधों से हरा-भरा होगा जिला

विकास भवन में पौधे रोपकर कराई गई अभियान की शुरुआत

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

अमृत विचार। शासन ने इस बार जिले में 71,98,440 पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया है। इसमें विभिन्न विभागों को अलग-अलग लक्ष्य दिए गए हैं। मंगलवार को जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह और मुख्य विकास अधिकारी अमृत पाल कौर ने वन महोत्सव की शुरुआत की और विकास भवन परिसर में पौधे रोपे।

जिलाधिकारी ने लोगों से ज्यादा से ज्यादा पौधे रोपने और उनकी वृक्ष बनने तक देखभाल करने का अनुरोध किया। रानीपुर टाइगर रिजर्व के उप निदेशक नरेंद्र सिंह ने बताया कि प्रत्येक वर्ष वन विभाग द्वारा एक से सात जुलाई तक वन महोत्सव का आयोजन किया जाता है। रानीपुर टाइगर रिजर्व के अंतर्गत कर्वी, बरगढ़, रैपुरा, मानिकपुर-1, मानिकपुर-2, मारकुंडी-1 व मारकुंडी-2 में वन महोत्सव के तहत कार्यक्रम किए जाएंगे। वन महोत्सव कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने पाकड़ का पौधा रोपा।

कार्यक्रम में डीपीआरओ इंद्र नारायण सिंह, डीसी एनआरएलएम ओमप्रकाश मिश्र, डीपीओ पीडी विश्वकर्मा, वन्य जीव प्रतिपालक दिलीप कुमार, उप प्रभागीय वनाधिकारी राजीव रंजन सिंह, क्षेत्रीय वनाधिकारी कर्वी नफीस खान, रैपुरा राधेश्याम दिवाकर, मारकुंडी-2 मो. नदीम आदि मौजूद रहे।

पौधरोपण करते जिलाधिकारी शिव शरणप्पा जीएन। अमृत विचार

विभागों के लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं

उप निदेशक ने बताया कि 2024 में शासन ने 7198440 पौधों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें वन विभाग को सबसे ज्यादा 40,06,400 पौधे लगाने हैं। ग्राम्य विकास विभाग को 16,53,120, पर्यावरण विभाग को 2,60,000 व कृषि विभाग को 3,50000 हजार पौधरोपण का लक्ष्य दिया गया है।

नर्सरी में है पौधों की पर्याप्त उपलब्धता

नरेंद्र सिंह ने बताया कि रानीपुर टाइगर रिजर्व में पौधों की पर्याप्त उपलब्धता है। शीशम, सिरस, अर्जुन, कंजी, सागौन, नीम, आम, जामुन, इमली, महुआ, आंवला, बेल, चिलबिल, बांस, कठ सागौन, पीपल, बरगद, पाकड़, भुलाची, सहजन, कटहल और अमरूद के पौधे यहां हैं।

बैल के हमले से किसान की मौत

राजापुर (चित्रकूट)। थाना क्षेत्र के नांदिन कुर्मियान में एक किसान की बैल के हमले से मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। जानकारी के अनुसार, गांव निवासी मनोज सिंह (45) पुत्र रामानुज मंगलवार को खेत में काम कर रहा था। इसी दौरान बैल ने सींगों से प्रहार कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। देर शाम जब घर नहीं पहुंचा तो परिजन खेत पहुंचे, जहां वह मृत पड़ा था। परिजनों की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक मनोज सिंह ने पहुंचकर शव को पोस्टमा

अतिक्रमण का आरोप लगाया

चित्रकूट। ट्रैफिक चौराहा निवासी विजय कुमार ने ईओ को शिकायती पत्र भेजकर कुछ लोगों पर चौराहे के दोनों ओर अतिक्रमण करने का आरोप लगाया है। उसका कहना है कि डिवाइडर बन जाने से सड़क में जगह कम हो गई है और नाले के ऊपर कई दुकानदारों ने अतिक्रमण कर लिया है। इससे लोगों को आने-जाने में दिक्कत होती है।

रामघाट और परिक्रमा मार्ग पर न हो अतिक्रमण

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

- जिलाधिकारी ने विकास कार्यों का मुआयना कर मातहतों को दिए निर्देश

अमृत विचार। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने मंगलवार को रामघाट व परिक्रमा मार्ग के विकास कार्यों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान डीएम ने एसडीएम सौरभ यादव को निर्देश दिए कि रामघाट और परिक्रमा मार्ग पर किसी तरह का अतिक्रमण नहीं होना चाहिए।

जिलाधिकारी ने बरहा हनुमान मंदिर के पास निर्माणाधीन गेट, सड़क मार्ग, कामदगिरि आरती स्थल, सेल्फी प्वाइंट, टीन शेड के चित्रण, चौपड़ा तालाब का सुंदरीकरण, सीमा परिक्रमा मार्ग पर गेट निर्माण, रामायण दर्शन गैलरी, सुलभ कांप्लेक्स, लक्ष्मण पहाड़ी के विकास कार्य, रामघाट पर प्रकाश व्यवस्था, आरती स्थल के कामों को देखा।

उन्होंने क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अनुपम श्रीवास्तव को निर्देश दिए कि कामों को गुणवत्तापूर्ण कराया जाए। अन्य कामों के प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजे जाएं। उन्होंने रामायण दर्शन में बाहर बैठने के लिए बेंच लगवाने, परिक्रमा मार्ग की अच्छी तरह से सफाई कराने के भी निर्देश दिए।

इण् अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि बरहा के हनुमानजी मंदिर के पास जो मुख्य गेट बनाया गया है वहां से वाहन को रोकने के लिए बैरीकेडिंग की जाए कि परिक्रमा मार्ग के अंदर कोई वाहन प्रवेश न कर सके। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों के कर्मचारी मेहनत और ईमानदारी से अपनी ड्यूटी का निर्वहन करें। कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सार-संक्षेप

जिलाधिकारी को दी खेल गतिविधियों की जानकारी

चित्रकूट। क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी विजय कुमार ने मंगलवार को जिलाधिकारी से भेंट कर उन्हें खेल गतिविधियों की जानकारी दी। जिलाधिकारी ने क्रीड़ाधिकारी को बैडमिंटन हाल चालू कराने, तरणताल के निर्माण के लिए स्थान चिह्नित करने व स्टेडियम में जनरेटर की सुविधा उपलब्ध कराए जाने के लिए निर्देशित किया।

ग्रामोदय विवि में दीक्षारंभ समारोह आज

सीतापुर (चित्रकूट)। ग्रामोदय विवि में बुधवार को तीन दिवसीय दीक्षारंभ समारोह शुरू होगा। इस दौरान शिक्षकों और नवप्रवेशित विद्यार्थियों के साथ संवाद कार्यक्रम होगा। समारोह संयोजक प्रो. शशि कांत त्रिपाठी ने बताया कि कार्यक्रम कुलपति प्रो. भरत मिश्रा की अध्यक्षता में प्रात: 11 बजे से तुलसी सभागार, प्रशासनिक भवन में किया जाएगा।

नीरज को यूपी कैटेट में 26वीं रैंक

नीरज मिश्रा।

पहाड़ी (चित्रकूट)। शांति देवी इंटर कॉलेज के छात्र नीरज मिश्र ने उत्तर प्रदेश संयुक्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा (यूपी कैटेटे) में 26वीं रैंक प्राप्त की है। कस्बा निवासी धर्मेंद्र मिश्र के बेटे नीरज की इस सफलता पर घर में खुशी का माहौल है। विद्यालय परिवार ने मंगलवार को नीरज को सम्मानित किया। ग्रामीण परिवेश से आने वाले छात्र नीरज मिश्रा ने अपनी सफलता का श्रेय कॉलेज के प्रबंधक सुनील कुमार सिंह, प्रधानाचार्य शिवबरन त्रिपाठी एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया है। नीरज के साथ कृषि संकाय के छात्रों दीपक सिंह, यशोदा देवी एवं रणवीर सिंह को भी प्रवेश परीक्षा में सफलता मिली है।

घर के बाहर से बाइक चोरी

चित्रकूट। भरतकूप थानांतर्गत सुदिनपुर निवासी दिलीप कुमार ने कोतवाली में दी तहरीर में बाइक चोरी की जानकारी दी है। बताया कि वह मंगलवार को एसडीएम कॉलोनी में एक घर में काम कर रहा था। इसी दौरान किसी ने उसकी बाइक चुरा ली।

धमकी देने का लगाया आरोप

चित्रकूट। अहिरनपुरवा निवासी सोनू साहू ने कोतवाली में तहरीर देकर कुछ लोगों पर उसे जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। सोनू ने बताया कि मंगलवार को ये लोग फावड़ा, सबरी और कुल्हाड़ी लेकर उसके घर पहुंचे और धमकाया।

पौधरोपण करते सपा कार्यकर्ता। अमृत विचार

अखिलेश के जन्मदिन पर किया पौधरोपण

चित्रकूट। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिन के अवसर पर पीडीए पौधरोपण सप्ताह के तहत मंगलवार को सपाइयों ने देवांगना स्थित बजरंग आश्रम में बरगद का पौधा रोपा। प्रदेश कार्यकारणी सदस्य अनुज सिंह यादव, साहब लाल द्विवेदी, चंद्रभान यादव, रामप्रसाद वर्मा, रोहित यादव, डॉ. सुरेश, अनूप यादव आदि मौजूद रहे।

परिवार परामर्श केंद्र में दो परिवारों में सुलह

चित्रकूट। परिवार परामर्श केंद्र की टीम ने पति-पत्नी में सुलह कराकर दो परिवारों को टूटने से बचाया।

गोपालकुंज तरौंहा निवासी आकांक्षा पुत्री जितेंद्र करवरिया ने पति सिद्धार्थ उर्फ गोलू पुत्र रविशंकर शुक्ला निवासी देवरा थाना मऊ व ससुरालियों पर मारपीट, गालीगलौज व दहेज की मांग करने के संबंध में एसपी को प्रार्थनापत्र दिया था। केंद्र प्रभारी गुड्डी देवी, आरक्षी शिवाग्नी श्रीवास्तव, मंजूलता ने दोनों पक्षों को बुलाकर समझाया। इस पर दोनों पक्ष लड़ाई झगड़ा न करने व परिवारिक कर्तव्यों का पालन करने की बात पर सहमत हो गए।इसी तरह श्यामकली पत्नी सुभाष चंद्र निवासी भट्ठा थाना मऊ ने पति पर मारपीट व झगड़ा करने के संबंध में एसपी के समक्ष प्रार्थनापत्र दिया था। परामर्श केंद्र ने दोनों पक्षों को समझाया। पति के बाहर होने पा उससे मोबाइल से बात की गई। दोनों पक्षों ने परिवारिक कर्तव्यों का पालन करने की बात कही।

त्योहारों पर उपद्रव करने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा: एसडीएम

संवाददाता, राजापुर (चित्रकूट)

अमृत विचार। थाना सभागार में मंगलवार को उप जिलाधिकारी प्रमोद झा और क्षेत्राधिकारी निष्ठा उपाध्याय ने पीस कमेटी के साथ बैठक की। इसमें त्योहारों को शांति और सौहार्द्र से मनाने की अपील की गई। एसडीएम ने कहा कि किसी ने उपद्रव कराने का प्रयास किया तो उसकी खैर नहीं होगी।

एसडीएम ने कहा कि समुदायों के लोग त्यौहार परंपरानुसार मनाएं। उन्होंने बिजली विभाग के जेई को निर्देश दिए कि झूलती तारों व जर्जर पोलों को दुरुस्त किया जाए। सीओ ने कहा कि मुस्लिम समाज के लोग अपनी एक कमेटी बनाकर उसकी जानकारी थाना प्रभारी को दें, जिसमें मोबाइल नंबर अंकित हो। त्यौहारों के समय नशे पर पूर्णरूपेण प्रतिबंध रहेगा और असामाजिक तत्वों पर पुलिस बल के साथ कस्बे में फ्लैग मार्च किया। प्रभारी निरीक्षक मनोज सिंह, सुनील मिश्रा, लेखपाल प्रदीप तिवारी, अनिल गुप्ता, जगदीश शुक्ला, तरणी कुमार गर्ग, भगवान दास सोनकर, विकास अग्रहरि, जितेंद्र सोनकर, गजराज प्रसाद, मोनू मोदनवाल, मुस्लिम कमेटी के अध्यक्ष अतहर नईम, वसीम कुरैशी, मोईन अली, साबिद अली, नवी शाह, अब्दुल कयूम खान, आबिद अली आदि मौजूद रहे।

पीस कमेटी की बैठक में मौजूद अधिकारी और जनप्रतिनिधि। अमृत विचार

- पीस कमेटी की बैठक में दी हिदायत

पुलिस की विशेष नजर रहेगी। शांति व्यवस्था के लिए कस्बा सहित ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस बल तैनात किए जाएंगे। नगर पंचायत अध्यक्ष संजीव मिश्रा ने बताया कि नगर पंचायत की ओर से सफाई, विद्युत एवं पेयजल की चुस्त दुरुस्त व्यवस्था कराई जाएगी। बाद में उप जिलाधिकारी व क्षेत्राधिकारी ने

बैंककर्मी को ब्लैकमेल करने के आरोपी की जमानत खारिज

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

- महिला को घर बुलाकर किया था दुराचार

अमृत विचार। महिला बैंककर्मी को घर बुलाकर दुराचार करने, उसका वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने के मामले में जेल में बंद आरोपी खाताधारक का जमानत प्रार्थनापत्र फास्ट ट्रैक कोर्ट के अपर जनपद न्यायाधीश ने निरस्त कर दिया।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी गोपालदास ने बताया कि कर्वी कोतवाली में सात जून को एक बैंककर्मी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि कोतवाली अंतर्गत चकला राजरानी निवासी कुलदीप सिंह बैंक के काम से उसके घर आता जाता था। एक दिन वह कुलदीप के गांव वाले घर गई जहां उसने कुछ खिला दिया। उसे चक्कर आने लगा तो उसके साथ गलत काम किया। साथ ही उसका वीडियो बना लिया गया। इसके बाद आरोपी कुलदीप सिंह उसे ब्लैकमेल करने लगा और लगातार छह माह तक गलत काम करता रहा।

इसके बाद कुलदीप ने उसे अन्य लोगों से भी संबंध बनाने के लिए मजबूर किया। इसके चलते उसने कुलदीप का नम्बर ब्लॉक कर दिया और बात करना बंद कर दिया। आरोप लगाया कि 25 मार्च को उसने उसके पति के पास गंदी फोटो और वीडियो भेजकर उसका जीवन बर्बाद कर दिया। ऐसी बदनामी अब उसे आत्महत्या करने के लिए मजबूर कर रही है।

पुलिस ने इस मामले में अभियोग दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया था। जेल में बंद आरोपी ने अधिवक्ता के जरिए न्यायालय में जमानत प्रार्थनापत्र प्रस्तुत कराया था। बचाव और अभियोजन पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद मंगलवार को त्वरित न्यायालय के अपर जनपद न्यायाधीश नीरज श्रीवास्तव ने आरोपी कुलदीप सिंह का जमानत प्रार्थनापत्र निरस्त कर दिया।

हाथरस के हादसे पर भाकपा ने जताया गहरा दुख

चित्रकूट। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की राज्य कार्यकारिणी के सदस्य अमित यादव एडवोकेट ने हाथरस हादसे को लेकर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह दुखद है कि मृतकों में महिलाएं और बच्चे अधिक हैं। मृतकों की संख्या का सही अनुमान लगाना कठिन है। पूरा मामला शासन की अदूरदर्शिता और प्रशासन की असफलता का है। बताया कि भाकपा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश से जांच की मांग करती है। मृतकों के परिवारों को उचित धनराशि और घायलों के संपूर्ण इलाज के खर्च का निर्वहन सरकार करे और हर शव उसके परिजनों को मिले, इसकी गारंटी की जाए। इधर उधर भटक रहे सत्संगियों को घर तक पहुंचाया जाए।

तीर्थक्षेत्र में जलभराव की स्थिति। अमृत विचार

बारिश के बाद सताने लगी उमस, इलाके में गंदगी

संवाददाता, सीतापुर (चित्रकूट)

- तीर्थक्षेत्र में कई स्थानों पर हुआ जलभराव

अमृत विचार। बीते दिन बारिश से लोगों ने उमस से राहत ली तो अगले दिन बादल छाए रहे पर पानी न बरसने से फिर से उमस बढ़ गई। उधर, तीर्थ क्षेत्र में जगह-जगह जलभराव से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

सोमवार को रिमझिम बारिश से सुहावने मौसम में श्रद्धालु परिक्रमा करते दिखे। हालांकि बारिश से कई जगहों पर जलभराव मुसीबत बना रहा। सीतापुर में कुशवाहा बस्ती, चितरागोकुलपुर आदि जगहों पर भीषण जलभराव होने से लोग परेशान रहे। जानकी प्रसाद कुशवाहा, भूपेंद्र सिंह, कुलदीप, प्रेम यादव, मनोज, देवेश कुमार, अवधेश आदि ने जिम्मेदारों से यहां की सफाई व्यवस्था पर ध्यान देने का अनुरोध किया।

बारिश से किसानों के चेहरे पर खुशी नजर आई। रामघाट में मंदाकिनी नदी का जलस्तर भी इस बारिश में पहली बार कुछ बढ़ा। हालांकि मंगलवार को आसमान में पूरे दिन बादल छाए रहे और इससे उमस में बेतहाशा बढ़ोत्तरी होने से लोग परेशान रहे। चिकित्सकों ने बदलते मौसम में अहतियात बरतने की सलाह दी है।

आशा झमाझम बारिश से किसानों के खिल गए चेहरे, लोगों को भी गर्मी से मिली राहत

अब समय से खरीफ की फसलों की हो सकेगी बुआई

संवाददाता, राजापुर (चित्रकूट)

सड़कों और गलियों में भर गया पानी। अमृत विचार

- आगामी दिनों में भी अच्छी बारिश की व्यक्त की जा रही संभावना

अमृत विचार। लगातार धूप से आंखमिचौली खेल रहे बादल जमकर बरसे। समय से आए मानसून ने जहां किसानों के चेहरों पर मुस्कान ला दी, वहीं लोगों को भी गर्मी से राहत मिली।

बीते दिन मौसम ने करवट बदली। सोमवार सुबह से गरज चमक के साथ लगातार चार घंटे की झमाझम बारिश से उमस भरी गर्मी से लोगों ने राहत की सांस ली और सड़कों व खेतों में पानी ही पानी नजर आया। इससे काफी दिनों से खरीफ की बुआई के लिए पानी का इंतजार कर रहे किसान खुश नजर आए।

मंगलवार को भी पूरे दिन आसमान में बादल छाए रहे। एक दिन झमाझम और आगे भी बारिश की उम्मीद से किसानों के चेहरे पर उम्मीद की चमक आई है। कई सालों से मौसम की बेरुखी का सामना कर रहे अन्नदाताओं का कहना है कि यदि इसी तरह मौसम का रुख रहा तो बढ़िया फसल होने की संभावना बनी रहेगी।

समय पर जोताई से बढ़ेगी पैदावार

रामनरेश।

हरिश्चंद्र।

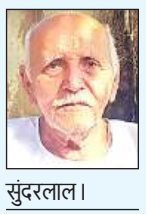

सुंदरलाल।

राकेश श्रीवास।

लगभग चार घंटे की बरसात से खेत पानी से लबालब दिख रहे थे। किसान सुंदरलाल द्विवेदी, रामनरेश द्विवेदी, हरिश्चंद्र पांडेय, सारंगधर मिश्रा, राकेश श्रीवास ने बताया कि जुलाई के प्रथम सप्ताह में बारिश हो जाने से खरीफ की फसल में धान की जई तथा ज्वार, बाजरा, मूंग, अरहर, तिल बो सकते हैं। खेतों की जुताई समय से हो जाने के कारण पैदावार में काफी अंतर आता है।

आवागमन में हुई दिक्कत

हालांकि सड़कों पर पानी भरने लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना भी करना पड़ा। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, कंपोजिट विद्यालय, नगर पंचायत परिसर में लबालब पानी भर गया। लोग स्वयं कीचड़ व गंदे पानी की सफाई करते रहे। कई दुकानों में बरसात का पानी हिलोरें मारने लगा।

भाजपाइयों ने राहुल पर लगाए गंभीर आरोप, फूंका पुतला

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

अमृत विचार। हिंदुओं के खिलाफ घृणास्पद बयान देने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का पुतला फूंका।

पुतला दहन से पूर्व भाजपाइयों ने प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की। जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा हीरो मिश्रा ने कहा कि राहुल गांधी के बयान की निंदा हर युवा कर रहा है। उनको हिंदुओं से माफी मांगनी चाहिए। पूर्व राज्यमंत्री चंद्रिका प्रसाद उपाध्याय ने कहा कि राहुल नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद भी गंभीर नहीं हो पाए हैं। पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश तिवारी ने कहा कि राहुल गांधी का बयान राजनीतिक मूल्यों की गिरावट को दर्शाता है। जिला महामंत्री आलोक पांडेय ने राहुल पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। जिला महामंत्री अश्विनी अवस्थी, मीडिया प्रभारी भागवत त्रिपाठी, शिवशंकर सिंह, महेंद्र कोटार्य, ब्रजेश पांडेय, अभिषेक ओझा, पवन बद्री, बच्चन त्रिपाठी, विकास, राघव, शैलू सोनी, श्रद्धांशु, विनीत, भानु, आदित्य, धर्मेंद्र, आभेष, हेमंत, संजय पांडेय आदि मौजूद रहे।

राहुल गांधी का पुतला फूंकते भाजपा नेता व कार्यकर्ता। अमृत विचार

मोदी सरकार ने धारा 370 हटाकर पूरा किया डॉ. मुखर्जी का सपना

पुण्यतिथि पखवाड़ा आयोजित कर भाजपाइयों ने दी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि

कार्यालय संवाददाता, बांदा

अमृत विचार। जनसंघ के संस्थापकों में शामिल रहे डा.श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि का पखवाड़ा मनाते हुए भाजपाइयों ने मंगलवार को पार्टी कार्यालय में संगोष्ठी आयोजित की और डा.मुखर्जी को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। भाजपा नेताओं ने डा.मुखर्जी के महान व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्हें महानता के गुण विरासत में मिले थे। कहा कि देश की मोदी सराकर ने जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाकर एक विधान-एक निशान का सपना पूरा करके उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की है।

मंगलवार को भाजपा कार्यालय में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य जितेंद्र सिंह सेंगर ने डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी के कृतित्व और व्यक्तित्व पर चर्चा की। कहा कि डा.मुखर्जी शुरू से ही जम्मू कश्मीर में धारा 370 के खिलाफ रहे हैं और एक विधान-दो निशान की खुलकर मुखालफत करते रहे हैं। एमएलसी श्री सेंगर ने कहा कि भाजपा की मोदी सरकार ने दूसरे कार्यकाल में डा.मुखर्जी के सपने को साकार किया और जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाकर उनके सपने को साकार किया है। बताया

- डॉ.मुखर्जी ने एक विधान दो निशान का हमेशा किया विरोधः जितेंद्र

संबोधित करते एमएलसी जितेंद्र सिंह।

कि डॉ. मुखर्जी का जन्म 6 जुलाई 1901 को एक संभ्रांत परिवार में हुआ था। उनके पिता आशुतोष बाबू अपने जमाने ख्यात शिक्षाविद् थे। डॉ. मुखर्जी 24 वर्ष की आयु में कोलकाता विश्वविद्यालय सीनेट के सदस्य बने। वह गणित विषय के अध्ययन के लिए विदेश गए और लंदन मैथेमेटिकल सोसायटी के सम्मानित सदस्य बनाए गए। वहां से लौटने के बाद डॉ.मुखर्जी ने वकालत तथा विश्वविद्यालय की सेवा में कार्यरत हो गए। डॉ.मुखर्जी ने 1939 से राजनीति में भाग लिया और आजीवन इसी में लगे रहे। उन्होंने गांधीजी व कांग्रेस की नीति का खुलकर विरोध किया। किसान मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष बालमुकुंद शुक्ला ने कहा कि डा.मुखर्जी ने नेहरू और गांधी की तुष्टिकरण की नीति का सदैव खुलकर विरोध किया। यही कारण था कि तथाकथित सेक्युलर लोगों द्वारा उनको संकुचित सांप्रदायिक विचार का द्योतक समझा जाने लगा। राष्ट्रीय परिषद सदस्य संतोष गुप्ता ने कहा कि अगस्त 1947 को स्वतंत्र भारत के प्रथम मंत्रिमंडल में एक गैर-कांग्रेसी मंत्री के रूप में उन्होंने वित्त मंत्रालय का काम संभाला और चितरंजन में रेल इंजन कारखाना, विशाखापट्टनम में जहाज बनाने का कारखाना और बिहार में खाद का कारखाने स्थापित करवाए। 1950 में देश की दयनीय दशा और भारत सरकार की अहिंसावादी नीति के फलस्वरूप मंत्रिमंडल से त्यागपत्र देकर संसद में विरोधी पक्ष की भूमिका का निर्वाह करने लगे। भाजपा जिलाध्यक्ष संजय सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया। संचालन जिला उपाध्यक्ष ममता मिश्रा द्वारा किया गया।

संगोष्ठी में शामिल भाजपा कार्यकर्ता। अमृत विचार

ये लोग रहे मौजूद

पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक त्रिपाठी जीतू, लवलेश सिंह, चेयरमैन मालती बासू, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष वंदना गुप्ता, पूर्व चेयरमैन विनोद जैन, राजकुमार राज, जिला उपाध्यक्ष नरेन्द्र सिंह नन्ना, डा.धर्मेन्द्र त्रिपाठी, मुदित शर्मा, जिला मंत्री अनीता शुक्ला, ब्लाक प्रमुख बड़ोखर स्वर्ण सिंह सोनू, ब्लाक प्रमुख बबेरू रमाकांत पटेल, अजय प्रताप सिंह, राजर्षी शुक्ला, राजेश सेन, आनन्द स्वरूप द्विवेदी, उत्तम सक्सेना, मंजू सिंह, राकेश बाजपेई, देशराज सिंह, प्रेमलता, धनंजय करवरिया, दीपक राजपूत, अनूप तिवारी, रामबाबू त्रिपाठी, धीरेन्द्र सिंह धीरू, सौरभ शिवहरे, प्रदीप मिश्रा, दिलीप तिवारी, आशीष मिश्रा आदि।

राहुल का प्रशंसापत्र पा अखिलेश हुए गदगद

बांदा। चुनाव में रायबरेली निर्वाचन क्षेत्र में पूरी मेहनत और निष्ठा से प्रचार अभियान में जुटे बांदा के पूर्व जिलाध्यक्ष और मौजूदा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य अखिलेश शुक्ला को लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने प्रशंसा पत्र भेजकर प्रोत्साहित किया है। सांसद राहुल गांधी ने अखिलेश शुक्ला को पत्र भेजकर बहादुर योद्धा बताया है और उनकी मेहनत और ईमानदारी की सराहना की है। राहुल गांधी का पत्र पाकर अखिलेश बेहद प्रसन्न हैं और उन्होंने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को धन्यवाद ज्ञापित किया है। बताया है कि रायबरेली संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में उन्हें बछरावां विधानसभा के शिवगढ़ ब्लाक और नगर क्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। जहां उन्होंने पूरी शिद्दत के साथ काम किया और अपने नेता को भारी बहुमत से जिता कर संसद भेजने में सफलता हासिल की है।

शिक्षण कार्य में नवाचार को बढ़ाएंगेः बीएसए

कार्यालय संवाददाता, बांदा

नए बीएसए विपन कुमार का स्वागत करतीं मौजूदा बीएसए प्रिंसी मौर्य। अमृत विचार

- नवागत बीएसए विपिन कुमार ने संभाला कार्यभार

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव के बाद अब शासन की तबादला एक्सप्रेस तेजी से फर्राटा भर रही है। योगी सरकार की तबादला एक्सप्रेस में सवार होकर बांदा पहुंचे चर्चित पीईएस अधिकारी विपिन कुमार ने मंगलवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी का पदभार संभाल लिया है। मौजूदा बीएसए प्रिंसी मौर्य ने नवागत का जोरदार स्वागत किया। शासन ने सुश्री मौर्य को एससीआरटी लखनऊ के लिए तबादला कर दिया है।

मंगलवार की सुबह जनपद के नए बेसिक शिक्षा अधिकारी के रूप में अपना कार्यभार संभालने वाले विपिन कुमार ने जिले की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और शिक्षा का स्तर ऊपर उठाने का दावा किया। कहा कि बेसिक शिक्षा विभाग शिक्षा की पहली सीढ़ी है, बच्चों की नींव को मजबूत करने का काम बेसिक शिक्षक ही करता है। उन्होंने शिक्षकों को समय से स्कूल पहुंचने और शिक्षण कार्य में नवाचार को शामिल करके शिक्षा का स्तर बढ़ाने की हिदायत दी है। हालांकि नए बीएसए विपिन इसके पहले औरैया जिले में बीएसए रह चुके हैं और यहां उन्हें भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों का सामना करना पड़ा था। उन्हें वर्ष 2022 में बिजलेंस टीम ने एक शिक्षक से एरियर भुगतान के नाम पर रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा था। यहां तैनाती से पहले वह जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) प्रयागराज में तैनात थे। नए बीएसए की अगवानी के लिए तमाम शिक्षक नेताओं का जमावड़ा बीएसए कार्यालय में लगा रहा। शिक्षक नेताओं ने नए बीएसए से मुलाकात कर यहां की समस्याओं से रूबरू कराया और समस्याओं को हल कराने की बात कही।

सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वालों पर रहेगी नजर

संवाददाता, अतर्रा

पीस कमेटी बैठक में मौजूद अफसर व कस्बावासी।

- मोहर्रम व कांवड़ यात्रा पर सद्भाव बनाए रखने की नसीहत

अमृत विचार। मोहर्रम व कांवड़ यात्रा को लेकर थाना परिसर में आयोजित पीस कमेटी की बैठक में दोनों ही वर्गों के लोगों ने बढ़चढ़कर भागीदारी की। एसडीएम ने कहा कि त्यौहारों पर सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वालों की खैर नहीं रहेगी। अराजकतत्वों को किसी भी दशा में बख्शा नहीं जाएगा। बैठक में एसडीएम रावेंद्र सिंह ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा के इंतजाम में कोई कमी नहीं रहेगी। सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वालों पर पुलिस की कड़ी नजर रहेगी। थानाध्यक्ष कुलदीप तिवारी ने कहा कि शांति व्यवस्था बिगाड़ने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। व्यापार मंडल अध्यक्ष अवधेश गुप्ता ने कस्बे में बिजली और पानी के साथ सफाई की समस्या का निराकरण कराने की मांग की। एसडीएम ने नगर पालिका ईओ समेत बिजली व जल निगम अधिकारियों को त्यौहारों पर निर्बाज बिजली, पानी समेत सफाई कराने के निर्देश दिए। इस मौके पर कस्बा इंचार्ज केडी त्रिपाठी, राकेश गौतम मेजर, संजय साहू, अनीश गौतम, कमलेश निगम, मधुकर पांडेय आदि मौजूद रहे।

ससुर को प्रताड़ित न करने की बहू को दी गई सख्त हिदायत

कार्यालय संवाददाता,बांदा

अमृत विचार। पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के निर्देश पर सामाजिक रिश्तों को बचाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के अंतर्गत परिवार परामर्श केंद्र, पुलिस टीम और समाजसेवियों द्वारा पारिवारिक झगड़े व मतभेदों को सुलह समझौते के आधार पर हल करते हुए एक परिवार को टूटने से बचा लिया है।

गिरवां थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम महुआ निवासी राजाभइया द्वारा पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल को शिकायती पत्र देकर बताया था कि उसकी बहू उसे प्रताड़ित कर रही है। इस पर परिवार परामर्श केंद्र की टीम द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायत को विस्तार से सुन समझकर द्वितीय पक्ष से संपर्क कर उन्हें परिवार परामर्श केंद्र बुलाया गया, जहां बहू को हिदायत देकर कहा कि वह ससुर को प्रताड़ित न करे और पारिवारिक कर्तव्यों का पालन करे। रिश्तों का आदर करे। साथ ही परिवार को आपस में सामंजस बिठाकर पारिवारिक दायित्वों का सही प्रकार से निर्वहन करने की सलाह भी दी गई। इसके साथ ही बहू को चेतावनी भी दी गई कि यदि उसने अपने वृद्ध ससुर को प्रताड़ित किया तो उसके विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी। सुलह समझौता कराने वाली टीम में उप निरीक्षक अनुपमा तिवारी, काउंसलर प्रदीप तिवारी, सुरेशचंद्र जायसवाल आदि रहे।

पौधरोपण के साथ जल संरक्षण पर दिया जोर

कार्यालय संवाददाता,बांदा

अमृत विचार। रेलवे स्टेशन परिसर में आयोजित संगोष्ठी में वक्ताओं ने पौधरोपण के साथ जल संरक्षण पर जोर दिया। इस मौके पर जल और पर्यावरण संरक्षण पर आधारित स्वलिखित पुस्तक का वितरण किया गया। संगोष्ठी के बाद रेल अधिकारियों व कर्मचारियों ने स्टेशन परिसर में पौधरोपण करते हुए संरक्षित करने का संकल्प लिया।

सोमवार को रेलवे स्टेशन परिसर स्थित मनोरंजन गृह में जल संरक्षण व वृक्षारोपण विषय पर संगोष्ठी आयोजित हुई। संयोजक व मुख्य टिकट निरीक्षक श्रीराम सिंह लोध द्वारा जल संरक्षण व वृक्षारोपण पर आधारित स्व-लिखित पुस्तक जलाभिषेक वितरित की गई।

विटप प्रहरी को सम्मानित करते डॉ.राहुल। अमृत विचार

- स्टेशन परिसर में रेल अधिकारियों ने लगाए पौधे

संयोजक ने वनस्पति व प्राणी जगत के अस्तित्व को बचाने का एकमात्र समाधान जल संरक्षण व वृक्षारोपण बतातेहुए कहा कि पौधरोपण करके ही जल संरक्षण किया जा सकता है। सभी से वर्षा जल संचयन के लिए प्रत्येक मकान में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने का अनुरोध किया। कहा कि भविष्य में पानी की कमी को दूर करने का एकमात्र यही उपाय है। भौतिक विकास एवं खाद्यान्न की बढ़ती जरूरत ने हमारे पर्यावरण को काफी नुकसान किया है। परिणाम स्वरूप पर्यावरण विभिन्न प्र पानी को अनावश्यक बर्बाद करने से जलस्रोतों पर संकट छा गया है। सतत एवं सुरक्षित विकास के लिए व्यक्ति, समाज, संस्थाओं एवं सरकार को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध रहने की आवश्यकता है। संगोष्ठी समापन पर रेल अधिकारियों व कर्मचारियों ने स्टेशन परिसर में बरगद, अशोक, पीपल, आंवला, अमरूद, आम, जामुन, गोल्ड मुहर, महोगनी, सागौन व अर्जुन के पौधे लगाए। जल संरक्षण व वृक्षारोपण के कार्य में उल्लेखनीय योगदान देने पर संयोजक को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा.राहुल उपाध्याय, वरिष्ठ खंड अभियंता संजय कुशवाहा, मुख्य टिकट निरीक्षक विनय शंकर श्रीवास्तव, ट्रेन मैनेजर जितेंद्र वर्मा आदि उपस्थित रहे। अध्यक्षता स्टेशन प्रबंधक मनोज कुमार शिवहरे ने की।

दर्शनार्थियों से भरी कार पलटी, चार लोग घायल

संवाददाता,कालिंजर

रास्ते में पलटी पड़ी कार।

अमृत विचार। दर्शनार्थियों से भरी कार अनियंत्रित होकर पलट जाने से उस पर सवार चार श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने कार के अंदर फंसे घायलों को बाहर निकालकर सीएचसी पहुंचाया। यहां से सभी को रानी दुर्गावती मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया।

कालिंजर दुर्ग स्थित भगवान नीलकंठ के दर्शन व पूजा-अर्चना के बाद कार पर सवार होकर श्रद्धालु लौट रहे थे। इसी दौरान कार अनियंत्रित होकर पलट जाने से जिला मुख्यालय के शहर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत बाकरगंज निवासी बाबूलाल शिवहरे (55), सौरभ शिवहरे (28), प्राजंलि (21), सौम्या तिवारी (19) और कमला शिवहरे (63) घायल हो गईं। मौके पर पहुंची पुलिस ने कार के अंदर फंसे श्रद्धालुओं को बाहर निकाला और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को रानी दुर्गावती मेडिकल कालेज रेफर कर दिया।

ठगी का शिकार व्यक्ति के वापस कराए रुपये

संवाददाता, बदौसा

- छह माह पहले 91 हजार रुपये यूपीआई के माध्यम से साइबर ठगों ने उड़ाए थे

अमृत विचार। थाने की साइबर क्राइम टीम ने साइबर ठगी का शिकार हुए व्यक्ति के 45,133 रुपये वापस कराए। पुलिस के मुताबिक लालच में आकर व्यक्ति ने अनजान लिंक पर क्लिक करने पर व्यक्ति के साथ यूपीआई के माध्यम से 91,000 रुपये की साइबर ठगी हुई थी। प्रभारी उप निरीक्षक प्रवेश कुमार ने बताया कि 14 जनवरी 2024 को थाना क्षेत्र के दुबरिया गांव निवासी सलमान सौदागार ने मोबाइल फोन पर विज्ञापन देखा। जिसमें बहुत कम दाम पर जैकेट खरीदने का प्रचार दिखा रहा था। सलमान ने विज्ञापन पर दिए गए नंबर पर कॉल किया तो साइबर ठग ने एक लिंक भेजा और कहा कि इसे ओपन करके अपनी डीटेल भर दो बहुत कम दाम में आपको अच्छी जैकेट मिल जायेगी। उसने अनजान लिंक पर जैसे ही विवरण भरे उसके खाते से यूपीआई के माध्यम से 91,000ध् कट गए। पीड़ित ने थाने आकर शिकायत दर्ज कराई। थाना की साइबर टीम में शामिल कंप्यूटर आपरेटर संजय वर्मा व महिला कांस्टेबिल शिक्षा राठौर ने तत्परता पूर्वक कार्रवाई करते हुए उसे 45,133 रुपये वापस कराए। बताया कि शेष धनराशि की रिकवरी के प्रयास किए जा रहे हैं। साइबर ठगों को भी ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है। प्रभारी उप निरीक्षक ने कहा कि पिन, ओटीपी आदि किसी से शेयर न करें।

करंट से बालिका की जान गई

बांदा। गिरवां थाना क्षेत्र के तरखरी गांव निवासी 12 वर्षीय सोनका देवी पुत्री विजय कुमार सोमवार की शाम खेत में भैस चरा रही थी। पड़ोसी युवक चोरी से कटिया डाल कर टुल्लू चला कर अपनी बारी की सिचाई करता है। अर्थ का तार जमीन पर छू रहा था। जैसी सोनका वहा से गुजरी तभी उसका पैर अर्थ के तार में छू गया। जिससे करंट की चपेट में आकर झुलस गई। उसकी मौके पर मौत हो गई। मृतका पांच बहनो में तीसरे नबंर की थी।

युवती समेत तीन ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कार्यालय संवाददाता, बांदा

- जिले में अलग-अलग स्थानों पर हुईं घटनाएं

अमृत विचार। अलग-अलग स्थानों पर घटीं घटनाओं में युवती समेत तीन लोगों ने फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्रयागराज जिले के प्रीतम नगर निवासी अन्नू देवी (28) पत्नी अशोक कुमार लगभग डेढ़ वर्ष से अपने मायके अतर्रा कस्बे के आजाद नगर में पिता राजेंद्र कुमार के यहां रहती थी। सोमवार की शाम सूने घर में कमरे के अंदर पंखा की हुक पर रस्सी से फांसी लगा कर खुदकुशी कर ली। कुछ देर बाद घर आए पिता ने उसका शव फंदे पर लटकता देखा। मृतका के पिता राजेंद्र ने बताया कि उसने अन्नू की शादी दो साल पहले की थी। दहेज में चार पहिया कार और नकद रुपये भी दिए। इसके बाद भी ससुरालीजन और दहेज लाने की बात कह कर उसे प्रताड़ित करते थे। डेढ़ वर्ष से अन्नू अपने मायके में रह रही थी। पति तलाक मांग रहा था। इसी से परेशान होकर उसने जान दे दी। उधर, बिसंडा थाना क्षेत्र के पवई गांव निवासी मेवालाल (45) पुत्र रामकुमार सोमवार की रात पत्नी और बच्चों के साथ छत पर सो रहा था। रात को किसी समय वह छत से नीचे आ गया। पहले उसने ईंट से अपना सिर फोड़ा। इसे बाद वह दीवार पर लगी खूंटी से साड़ी का फंदा बनाकर फांसी पर झूल गया। सुबह पत्नी ने उसका शव फंदे पर लटकता देखा। मृतका की पत्नी उर्मिला ने बताया कि दो साल से उसका मानसिक संतुलन ठीक नहीं था। शहर कोतवाली क्षेत्र के तिंदवारा गांव के मजरा बगनापुरवा निवासी रामदुलारे (52) पुत्र सुखदेव ने मंगलवार की सुबह कमरे के अंदर छत के छल्ले पर रस्सी से फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। भतीजे जुग्गीलाल ने उसका शव फंदे पर लटकता देखा। मृतक के भतीजे ने बताया कि रामदुलारे किसानी के साथ घर पर परचून की दुकान करता था। मंगलवार की सुबह किसी बात को लेकर पत्नी कल्ली से विवाद हो गया।

जताई खुशी | सप्ताह भर पहले ग्रामीणों ने मुख्य अभियंता को ज्ञापन सौंपकर उठाई थी मांग

ग्रामीणों की चेतावनी रंग लाई, चंदवारा सबस्टेशन शुरू

कार्यालय संवाददाता,बांदा

चंदवारा विद्युत उपकेंद्र में तैनात कर्मचारी। अमृत विचार

- उपभोक्ताओं को ओवरलोडिंग और फाल्ट से मिलेगी मुक्ति
- इटावा की एक कंपनी ने सब स्टेशन का निर्माण करवाया था

अमृत विचार। एक सप्ताह पहले ग्रामीणों द्वारा पावर कारपोरेशन मुख्य अभियंता को ज्ञापन देकर पैलानी तहसील क्षेत्र के चंदवारा गांव स्थित करोड़ों रुपये की लागत से बनकर तैयार 10 एमवीए क्षमता का बिजली सब स्टेशन चालू कराने की मांग की थी। साथ ही ग्रामीणों ने सब स्टेशन चालू न होने पर 10 दिनों का अल्टीमेटम देकर आंदोलन की चेतावनी दी थी। मुख्य अभियंता के निर्देश पर बिजली सब स्टेशन चालू कर दिया गया। बिजली सब स्टेशन चालू होने पर क्षेत्रीय लोगों ने खुशी जताई है।

गौरतलब है कि एक सप्ताह पहले किसान नेता पुष्पेंद्र सिंह चुनाले की अगुवाई में तमाम ग्रामीणों ने मुख्यालय के चिल्ला रोड स्थित मुख्य अभियंता कार्यालय पहुंचकर चार सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। इसमें कहा था कि जसपुरा ब्लाक के चंदवारा गांव में करोड़ों रुपए की लागत से बनाकर तैयार खड़ा 10 एमवीए क्षमता का बिजली सब स्टेशन शोपीस बना है। यह पांच साल बाद भी चालू नहीं हो सका है। संब स्टेशन में पांच-पांच एमवीए के दो ट्रांसफार्मर लगे हैं और इससे 50 हजार से ज्यादा आबादी को विद्युत आपूर्ति होनी है। इस सब स्टेशन के शुरू हो जाने से संबद्ध 10 से 15 गांवों के उपभोक्ताओं को ओवरलोडिंग और फाल्ट से मुक्ति मिलेगी। इटावा की एक कंपनी ने सब स्टेशन का निर्माण करवाया था। तत्कालीन भाजपा विधायक बृजेश प्रजापति द्वारा उद्घाटन के बाद क्षेत्रीय लोगों को भरपूर बिजली मिलने की आस जगी थी।

पांच साल बीतने के बाद लोगों की उम्मीदों पर पानी फिर गया। किसी भी जनप्रतिनिधि और अधिकारियों ने इसे चालू कराने में दिलचस्पी नहीं दिखाई। कई सालों से इस सब स्टेशन से जुड़े गांवों में सालों की केबिल नहीं बदली गई। मामूली बारिश और हवा के तेज झोंकों में आए दिन तार टूटकर गिरते हैं। चेतावनी दी कि 10 दिन के अंदर सब स्टेशन के चालू न होने पर क्षेत्र की जनता और किसान आंदोलन को बाध्य होंगे।

ज्ञापन का संज्ञान लेकर मुख्य अभियंता ने सब स्टेशन के बारे में प्रगति जानी और इसे जल्द से जल्द चालू कराने के निर्देश दिए। मुख्य अभियंता के निर्देश पर मंगलवार को चंदवारा सब स्टेशन चालू कर दिया गया। पावर कारपोरेशन अवर अभियंता राहुल सिंह ने बताया कि इछावर, साबादा, महाबारा, मड़ौली, गौरी खुर्द आदि गांवों में इसी सब स्टेशन से बिजली आपूर्ति होगी। उपभोक्ताओं को ओवरलोडिंग और फाल्ट से निजात मिलेगी।

किसानों के हित में जल्द दुरुस्त कराई जाए विद्युत व्यवस्था

कार्यालय संवाददाता, बांदा

- जनसेवक के नेतृत्व में किसानों ने डीएम को सौंपा मांगपत्र

अमृत विचार। समाजसेवी ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि मुरवल व बबेरू विद्युत उपकेंद्रों में ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि करवाते हुए जर्जर फीडरों की विद्युत लाइन दुरुस्त कराई जाए, ताकि किसानों को विद्युत आपूर्ति का समुचित लाभ मिल सके और अद्योषित कटौती व लो-वोल्टेज की समस्या का भी प्राथमिकता के साथ निराकरण किया जाए।

बबेरू तहसील क्षेत्र के तमाम ग्रामीणों ने पीसी पटेल जनसेवक के नेतृत्व में जिलाधिकारी को दिए गए ज्ञापन में कहा है कि वर्तमान समय में धान की रोपाई का काम चल रहा है, लेकिन किसानों को रोस्टर के अनुरूप विद्युत आपूर्ति नहीं मिल रही है जो बिजली मिल भी रही है वह लो वोल्टेज की होती है, जिससे किसानों के उपकरण नहीं चल पाते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि बबेरू तहसील क्षेत्र के फंफूदी फीडर में विद्युत आपूर्ति बंद रहती है। इसी तरह मुरवल के पल्हरी एवं रगौली फीडर जर्जर होने के कारण किसानों को पर्याप्त विद्युत आपूर्ति नहीं मिल पा रही है। उन्होंने कहा कि विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता समेत अन्य संबंधित अभियंताओं को ज्ञापन सौंपकर विद्युत व्यवस्था दुरुस्त कराए जाने की मांग की जा चुकी है, लेकिन अब तक विद्युत व्यवस्था दुरुस्त नहीं हो पाई है, जिसके कारण किसानों को समुचित लाभ कृषि कार्य के लिए नहीं मिल पा रहा है।

उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि समस्याओं का समाधान शीघ्र संभव नहीं हुआ तो किसान सड़क पर उतने के लिए बाध्य होंगे। ज्ञापन देने में श्री पटेल के साथ शैलेश, कौशल, छोटा, विनोद, राहुल, राजेश, लखनलाल, सीताराम पटेल, हरिओम पटेल समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से बच्ची सहित 2 की मौत, 1 दर्जन लोग हुए घायल

राठ तहसील के सैदपुर से चरखारी के हनुमान मंदिर दर्शन करने जाते समय हुआ हादसा

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। राठ तहसील के ग्राम सैदपुर से चरखारी के ग्राम काकुन के प्राचीन हनुमान मंदिर दर्शन करने जा रहे श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। हादसे में एक बच्ची सहित युवती की मौत हो गई जबकि एक दर्जन लोग घायल हो गए। हादसा खरेला के पास हुआ। डीएम, एसपी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खरेला और अधिक गंभीर घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही मंडलायुक्त चित्रकूट धाम मंडल और डीआईजी बांदा जिले के अधिकारियों के साथ मौके पर घायलों का हालचाल पूछने पहुंचे। मामले में पुलिस का कहना है कि अभीतक कोई तहरीर नहीं मिली है।

मंगलवार को ग्राम सैदपुर तहसील राठ जिला हमीरपुर से एक ट्रैक्टर- ट्रॉली में सवार होकर एक दर्जन से अधिक श्रद्धालु काकुन हनुमान मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे, तभी कस्बा खरेला में ट्रैक्टर-ट्राली अनियंत्रण होकर पलट गई, जिससे कुछ लोग ट्रॉली में दब गए। चीख पुकार सुन लोगों की भीड़ एकत्र हो गई और पुलिस को सूचना दी गई। दुर्घटना की सूचना पुलिस प्रशासन व आला अधिकारियों को मिलते ही जिलाधिकारी मृदुल चौधरी व पुलिस अधीक्षक अर्पणा गुप्ता मय पुलिस बल के मौके पर पहुंच गए और सभी घायलों को एम्बुलेंस की मदद से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खरेला में भर्ती कराया तथा गंभीर रूप से घायलों को जिला चिकित्सालय महोबा में भर्ती कराया गया। हादसे में प्रीति कुमारी (22) और अनामिका (5) की मौत हो गई है। एक युवक को गंभीर चोटें आने पर हायर सेंटर झांसी रेफर किया गया है अन्य का जिला अस्पताल में उपचार जारी है। दुर्घटना की सूचना मिलने पर मृतक व घायलों के परिजन भी पहुंच गए और चीख-पुकार शुरू कर दी, जिस पर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने बातचीत की और मृतक व घायल परिजनों को सांत्वना दी। साथ ही आर्थिक मदद का भरोसा दिलाया। दुर्घटना की सूचना मिलने पर मंडलायुक्त चित्रकूट धाम बांदा बालकृष्ण त्रिपाठी एवं डीआईजी बांदा अजय कुमार सिंह ने जिला चिकित्सालय महोबा में पहुंचकर सभी घायलों के स्वास्थ्य के बावत जानकारी और मृतकों के परिवारजनों से मिलकर बातचीत की तथा सांत्वना दी। मंडलायुक्त ने कहा कि घायल व मृतक के परिवारजनों को जो भी आर्थिक मदद है वह दी जाएगी और जिला अस्पताल में ही सभी घायलों का बेहतर उपचार किया जाएगा।

जिला अस्पताल में घायलों से जानकारी लेते मंडलायुक्त, डीआईजी व अन्य अधिकारी।

- अस्पताल पहुंचकर घायलों से मिले अधिकारी

चोरों ने घर से चुराए सोने-चांदी के जेवर व नकदी

महोबा। कस्बा श्रीनगर के मोहल्ला मनोहर गंज में चोरों ने सूना घर पाकर अलमारी में रखे सोने चांदी के आभूषण सहित 70 हजार रुपये नकदी समेत 8 लाख रुपये पर हाथ साफ कर चंपत हो गए। जब परिजन खेत से बुवाई करके लौटे तो कमरे का सामान बिखरा देख अलमारी चेक की तो जेवर और नकदी गायब मिली।

कस्बे के मोहल्ला मनोहरगंज निवासी अशोक कुशवाहा ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि घर पर ताला डालकर वह परिवार सहित फसल की बुवाई करने के लिए खेत पर गया था, लेकिन देर हो जाने के कारण सभी लोग खेत पर ही रुक गए, तभी रात्रि के समय अज्ञात चोरो ने सूना घर पाकर उसमे प्रवेश किया और कमरे का सामान बिखेरते हुए अलमारी का लाक तोड़कर उसमें रखे सात तोला सोने व दो किग्रा0 चांदी के आभूषण और सत्तर हजार नगदी सहित करीब आठ लाख रुपये की चोरी कर भाग गए। पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी। कोतवाली प्रभारी शिवपाल सिंह ने बताया कि घटना का जांच की जा रही है, जल्द ही चोरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

नहर किनारे से कचरा उठाती जेसीबी मशीन। अमृत विचार

उठने लगी नहर से निकाली गई सिल्ट

खबर का असर

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- सफाई कर कचरा उठाना भूल गए थे जिम्मेदार, अमृत विचार की खबर के बाद हुई कार्रवाई

अमृत विचार। नहर सफाई के बाद जमा कचरा मंगलवार को नगर पालिका परिषद के कर्मचारियों ने उठाना शुरू कर दिया। दरअसल सफाई के एक सप्ताह बाद भी कचरा नहीं उठाया गया था। इस पर 1 जुलाई को अमृत विचार ने प्रमुखता से खबर प्रकाशित की। इसके बाद जिम्मेदार हरकत में आए और कचरा उठाना शुरू किया। इससे स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली।बारिश का मौसम शुरू होते ही शहर के चंदेलकालीन मदन सागर सरोवर से कल्याण सागर तालाब को जोड़ने वाली नहर की सिंचाई विभाग के अधिकारियों के निर्देश पर नगर पालिका परिषद के सफाई कर्मचारियों की टीम ने 24 जून को सफाई की, लेकिन कचरा आसपास निवास करने वाले दो दर्जन मकानों के दरवाजों के सामने ही डाल दिया गया और एक सप्ताह तक उठाने की जहमत नहीं की, जिससे सड़क से निकलने वाले राहगीरों और वहां रहने वालों को पानी बरसते ही कूड़े से आ रही बदबू का सामना करना पड़ रहा था। खबर प्रकाशित होने के बाद नगर पालिका परिषद के अधिकारियों ने खबर पर संज्ञान लेते हुए दूसरे दिन जेसीबी मशीन और डंपर से कचरे को हटाने का काम किया । इसमें दो दिन लगेंगे।

प्रकाशित खबर की फोटो।

5 दिन से नहीं मिल रहा बेलाताल के लोगों को पानी, परेशान हुए

संवाददाता बेलाताल महोबा

अमृत विचार। नमामि गंगे योजना के तहत कस्बा बेलाताल के ग्रामीणों को घर-घर तक पानी पहुंचाने का सपना जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता के चलते पूरा होता नहीं दिख रहा है। ग्राम में विगत पांच दिनों से पानी की सप्लाई ठप हो जाने से ग्रामीणों में भारी नाराजगी दिखना शुरू हो गई है। सामाजिक कार्यकर्ता संदीप गुप्ता के नेतृत्व में ग्रामीणों ने एसडीएम कुलपहाड़ को ज्ञापन देकर शीघ्र सप्लाई शुरू कराए जाने की मांग की है।

एसडीएम को दिए शिकायती पत्र में बताया कि जिले की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत जैतपुर के कस्बा बेलाताल की जब यह समस्या है तो जनपद के अन्य गांवों की स्थिति क्या होगी, इसी से अंदाज लगाया जा सकता है कि पांच दिनों से पानी की सप्लाई बंद रहने से लोग पानी को लेकर खासे परेशान है। योजना के तहत जलापूर्ति न होने से लोगों को हैंडपंपों और कुंओ का सहारा लेना पड़ रहा है। ग्राम में पानी खारा होने के कारण पेयजल के लिए लोगों को लंबी दूरी तय कर अन्य क्षेत्रों में लगे मीठे पानी के हैंडपंपों से पानी भरने को मजबूर हैं। नलों में पानी न आने के बावत नमामि गंगे योजना के विभागीय अधिकारी, कर्मचारियों से इस संबंध में पूछा गया तो तकनीकी खराबी का बहाना बनाकर चुप्पी साधे हुए हैं। समस्या को देखते हुए में श्री आदर्श रामलीला संस्कृति मंच द्वारा निशुल्क जल सेवा टैंकर के माध्यम से किया जा रहा है।

टैंकरों से पानी भरते ग्रामीण। अमृत विचार

- जलापूर्ति ठप होने पर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन
- समाजसेवी द्वारा टैंकरों से घर घर करवाई जा रही जलापूर्ति

देखरेख के अभाव में सूख रहे प्राचीन जलस्त्रोत

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। सैकड़ों सालों से नगर वासियों की प्यास बुझाते आ रहे चंदेल कालीन बिहर (विशाल कुएं) और जलाशय देखरेख के अभाव में सूखते जा रहे हैं। किसी समय क्षेत्र की पेयजल आपूर्ति का सशक्त माध्यम रहे ये जलस्त्रोत प्रशासन की उदासीनता के चलते मात्र चंदेलकालीन सभ्यता के संस्मरण बनकर रह गए हैं। इनके सूख जाने और करोड़ों रुपये अन्य आधुनिक पानी स्त्रोतों पर खर्च करने के बाद भी शासन पेयजल समस्या का समाधान नहीं कर सका है। चंदेल कालीन व्यवस्था में जिले की पेयजल आपूर्ति नगर की आधा दर्जन बिहरों व यहां के विशाल जलाशयों पर निर्भर थी।

इस काल में पेयजल आपूर्ति का सशक्त माध्यम एक दर्जन से ज्यादा विशाल जलाशयों तथा बिहर थे। मदन सागर, कल्याण सागर, कीरत सागर, विजय सागर, बेलासागर, जैसे विशाल जलाशय इस पहाड़ी क्षेत्र में भूगर्भ जल स्तर को ठीक ठाक बनाए रखने में सक्षम थे। लगातार उपेक्षा के चलते इनकी सफाई नहीं कराई गई, जिससे धीरे धीरे इनमें कूड़ा करकट व मिट्टी की पर्त जम गई और कुछ लोगों ने इन जलाशयों में खेती करना भी शुरू कर दिया, जिससे इनकी जल संभरण क्षमता एक चौथाई ही रह गई। इन जलाशयों की जल संभरण क्षमता समाप्त हो जाने से भूगर्भीय जल स्तर गड़बड़ा गया। यही हाल नगर की आधा दर्जन से ज्यादा बिहरों का हुआ। बल्खंडेश्वर मंदिर के सामने, सिंहभवानी के पास, नरसिंह कुटी के पीछे, छोटी चंद्रिका मंदिर के समीप, लवकुश नगर रोड पर, शीतला देवी मंदिर के पास, मलकशाह बाबा मजार के पास, कस्बाथाई व चांदो चौराहे पर स्थित एक हजार साल से ज्यादा पुरानी बिहरे चंदेलकालीन व्यवस्था के दौरान जलापूर्ति का सशक्त साधन थी। आजादी के बाद से लगातार इनकी उपेक्षा होने से सफाई के अभाव में सूख गई और अब मात्र चंदेलकालीन संस्मरण बनकर रह गई हैं। पुरातत्व विभाग द्वारा इन पुरातात्विक सूखी बिहरो पर एक ढेला भी खर्च नहीं किया गया। सफाई व रखरखाव के अभाव में जैसे जैसे यह जलाशय व बिहरे सूखती गई, पेयजल संकट बढ़ता गया। जबकि सन 1965 से 1975 के बीच जलापूर्ति के लिए नलकूप बनवाने में लगभग दो करोड़ रुपये व्यय किए गए पर पेयजल संकट के समाधान में कोई सफलता हासिल नहीं हो सकी और मजबूरी में मदन सागर को जलापूर्ति के लिए अपनाना पड़ा। मदन सागर व बीजासागर जल आपूर्ति योजना में भी पांच करोड़ रुपये से ज्यादा पिछले कई वर्षों में व्यय किया जा चुका है। लेकिन पेयजल संकट आज भी जारी है।

कूड़े से पटा पड़ा चंदेलकालीन बिहर। अमृत विचार

हनुमान मंदिर में हुआ भंडारा

महोबा। शहर के कीरत सागर पावर हाउस के समीप स्थित बगिया वाले हनुमान जी के मंदिर में प्रति वर्ष की भांति इस साल भी मंगलवार को भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में मंदिर पहुंचकर पहले भगवान के दर्शन किए और इसके बाद भंडारे से प्रसाद ग्रहण किया।

शहर के बगिया वाले हनुमान मंदिर समिति ने बताया कि पिछले कई वर्षों से मंदिर परिसर में भंडारे का आयोजन होता चला आ रहा है और इसी परम्परा को कायम रखते हुए इस साल 2 जुलाई मंगलवार को भी भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में बनाए जाने वाले प्रसाद के लिए समिति के लोग सुबह से ही जुट गए और भगवान की पूजा अर्चना और भोग के बाद भंडारा शुरु हुआ, जो देर शाम तक चलता रहा। भंडारे आने वाले सभी श्रद्धालुओं को श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण करने के बाद ही घरों की तरफ रवाना हुए।

शिविर में जनकारी देते जिला जज। अमृत विचार

उपकारागार में बंदियों को दी गईं कानूनी जानकारियां

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- भारतीय न्याय संहिता 2023 के बारे में भी बंदियों को अवगत कराया गया

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश प्राधिकरण लखनऊ के निर्देश तथा जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष जेपी यादव के निर्देश पर उपकारागार महोबा में प्राधिकरण के सचिव व जिला जज तेंद्रपाल की अध्यक्षता में मंगलवार को जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में भारतीय संसद द्वारा पारित तीन आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 व किशोर के अधिकार की विस्तार से बंदियों को जानकारी दी गई। शिविर का संचालन पराविधिक स्वयं सेवक विश्वनाथ त्रिपाठी ने किया। जिला जज ने जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय संसद द्वारा पारित किए गए जो कि पुराने कानूनों का स्थान लगे। उपरोक्त तीनों नए कानून एक जुलाई से प्रभारी हो गए हैं और इसी तारीख से होने वाले अपराधों की विवेचना, जांच व विचारण नए कानूनों के आधार पर किया जाएगा। नए कानूनों द्वारा विचारण को जल्द से जल्द पूर्ण किए जाने पर बल दिया गया साथ ही विवेचना में फोरेंसिक साक्ष्य के संकलन पर बल दिया गया है, जिससे वैज्ञानिक साक्ष्य के आधार पर आपराधिक मामलों का निस्तारण किया जा सके। चीफ लीगल एवं डिफेंस काउंसिल रामऔतार सिंह ने कहा कि नए कानूनों में झेठे परिवाद लाने पर लगाम लगाने की कोशिश की गई है।

उपकारागार में मौजूद बंदी। अमृत विचार

बंदी के दिन भी खुलती हैं ज्यादातर दुकानें

कार्यालय, संवाददाता महोबा

अमृत विचार। जिला प्रशासन द्वारा शहर में साप्ताहिक बंदी का दिन मंगलवार नियत किया गया है। प्रशासन द्वारा दिए गए निर्देशों के बाद भी ज्यादातर व्यापारी साप्ताहिक बंदी के दिन अपने प्रतिष्ठानों को खोलकर प्रशासन के दिए गए निर्देशों का उल्लघंन कर रहे हैं, जिससे बाजार दुकानों पर कार्य करने वाले श्रमिकों को एक दिन की मिलने वाली छुट्टी का भी लाभ नहीं मिल पा रहा है। दुकानदार सुबह से ही दुकानें अन्य दिनों की तरह की खोलकर बैठकर ग्राहकों को सामान दे रहे हैं। प्रशासन द्वारा चेकिंग अभियान भी चलाया जाता है, बावजूद दुकानदारों में साप्ताहिक बंदी के प्रति कोई रुचि नहीं दिखाई दे रही है।

गौरतलब है कि प्रशासन द्वारा सप्ताह में एक दिन दुकानों को बंद करने का फरमान जारी किया गया, जिसके तहत मंगलवार को शहर की मार्केट की दुकानों को बंद करने के निर्देश व्यापारियों को दिए गए है। अधिकारियों द्वारा समय समय पर साप्ताहिक बंदी का दुकानदारों द्वारा पालन किया जा रहा है या नहीं इसकी भी निगरानी की जाती है और चेतावनी देने के बावजूद दुकानें खोले जाने पर चालान भी किया जाता है, लेकिन चेकिंग दौरान व्यापारियों द्वारा सप्ताहिक बंदी का पालन किया जाता है और अधिकारियों के जाते ही ज्यादातर दुकानों के शटर खुल जाते हैं। साप्ताहिक बंदी का सबसे ज्यादा उल्लंघन महोबा कोतवाली से लेकर सब्जी मंडी तक के दुकानदान करते नजर आते हैं। मंलवार को दुकान बंदी के दिन ज्यादातर रेडीमेट, कपड़ा, जनरल स्टोर, थोक किराना स्टोर दुकानदार द्वारा किया जा रहा है साथ ही इन दुकानों में काम करने वाले कर्मचारियों को भी बुलाया जाता है और बंदी वाले दिन छुट्टी होने के बाद भी उनसे काम लिया जाता है।

साप्ताहिक बंदी के दिन खुली दुकानें। अमृत विचार

- मुख्य बाजार के दुकानदार नियमों का सबसे ज्यादा करते हैं उल्लघंन

सार-संक्षेप

शहीद जगदीश प्रसाद के समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि देते लोग। अमृत विचार

शहीद जगदीश प्रसाद को किया याद, श्रद्धांजलि दी

महोबा। जपनद महोबा के करगिल में शहीद हुए कमांडो जगदीश प्रसाद यादव के शाहदत दिवस पर गांव पचपहरा में शहीद की समाधि स्थल पर पहुंचकर लोगों ने उन्हें याद किया और श्रद्धांजलि अर्पित की। भारतीय हरधर किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष, शहीद के परिजन व पचपहरा विद्यालय स्टाफ व बच्चों ने शहीद जगदीश प्रसाद यादव को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर शहीद स्मारक के आसपास सुंदरीकरण, पौधरोपण आदि कराए जाने की प्रशासन से अपील की गई। इस दौरान समाधि स्थल पर कैप्टन मोहन सिंह, आलोक शर्मा, देवेन्द्र उपाध्याय, उमेश त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

तहसील परिसर में ज्ञापने देकर प्रदर्शन करते हिन्दू रक्षक समिति के पदाधिकारी।

राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद करने की मांग

महोबा। हिन्दू रक्षक समिति महोबा के पदाधिकारियों ने राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद करने की मांग करते हुए उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा और गांधी के खिलाफ नारेबाजी की। दिए गए ज्ञापन में हिन्दू रक्षक समिति ने कहा कि एक जुलाई को लोकसभा में राष्ट्रपति अभिभाषण के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा हिन्दुओं को हिंसा करने वाले, झूठ व नफरत फैलाने जैसे अपशब्दों का कई बार प्रयोग किया गया, जो अत्यंत निंदनीय है। इस मौके पर आशीष चौरसिया, त्रिलोक साहू, अर्पित चौरसिया, नीरज कुमार, रवेंद्र, अमित राजपूत आदि मौजूद रहे।

एआईआईईए का स्थापना दिवस मनाया

महोबा। एलआईसी शाखा कार्यालय महोबा में कर्मचारी संवर्ग के महान संगठन ऑल इंडिया इंश्योरेंस एम्प्लॉयज ऐसोसियेशन का 74वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया, जिसमें वरिष्ठ शाखा प्रबंधक, सहित अधिकारी गण, कर्मचारी एवं विकास अधिकारी के साथ अभिकर्ता व बीमाधारक भी मौजूद रहे।

खेती-बाड़ी

शुरू किया खेती का काम-काज, बारिश न होने से चिंतित थे किसान

बारिश होते ही किसानों ने किया खेतों का रुख

संवाददाता जैतपुर महोबा

अमृत विचार। मानसून की दस्तक के साथ हुई बारिश से जिले के किसानों के चेहरे खुशी से खिल गए तो वहीं लोगों ने उमस भरी गर्मी से राहत की सांस ली है। बारिश होने से खेतों में नमी आना शुरू हो गई है और खेत पानी से भरे नजर आने लगे, जिससे किसानों द्वारा खेतों में एक पखवाड़ा पहले बोए गए बीज खराब होने से बच गए। किसान अब खेती किसानी का कार्य प्रारंभ करने के लिए जुट गए हैं, जिसके चलते खेतों में किसानों की चहल पहल नजर आ रही है। वहीं जिन किसानों ने अभी तक बुवाई कार्य शुरू नहीं किया था वह भी ट्रैक्टर व बैलगाड़ी से गोबर खाद खेतों में ले जाते हुए दिखे।

जैतपुर कस्बे में कुछ दिन पूर्व मामूली बारिश हो जाने पर किसानों ने आनन फानन में मूंगफली, तिल, उर्द आदि खरीफ फसल की बुवाई कर दी थी, लेकिन मौसम ने पल्टी मार दी और तेज धूप के कारण किसानों द्वारा बोई गई फसल का बीज खराब होने का डर सताने लगा था, लेकिन पिछले तीन दिनों से हुई रुक रुककर और झमाझम बारिश से किसानों की चिंता दूर होती नजर आने लगी, तो वहीं लोगों ने उमस भरी गर्मी से राहत की सांस महसूस की।

कस्बा जैतपुर के देवीनंदन, हरदयाल कुशवाहा, रामलाल कुशवाहा सहित तमाम किसानों का कहना है कि ज्यादत किसानों ने खरीफ फसल की बुवाई बारिश की सम्भावना देखते हुए एक सप्ताह में कर दी थी, लेकिन बारिश के बाद निकली तेज धूप के कारण बीज खराब होने का डर सताने लगा था, लेकिन दो घंटे हुई तेज बारिश का पानी बीजों के लिए अमृत बनकर बरसा है, जिससे अब उन्हें बीज खराब होने का डर समाप्त हो गया वहीं मौसम भी खुशगवार नजर आने लगा है। किसानों ने बताया कि इसी तरह बारिश होती रही तो इस साल उनके द्वारा डाले गए बीज से अच्छी फसल होने की संभावना है।

बारिश के बाद खेत में भरा पानी। अमृत विचार

एक नजर

जल जीवन मिशन में अपात्रों के नाम और खाता फीड

हमीरपुर। जल जीवन मिशन के अंतर्गत कार्य करने वाले पात्रों ने मंगलवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंप उनके खाता व नाम फीड कराने की मांग की है। सरीला तहसील क्षेत्र के कुपरा व हसउपुर गांव के ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि वर्ष 2022 से जल जीवन मिशन के अंतर्गत कार्य करते चले आ रहे है। उनके नाम व खाता आज तक फीड नहीं किए गए। जबकि जो कार्य नहीं करते उनके नाम व खाता फीड किए गए है। उन्होंने जल जीवन मिशन के अंतर्गत उनके नाम व खाता फीड कराने की डीएम से गुहार लगाई है।

अमरनाथ यात्रियों का पहला जत्था कल होगा रवाना

सुमेरपुर(हमीरपुर)। कस्बे से अमरनाथ यात्रा के लिए पहला जत्था 4 जुलाई को सुबह खजुराहो मेमू ट्रेन से कानपुर रवाना होगा। अमरनाथ यात्री नरेश शर्मा, अमित कुमार, संदीप कुमार साहू, अक्षय गुप्ता, ज्ञानेन्द्र कुमार, नरेश कुमार, पप्पू, दिलीप आदि भरुआ सुमेरपुर रेलवे स्टेशन से खजुराहो पैसेंजर द्वारा कानपुर पंहुचेगें। कानपुर से लखनऊ होते हुए जम्मू के लिये प्रस्थान करेगें। इन सभी यात्रियों को ससम्मान रवाना करने के लिये सभी शिवभक्त गुरुवार को सुबह 8 बजे तक स्टेशन पहुंचेगी, ताकि बम भोले के जयकारों के साथ प्लेटफार्म को बम भोले के जयकारों से गुंजायमान किया जा सके।

डॉ. सागर उपाधि से सम्मानित हुए

सुमेरपुर। डॉक्टर्स डे पर कस्बे के डॉक्टर सागर को सामाजिक क्षेत्र में डॉक्टरेट मानस उपाधि से सम्मानित किया गया। बेबियन रिसाट लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश मेडिकल एण्ड पैरामेडिकल काउंसिल के चेयरमैन डा.श्रवण कुमार चक्रवर्ती ने डॉक्टर्स डे पर उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, दिल्ली, गुजरात से आए हुए डॉक्टरों का सम्मान करते हुए सभी को बधाई दी। कार्यक्रम में कस्बे के डा.जितेन्द्र सागर को सामाजिक क्षेत्र में डॉक्टरेट मानक उपाधि देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान उनकी पत्नी ईएच डॉ.सुनीता सागर को भी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक के रूप में सम्मानित किया गया। इसी तरह हमीरपुर के नोडल अधिकारी पंजीयन ईएच डा.मानसी व इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के बुंदेलखंड प्रभारी ईएच डॉ.नरेन्द्र भूषण निगम को भी डॉक्टर्स डे में सम्मानित किया गया।

गुंडा एक्ट में तीन अपराधी जिलाबदर किए गए

हमीरपुर। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध पुलिस की जा रही कार्रवाई जारी है। जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय में थाना सुमेरपुर की प्रभावी पैरवी के चलते गुंडा एक्ट में तीन लोगों को छह माह के लिए जिला बदर किया गया है। जिला मजिस्ट्रेट ने पारित आदेश में कहा है कि जिला बदर किए गए अपराधी अपने साथ किसी प्रकार का शस्त्र व आग्नेयास्त्र लेकर नहीं चलेंगे। अवधि समाप्त होने तक जनपद की सीमा में प्रवेश नहीं करेंगे। साथ ही बाह्य जनपद में जिस स्थान पर निवास करेंगे उसकी सूचना संबंधित न्यायालय एवं स्थानीय पुलिस को भी देंगे। जिला बदर किए गए अपराधियों थाना सुमेरपुर के कुंडौरा गांव निवासी राकेश वर्मा पुत्र रामा, इंगोहटा गांव निवासी सूरजबली पुत्र गोला व इसी गांव के सुभाष पुत्र सूरजबली हैं।

प्रायोगिक परीक्षाएं 15 जुलाई तक होंगी

मौदहा। मकरांव स्थित स्व.सुंदरलाल शिवहरे डिग्री कॉलेज के प्राचार्य डा.महेश कुमार गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा सभी विषयों की प्रायोगिक परीक्षा 2 जुलाई से 15 जुलाई के मध्य संपन्न कराई जाएगी। साथ ही बीकाम द्वितीय, चतुर्थ व छठे सेमेस्टर, एमकॉम द्वितीय व चतुर्थ सेमेस्टर की प्रायोगिक परीक्षा 4 जुलाई को तथा एमए द्वितीय व चतुर्थ सेमेस्टर के राजनीति विज्ञान की प्रायोगिक परीक्षा 5 जुलाई को संपन्न होगी। सभी परीक्षार्थी महाविद्यालय में आकर संपर्क करें।

17 घंटे आधे शहर की गुल रही बत्ती

सोमवार शाम 6 बजे सब स्टेशन की ओसीबी मशीन में ब्लास्ट होने से आई समस्या

सब स्टेशन में फुंकी ओसीबी ठीक करते विद्युत कर्मी। अमृत विचार

जेल रोड पर जाम लगाए कांशीराम कालोनी के लोग। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। बढ़ती उमस से हर कोई बेहाल है। ऐसे में बिजली जाना लोगों को मुसीबत में डाल देती है। वहीं पीने के पानी की समस्या से लोगों को परेशान होना पड़ रहा है। सोमवार की शाम करीब छह बजे शहर के पावर सब स्टेशन की ओसीबी ब्लास्ट हो गईं। तमाम प्रयास के बाद पावर कारपोरेशन आधे शहर को ही सोमवार रात करीब पौने 11 बजे बिजली दे सका। वहीं रहुनियां फीडर में सुबह 11 बजे सप्लाई चालू हो सकी। रात भर बिजली न मिलने से आधा शहर अंधेरे में डूबा रहा और रात लोगों को जागकर गुजारनी पड़ी।

पिछले दो दिनों बरसात होने के साथ कभी कभार रिमझिम फुहारे पड़ जाने के बाद मौसम साफ होने पर उमस बढ़ जाती है। इसके चलते बिजली गुल होने पर पंखा, कूलर बंद होते ही लोग भीषण उमस से परेशान हो जाते हैं।

इन दिनों बिजली की बढ़ रही मांग से खपत अधिक है। इसी के चलते सब स्टेशनों की मशीन अत्यधिक लोड नहीं झेल पा रही हैं। ऐसे में कभी पावर स्टेशनों की ओसीबी फुंक रही हैं तो कभी ट्रांसफार्मर धड़ाम हो रहे हैं।

- रहुनियां फीडर में मंगलवार सुबह 11 बजे बहाल हो सकी विद्युत आपूर्ति
- उमस भरी गर्मी में परेशान हुई शहर की आधी आबादी
- अंधेरे में गुजरी पूरी रात, सुबह पानी की भी समस्या हुई

नाराज लोगों ने जेल रोड पर लगाया जाम

- शहर के कांशीराम कालोनी में लगातार तीन दिनों से बिजली संकट रहने से नाराज लोगों ने सोमवार रात जेल रोड पर जाम लगा दिया। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस पहुंची और जाम लगाए लोगों को समझाया। इसके बाद एसडीओ (विद्युत) से वार्ता कर एसआई शाहजहां अली शीघ्र बिजली देने का आश्वासन दे जाम खुलवाया। जाम से करीब एक घंटे आवागमन बाधित रहा।

सोमवार की शाम करीब छह बजे शहर के पावर सब स्टेशन की ओसीबी धड़ाम हो गईं, जिसके चलते पूरे शहर की बिजली गुल हो गई, लेकिन रात नौ बजे तक बिजली न आने पर लोग पावर स्टेशन में फोन करने लगे। मगर फोन का रिसीवर अगल रखे होने पर लोगों ने स्टेशन पहुंचे। वहां कर्मचारी ओसीबी ठीक करते मिले तो मायूस होकर कुछ देर टहलने के बाद घर की ओर चले गए।

रमेड़ी फीडर की ओसीबी रात करीब पौने 11 बजे ठीक होने पर सप्लाई चालू की जा सकी। वहीं रहुनिया फीडर मंगलवार को सुबह 11 बजे चालू हो सका।

कालपी चौराहा निवासी अनिल सोनी ने बताया कि रात भर बिजली नहीं आने पर इधर-उधर टहलकर रात गुजारनी पड़ी। सुबह पेयजल की सप्लाई नहीं मिलने से नहाने धोने का भी नहीं हो सका।

किसानों ने एक्सईएन का घेराव कर मांगी बिजली

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। सरकार की मंशा के अनुरूप बिजली न मिलने से नाराज किसानों ने मंगलवार को पावर हाउस में अधिशासी अभियंता का घेराव कर प्रदर्शन किया। जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त एसडीएम को सौंपा है। जिसमें उन्होंने 18 घंटे बिजली न मिलने पर किसान आंदोलन की चेतावनी दी है।

सुमेरपुर विकासखंड के टेढ़ा गांव के किसानों ने विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता का घेराव कर प्रदर्शन किया। इसके बाद किसानों डीएम को दिए ज्ञापन में कहा कि सरकार मंशा के अनुरूप टाउन में 18 घंटे एवं किसानों को अलग फीडर बनाकर 10 घंटे बिजली देने का शासनादेश दिया है। जबकि टेढ़ा गांव में टाउन पूर्ण रूप से अलग नहीं किया गया है।विधुत विभाग की मनमानी के चलते उन्हें 10 घंटे बिजली दी जा रही है। जिससे किसान परेशान है।

बताया कि वित्तीय वर्ष में ओलावृष्टी के चलते उनकी फ़सल बर्बाद हो गयी थी, जिससे किसानों को खून के आँशू बहाने पड़े है।उन्होंने 18 घंटे बिजली देने व वित्तीय वर्ष लाइट से आग लगने पर उसका मुआवजा दिलाने की मांग की है। उन्होंने 18 घंटे बिजली न मिलने पर किसान आंदोलन की चेतावनी भी दी है। इस दौरान मनीष सिंह,प्रिंशु, विजय यादव, विजय सिंह गौर, दशरथ सिंह, भीम शंकर, पप्पू चंदेल, अजीत सिंह, राघवेंद्र, ओमप्रकाश अंकुश सिंह सहित दो दर्जन से अधिक किसान मौजूद रहे।

अधिशासी अभियंता कार्यालय में प्रदर्शन करते टेढ़ा गांव के किसान। अमृत विचार

मानकविहीन पैथोलॉजी का संचालन न हो

हमीरपुर। जिलाधिकारी राहुल पांडेय की अध्यक्षता में क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एवं पीसीपीएनडीटी की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि मेहरवान हॉस्पिटल (100 बेड) जराखर राठ हमीरपुर के पंजीकरण के लिए मेहरवान हॉस्पिटल का मानक के अनुसार समिति के सदस्यों द्वारा निरीक्षण कर आख्या उपलब्ध कराये जाने के लिए एवं मानक के अनुसार संसाधनों का विश्लेषण कर आख्या प्रस्तुत करने के लिए निर्देशित किया गया।

जनपद में अवैध चिकित्सालय, क्लीनिक, पैथोलॉजी एवं अल्ट्रासाउंड सेंटरों का निरीक्षण करते हुए नियमानुसार कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया। इस बात के स्पष्ट निर्देश किए गए कि कहीं पर मानक विहीन पैथोलॉजी एवं अल्ट्रासाउंड का संचालन न हो एवं उनका संचालन शासन की गाइड लाइन के अनुसार सक्षम स्तर के चिकित्सक द्वारा ही किया जाय। जिले में आयुष केंद्रों की स्थिति की भी जांच की जाय। यदि इसके प्रतिकूल कोई भी तथ्य संज्ञान में आता है तो कड़ी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। बैठक में सभी संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

ई-रिक्शा पलटने से बालक की मौत

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। शहर में सेंटर मौरंग खदान में एक ई रिक्शा पलटने से बालक की दबकर मौत हो गई। इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया। वहीं घटना से नाराज लोगों ने ई रिक्शा चालक को पकड़कर जमकर धुनाई की और यूपी 112 पुलिस को बुलाकर सौंप दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

शहर के मोहल्ला चूरामन डेरा निवासी महावीर ने बताया कि उसका भतीजा कुलदीप (12) पुत्र स्व.शिवप्रसाद निषाद डेरा निवासी अरुण के ई रिक्शा पर बैठकर सेंटर मौरंग की ओर जा रहा था। तभी सोमवार शाम करीब सात बजे चालक अरुण की लापरवाही से ई रिक्शा रास्ते में पलट गया। ई रिक्शा पलटने से उसमें बैठे कुलदीप की दबकर मौत हो गई।

इस पर लोगों ने यूपी 112 पुलिस को सूचना दी। घटना को लेकर लोगों का मजमा लग गया। इसी बीच कुछ लोगों ने चालक को पकड़कर जमकर धुनाई की। मौके पर पहुंचे कोतवाली के दरोगा शाहजहां अली ने ई रिक्शा चालक को अपने कब्जे में ले लिया। वहीं शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

मंगलवार को पोस्टमार्टम हाउस में गमगीन खड़े परिजन। अमृत विचार

दो बाइकों की सीधी भिड़ंत में तीन घायल

कुरारा। कुरारा मनकी मार्ग में मनकी खुर्द गांव के पास दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत होने से 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें उनके रिश्तेदार आनन फानन स्थानीय सीएचसी लेकर आए। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद हालत नाजुक देख तीनों घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

थाना क्षेत्र के कुरारा मनकी मार्ग में बिलौटा गांव निवासी जयशंकर (30) अपनी पत्नी सुधा (25) व 6 वर्षीय पुत्र आनंद के साथ बाइक से अपने गांव जा रहा था। तभी मिश्रीपुर की तरफ से बिलौटा गांव निवासी जितेंद्र निषाद (25) पुत्र ललुआ बाइक से मूसानगर की तरफ जा रहा था। तभी मनकी खुर्द गांव के पास दोनों बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। जिससे पति पत्नी व जितेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए और सड़क पर अचेत अवस्था में पड़े रहे। सूचना मिलने पर सुधा के मायके वाले उन्हें स्थानीय सीएचसी लेकर आए। जहां चिकित्सकों ने तीनों घायलों का उपचार करने के बाद हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हरौलीपुर चौकी पुलिस ने बताया कि दोनों बाइक चालकों को कुरारा सीएससी उपचार के लिए भेजा गया है।

सार-संक्षेप

अलग-अलग हादसों में दो लोग घायल, दोनों रेफर

मौदहा (हमीरपुर)। क्षेत्र में हुई अलग-अलग घटनाओं में दो लोग घायल दोनों घायलों को लहुलुहान हालात में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया प्राथमिक उपचार के उपरांत तबीयत में सुधार न होने पर चिकित्सकों ने दोनों घायलों को सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार को नेशनल हाईवे में रसूलाबाद कानपुर निवासी कल्लू पुत्र भरत सिंह किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आ जाने पर घायल हो गया लहूलुहान हालत में साथियों ने कस्बे के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया प्राथमिक उपचार के उपरांत हालत में सुधार न होने पर चिकित्सक ने सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। दूसरी घटना में राजू पुत्र किशनपाल मंगलवार की सुबह सड़क दुर्घटना में घायल हो गया लहूलुहान हालत में राहगीरों की मदद से कस्बे के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया हालत चिंताजनक होने पर चिकित्सकों ने सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

वाल्मीकि उपवन में पौधरोपण करते सपाई। अमृत विचार

सपाइयों ने महर्षि वाल्मीकि उपवन में रोपा पौधा

कुरारा। कस्बे के महर्षि वाल्मीकि उपवन में सपा मुखिया अखिलेश यादव के जन्मदिन के उपलक्ष्य पर जिलाध्यक्ष की अगुवाई में आधा सैकड़ा कार्यकर्ताओं ने पौधरोपण किया। कस्बे के महर्षि वाल्मीकि उपवन में सपा जिलाध्यक्ष इदरीश खान ने आधा सैकड़ा कार्यकर्ताओं के साथ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिन के उपलक्ष्य में पौधरोपण किया। इस मौके पर सपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के जन्मदिन के उपलक्ष्य पर पीडीए पौधरोपण किया गया है। इस मौके पर सपा के पूर्व ब्लाक प्रमुख शिवशरण यादव, अल्पसंख्यक सभा/पूर्व सभासद रिजवान खान, अनार सिंह यादव, सुरेंद्र यादव, भोला यादव, रज्जू गुप्ता, वर्षा नामदेव, बाबू यादव, पूर्व चेयरमैन मैयाराम वर्मा, दीपेश, राजू यादव आदि मौजूद रहे।

ट्रक चालक के साथ मारपीट, तहरीर पर एफआईआर

राठ(हमीरपुर)। जलालपुर थाना क्षेत्र के रिरुआ गांव में दबंगों ने बालू खदान में ट्रक लोड करने के लिए आए एक ट्रक चालक के साथ गाली गलौज करते हुए उसकी जमकर पिटाई कर दी। घटना के बाद पीड़ित ट्रक चालक ने जलालपुर थाने में लिखित तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया है। कानपुर जनपद के गजनेर थाना क्षेत्र के दिलावलपुर गांव के निवासी मोनू पत्र बाबू ने बताया कि वह ट्रक चला कर अपने परिवार का भरण पोषण करता है। बताया कि वह ट्रक लेकर जलालपुर थाना क्षेत्र के रिरुआ गांव में संचालित बालू खदान में आया हुआ था। बताया कि वहां पर मौजूद सुमित और नितिन नाम के दो युवकों ने बेवजह उसके साथ गाली गलौज करते हुए उसकी जमकर पिटाई कर दी तथा उसे जान से मारने की धमकी भी दी। बताया कि उसने जलालपुर थाने में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया है।

विधवा पेंशनधारक खातों में केवाईसी अपडेट कराएं

हमीरपुर। जिला प्रोबेशन अधिकारी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि महिला कल्याण विभाग, उप्र द्वारा निराश्रित महिला पेंशन योजना में चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही का भुगतान आधार बेस पेमेंट के माध्यम से किया जाना है। अत: पति की मृत्यु उपरान्त निराश्रित महिला पेंशन (विधवा पेंशन) योजनान्तर्गत लाभ प्राप्त कर रही समस्त लाभार्थियों को सूचित किया जाता है कि जिन लाभार्थियों के बैंक खातों में आधार लिंक (केवाईसी) एवं एनपीसीआई अपडेट नहीं है। वह सभी लाभार्थी यथा शीघ्र अपने संबंधित बैंक शाखा में जाकर अपने बैंक खाते में आधार लिंक (केवाईसी) एवं एनपीसीआई अपडेट कराने का कष्ट करें। ताकि वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही की किस्त समस्त लाभार्थियों को प्राप्त हो सकें।

सम्मानित छात्रों के साथ अधिकारी और ब्लाक प्रमुख। अमृत विचार

ब्लॉक प्रमुख ने छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया

कुरारा(हमीरपुर)। कस्बे के प्राथमिक विद्यालय में स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत पहले दिन आए सभी छात्र-छात्राओं को ब्लॉक प्रमुख ने सम्मानित कर पुरस्कृत किया। कस्बे के प्राथमिक विद्यालय में स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत सोमवार को विद्यालय में पहले दिन आए सभी छात्र छात्राओं को ब्लॉक प्रमुख आशीष पालीवाल ने सम्मानित किया। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी नागेंद्र नाथ यादव व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आलोक कुमार सिंह ने छात्र छात्राओं का उत्साह वर्धन बढ़ाते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। खंड शिक्षा अधिकारी सुशील कमल ने कार्यक्रम के सभी माननीयों का स्वागत किया। इस मौके पर प्रधानाचार्य सरोज सहित अन्य शिक्षक मौजूद रही।

ब्रह्मलीन संत के परिनिर्वाण दिवस पर हवन करते लोग। अमृत विचार

श्रद्धा के साथ मना परिनिर्वाण दिवस

संवाददाता, सुमेरपुर (हमीरपुर)

- हवन-पूजन के बाद हुआ भंडारा, उमड़े भक्त

अमृत विचार। उत्तर भारत के ख्यातिलब्ध ब्रह्मलीन संत नागा स्वामी रोटी राम महाराज का 40 वां परिनिर्वाण दिवस भक्तों ने श्रद्धा के साथ मनाते हुए हवन पूजन के साथ प्रसाद वितरित किया गया।

श्री गायत्री तपोभूमि प्रांगण के विरक्त आश्रम में ब्रह्मलीन संत स्वामी रोटीराम महाराज नागा स्वामी जी के 40वें परिनिर्वाण दिवस पर भक्तों ने हवन पूजन कर भंडारे का प्रसाद वितरित किया। संस्कृत विद्यालय के पूर्व प्राचार्य पंडित बलदेव प्रसाद शास्त्री ने विधिविधान के साथ हवन कराकर समाधि पर पूजा कराई। यहां इटरा आश्रम के महंत वेदानन्द सरस्वती, स्वामी सुखानंद महाराज, स्वामी जगन्नाथ महाराज, यज्ञ कमेटी के अध्यक्ष अरुण द्विवेदी पप्पू भैया, अजय द्विवेदी, मुन्नीलाल अवस्थी, बालगोपाल गुप्ता, संतोष सिंह, जितेंद्र सिंह तोमर, राकेश गुप्ता, रामविलास गुप्ता, प्रकाश बाबू शिवहरे, भार्गव मिश्रा, चंद्रपाल सचान, सोनू गुप्ता, संजय बाबू ओमर, राधे शुक्ला, अज्जू मिश्रा, अमित शिवहरे, अशोक सिंह आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

पहली बारिश में ही जलभराव

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

अमृत विचार। क्षेत्र में शुरू हुई पहली बारिश से ही पंचायतों की पोल खुलनी शुरू हो गई है जिसके फल स्वरूप मुख्य सड़कों पर हो रहा जल भराव मुसीबत का सबब बना हुआ है। इस विकराल समस्या से पीड़ित ग्राम पंचायत मकरांव के तिन्दुही निवासी ढाई दर्जन छात्र-छात्राओं समेत ग्रामवासियों ने उप जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार को सौंप कर सड़कों को ठीक करने की मांग की है।

विकासखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत मकरांव के मजरा तिन्दुही के किशनपुर डेरा निवासी ढाई दर्जन लोगों ने उपजिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार बलराम गुप्ता को देकर बताया कि उनके गांव की मुख्य सड़कों पर भारी मात्रा में जलभराव हो गया है जिससे वहां से निकलना चलना दूभर हो गया है तथा स्कूली बच्चे उन रास्तों से होकर स्कूल नहीं जा पाते हैं तथा उन रास्तों से निकलने वाले वाहन दुर्घटना का शिकार होकर

किशनपुरडेरा की सड़क पर भरा बारिश का पानी। अमृत विचार

- पंचायतों में खुली साफ-सफाई की पोल
- जलभराव ग्रामीणों के लिए बना मुसीबत

लोगों की जान के प्यासे बने हैं।

ज्ञापन सौंपने के दौरान ग्रामवासी संतोषी, पूजा, इंशा, रोशनी, प्रांशी, सुनीता, विद्या, रईस खान, अभिषेक, रवि, अंकित, मानवेंद्र समेत दो दर्जन लोग मौजूद रहे। बताते चलें कि पंचायतों में साफ सफाई का दम भरने वाले जिम्मेदार पूरे वर्ष भर साफ सफाई के नाम पर लाखों रुपये का बजट बनवाकर धन को ठिकाने लगाने का काम तो करते हैं लेकिन धरातल पर पनप रही ऐसी विकट समस्याएं लोगों को सोचने पर मजबूर करती हैं, हालांकि रही बात सड़कों में गड्ढे होने की तो प्रदेश के मुखिया भले ही गड्ढा मुक्त सड़क अभियान का नारा देकर लोगों की वाहवाही लूट रहे हो लेकिन धरातल पर सड़कें अभी भी अपनी दुर्दशा पर आंसू बहाने को मजबूर हैं।

बहुरेंगे दिन | 88.01 लाख रुपये की कार्ययोजना को मिली स्वीकृति, जल्द ही शुरू होगा काम

पर्यटन विभाग करेगा पातालेश्वर मंदिर का जीर्णोद्धार

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। शहर के प्राचीन प्रसिद्ध पातालेश्वर मंदिर का पर्यटन विभाग विकास कार्य कराएगा। शहर निवासी समाजसेवी की ओर से इस मामले में आरटीआई के जरिए मांगी गई सूचना के बाद क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी ने जानकारी दी है। जिसमें मंदिर में पर्यटन विकास कार्य कराए जाने के लिए 88.01 लाख की धनराशि स्वीकृत होने की बात कही है। साथ ही शीघ्र ही विकास कार्य शुरू कराने को कहा गया है।

प्राचीन पातालेश्वर मंदिर।

नगर निवासी आनंद कुमार वर्मा ने जन सूचना अधिकार के तहत पर्यटन विभाग से प्राचीन पातालेश्वर मंदिर के जीर्णोद्धार व सुंदरीकरण से संबंधित सूचना मांगी थी। इसके जवाब में क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अनुपम श्रीवास्तव ने दी सूचना में कहा है कि कल्पवृक्ष मंदिर के समीप विकास कार्य जिला प्रशासन के स्तर से कराया गया है। वहीं वित्तीय वर्ष 2023-24 के अंतर्गत हमीरपुर शहर स्थित पातालेश्वर मंदिर का विकास कार्य कराए जाने के लिए शासन ने उनके विभाग द्वारा तैयार योजना को स्वीकृति मिली है। जिस पर जल्द विकास कार्य कराए जाएंगे। इस प्राचीन पातालेश्वर मंदिर में दूर दूर से भक्त दर्शन करने आते हैं। वर्तमान में मंदिर की स्थिति बहुत दयनीय हो चुकी है। इंटरलॉकिंग ध्वस्त हो चुकी है। प्राचीन पातालेश्वर मंदिर के जीर्णोद्धार से यह अपनी अलौकिक सौंदर्य में परिवर्तित हो जाएगा। इसको लेकर पर्यटन अधिकारी चित्रकूट अनुपम श्रीवास्तव ने अपने विभागीय कर्मचारियों के साथ पिछले अप्रैल माह की शुरुआत में सर्वे किया था।

वर्तमान में यहां यात्री शेड, वाटर कूलर, कूड़ादान, कुआं को कवर करना, बेंच, 10 हेवी सोलर लाइट, साइन बोर्ड इत्यादि का कार्य होना है। जिसके लिए 88.01 लाख रुपये खर्च किया जाएगा।

25 लाख की नकदी और 20 लाख के जेवर गायब

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

- मकान मालिक ने केयर टेकर के खिलाफ दर्ज कराई रिपोर्ट

अमृत विचार। कस्बे के मियांपुरा में एक मकान से 45 लाख रुपये के जेवर व नगदी गायब होने के मामले में पीड़ित ने मकान की देखरेख करने वाले दो केयर टेकर पर मुकदमा दर्ज कराया है।

मियांपुरा निवासी संजय सिंह ने बताया कि उसका एक मकान देहरादून में है। वह वहीं रहता है। उसने अपनी बेची हुई जमीन के 25 लाख रुपये यहां रखे थे। पत्नी के 20 लाख रुपये के जेवरात भी थे। मकान की चाभी सुनील शर्मा निवासी दीवानपुरा व चरखारी रोड निवासी अभय सिंह भदौरिया के पास थी। दोनों लोग मकान की देखरेख करते थे। 12 मई को सुनील शर्मा ने फोन पर सूचना दी कि मकान में आग लग गई है। जब वह आए तो अलमारी में रखे 25 लाख रुपये, 20 लाख के जेवर गायब थे। पूछने पर दोनों बहाने बनाने लगे और गायब हो गए। इंस्पेक्टर उमेश कुमार सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

एक नजर

कार की टक्कर से बालिका गंभीर घायल

पौथिया(हमीरपुर)। सड़क पार कर रही बालिका को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल भेजा गया है। वहीं कार चालक को ग्रामीणों ने पकड़कर थाना ललपुरा पुलिस को सौंप दिया। महमूदपुर गांव निवासी दस वर्षीय मोहनी पुत्री श्याम सिंह पौथिया गांव रिश्तेदारी में आई थी। वह बस स्टैंड के पास सड़क पार कर रही थी तभी तेज रफ़्तार ईको के सामने आ गई।

थाने में गोष्ठी के जरिए दी नए कानूनों की जानकारी

पौथिया(हमीरपुर)। ललपुरा थाना प्रभारी मयंक चंदेल ने थाना परिसर में नए आपराधिक कानून लागू होने पर क्षेत्र के सम्मानित नागरिकों, पत्रकारों व अध्यापकों के साथ गोष्ठी की। उपस्थित समाज सेवी प्रधानों के साथ नए कानून लागू होने के उपरांत जन सामान्य होने वाले लाभों व पुलिस एवं न्यायिक प्रक्रिया की सरलता और जनता के बढ़े अधिकारों के बारे में बताया गया। इस मौके पर आशीष सचान एड, सर्वेश तिवारी प्रधान प्रतिनिधि, संजय पाल, लल्ला चंदेल, प्रधान अरविंद कुमार यादव, जाबिर खाँ आदि मौजूद रहे।

कार सवारों ने दो चालकों को पीटा, ट्रक का शीशा तोड़ा

हमीरपुर। मुस्करा थाने के खडेही लोधन गांव निवासी नीरज राजपूत पुत्र दुर्जन सिंह ने बताया कि रविवार की रात 8:00 बजे ट्रक में मोरंग लादकर आ रहा था। तभी रास्ते में अटगांव धगवां गांव के पास कार सवार अस्सू पुत्र अशवेंद्र निवासी रिगवारा खुर्द, धर्मकांत राजपूत निवासी बीरा थाना जरिया, मुक्कू उर्फ मुकेश गोहांड, विधायक निवासी बंगरा साइड गाड़ी निकालने को लेकर गाली गलौज करने लगे। जब उसने व उसके सहयोगी चालक चांद बाबू निवासी बुधौलियाना राठ ने विरोध किया तो मारपीट शुरू कर दी। बताया कि चांद को नाक व सिर में गंभीर चोटें आने पर वह बेहोश हो गया। वहां मौजूद अन्य ट्रक चालक अनवार निवासी बुधौलियाना राठ बचाने आया तो उसे भी पीटा। बताया उक्त लोगों ने ट्रक का शीशा भी तोड़ दिया है। पीड़ित ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

सर्पदंश से दो की मौत

बांदा। कमासिन थाना क्षेत्र के तेरा दरसेड़ा गांव निवासी भेलिया (85) पत्नी समलिया सोमवार की शाम चारपाई में बैठकर पानी से भरा लोटा उठा रही थी। तभी सर्प ने उसे डस लिया। परिजनों ने उसे पीएचसी कमासिन में भर्ती कराया। गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घरवाले उसे जिला अस्पताल लेकर आ रहे थे। तभी रास्ते में दम तोड़ दिया। इसी थाना क्षेत्र के जामू गांव निवासी कलुवा (48) पत्नी राजकुमार सोमवार की दोपहर खेत में बनी छानी से लकड़ी निकाल रही थी। तभी सर्प ने उंगली में डस लिया। इससे उसकी मौत हो गई।

अवैध स्कूली वैन में लगी आग, बाल-बाल बचे बच्चे

वैन के शीशे तोड़कर बच्चों को बचाने में ग्रामीणों के हाथ झुलस गए, खुबरियापुर में हुआ हादसा

संवाददाता छिबरामऊ, कन्नौज

स्कूल वैन में लगी आग बुझाते दमकल कर्मचारी। अमृत विचार

वैन में आग लगने के बाद मौके पर लगी लोगों की भीड़। अमृत विचार

अमृत विचार। एलपीजी किट लगी अवैध स्कूली वैन में अचानक आग लग गई, जिससे उसमें सवार छह बच्चे बाल-बाल बच गए। ग्रामीणों ने शीशे तोड़कर बच्चों को जलती वैन से बाहर निकाला, जिसमें उनके हाथ झुलस गए। घटना के बाद चालक मौके से भाग निकला। जब तक फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची, तब तक पूरी वैन जलकर राख हो चुकी थी। एआरटीओ ने घटनास्थल पर जाकर जांच की और विद्यालय के प्रबंधक से भी पूछताछ की।

मंगलवार सुबह शहर के ताजपुर रोड स्थित सीपीएल पब्लिक स्कूल की स्कूली वैन खुबरियापुर गांव में स्कूली बच्चों को लेने गई थी। गांव में ही अचानक वैन की एलपीजी किट में आग लग गई और लपटें उठने लगीं। वैन में आग लगते ही चालक कूद कर भाग गया और उसमें सवार छह बच्चे शोर मचाने लगे। यह देख ग्रामीणों ने वैन के शीशे तोड़ दिए और जलती लपटों के बीच से बच्चों को सकुशल निकाल लिया। बच्चों को बचाने में कई लोगों के हाथ झुलस गए। देखते ही पूरी वैन आग का गोला बन गई। ग्रामीणों ने आग की सूचना पुलिस व फायर ब्रिगेड को दी, लेकिन दमकल करीब एक घंटा बाद पहुंची, तब तक पूरी वैन जल चुकी थी। बच्चों की जान बचने पर उनके माता-पिता ने राहत की सांस ली। एआरटीओ इज्या तिवारी ने मौके का निरीक्षण किया और स्कूल जाकर प्रबंधक से पूछताछ की। बताया गया कि एलपीजी किट में लीकेज के चलते यह हादसा हो गया।

सिलेंडर फट जाता तो होता बड़ा हादसा: वैन में आग लगने के बाद ग्रामीण इस बात से भी सहम गए कि कहीं वैन में लगा एलपीजी सिलिंडर न फट जाए। फिर भी गांव के साहसी युवाओं ने हिम्मत दिखाते हुए वैन के शीशे तोड़कर बच्चों की जान बचा ली। जहां यह हादसा हुआ, वहां लोगों के मकान भी बने है। यदि सिलिंडर फट जाता तो एक बड़ा हादसा हो सकता था। जिले में कोई एलपीजी स्टेशन भी नहीं है, ऐसे में इन वाहनों में अवैध तरीके से घरेलू गैस सिलिंडर का इस्तेमाल और खुलेआम रिफलिंग की जा रही है।

सफाई देते नजर आए स्कूल के प्रबंधक

- सीपीएल पब्लिक स्कूल के प्रबंधक सोबरन सिंह वर्मा हादसे के बाद सफाई देते नजर आए। उन्होंने एआरटीओ को बताया कि एलपीजी किट लगी वैन उन्होंने निजी इस्तेमाल के लिए मैनपुरी से खरीदी थी। मंगलवार को बारिश होने के चलते बच्चों के पास कोई अन्य साधन न होने के कारण वैन को खुबरियापुर गांव भेज दिया था, तभी अचानक यह हादसा हो गया। यह वैन स्कूल से संबद्ध नहीं है।

अवैध वाहनों से ढोये जा रहे स्कूली बच्चे

- शहर व देहात क्षेत्र में कई प्राइवेट स्कूलों में अवैध वाहनों से बच्चे ढोए जा रहे हैं। देखने के बाद भी प्रशासन व परिवहन विभाग के अधिकारी अंजान बने हुए हैं। सुबह के समय एलपीजी किट लगी वैन, टेंपो, ऑटो रिक्शा और ई-रिक्शा से भी बच्चों को स्कूल लाया जा रहा है। इन वाहनों में क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाया जाता है, जिससे लगातार हादसे हो रहे हैं। खुबरियापुर में हुआ हादसा प्रशासन की अनदेखी का ही नतीजा है।

- निजी स्कूल में संबद्ध थी एलपीजी किट लगी वैन, एआरटीओ ने मौके पर जाकर की जांच

घटना की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि वैन मैनपुरी में पंजीकृत है और उसका स्कूल वाहन के रूप में पंजीकरण नहीं है। इस मामले में स्कूल प्रबंधन पर कठोर कार्रवाई की जाएगी और बुधवार से जिले में अवैध स्कूली वाहनों को लेकर अभियान चलाया जाएगा।

-इज्या तिवारी, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी

घटना के 30 घंटे बाद भी पुलिस के हाथ खाली

फालोअप

- घटना के पूर्व का वायरल वीडियो चर्चा का विषय बना

संवाददाता, सुमेरपुर(हमीरपुर)

अमृत विचार। कस्बे के नेहा चौराहा के समीप प्रेम प्रसंग के मामले में फर्जी मुकदमे में फसाये जाने के भय से गोली मारकर युवक की आत्महत्या के मामले में नामजद आरोपी 30 घंटे बाद भी पुलिस की पकड़ से दूर है। वहीं मरने के पूर्व युवक ने योगी जी को संबोधित वीडियो सोशल मीडिया में वायरल कर दिया था। वीडियो में युवक ने मुकदमे में नामजद कराए गए आरोपियों पर प्यार के नाम पर ब्लैकमेल करने का आरोप लगाकर युवती से शादी आदि का जिक्र किया है। हिंदुस्तान वायरल वीडियो पुष्टि नहीं करता है।

सोमवार को सुबह करीब 10:00 बजे नेहा चौराहा के समीप रहने वाले रामबाबू उर्फ रजवा सोनी के एकलौते पुत्र अंकित उर्फ मोंटी सोनी 26 वर्ष ने अवैध तमंचे से गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। पिता की तहरीर पर पुलिस ने कस्बे में रेलवे क्रॉसिंग के समीप रहने वाले पप्पू मिश्रा, टिंकू मिश्रा, साधना मिश्रा, आशुतोष मिश्रा, तान्या मिश्रा एवं टिंकू मिश्रा के पुत्र नाम अज्ञात के खिलाफ आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का मुकदमा दर्ज किया। मुकदमा दर्ज होते ही सभी आरोपी घरों में ताला डालकर भूमिगत हो गए हैं। आत्महत्या करने के पूर्व मृतक ने योगी जी को संबोधित एक करीब 7 मिनट का वीडियो सोशल मीडिया में शेयर करके सिलसिलेवार अपनी बात को रखकर न्याय की मांग की है। यह वीडियो इलाके मेंचर्चा का विषय बना हुआ है।

मजदूर ने फांसी लगा दी जान

मौदहा (हमीरपुर)। थाना सिसोलर के टोला गांव में एक परिवार के मुखिया ने गरीबी से परेशान होकर फांसी लगा ली।

टोला गांव निवासी घनश्याम (46) पुत्र अतिराम निषाद के चार बीघा पारिवारिक जमीन है। उसके पत्नी व छह बेटियां तथा एक बेटा है। वह मजदूरी कर परिवार चलाता था। बड़ी बेटी 18 वर्ष की हो रही है। पिता को उसकी शादी की चिंता सता रही थी। पत्नी ने बताया कि अक्सर वह बेटी की शादी का जिक्र कर चिंता में पड़ जाते थे। गरीबी के चलते बच्चों का पेट भरना मुश्किल था। सोमवार रात वह घर के पिछवाड़े पक्के मकान में लेटने चले गए थे। सुबह जब जल्दी नहीं उठे तो उन लोगों ने दरवाजा खोला। देखा कि धमनी में रस्सी बांधकर गले में फंदा डाल आत्महत्या कर ली है। लटकता शव देखते ही होश उड़ गए। मोहल्ला पड़ोस एकत्र हो गए। सूचना पुलिस को दी गई।

धसान नदी में नहाते समय छात्रा की डूबने से गई जान

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

- चचेरी बहनों के साथ मंदिर में दर्शन करने गई थी छात्रा

अमृत विचार। चचेरी बहनों के साथ धसान नदी में नहाने गई 10वीं की छात्रा की डूबकर मौत हो गई है। परिजनों ने बिना पोस्टमार्टम कराए शव का अंतिम संस्कार कर दिया है। इस घटना से परिवार में कोहराम मचा है।

जनपद झांसी के गरौठा थाने के मोती कटरा गांव निवासी प्रेम नारायण अहिरवार ने बताया कि 16 जून को उनके दादा देवी प्रसाद का निधन हो गया था। 17 जून को फरीदाबाद से उसके चाचा उदयभान अपनी पत्नी बच्चों के साथ आए थे। रविवार की दोपहर उसकी चचेरी बहन 16 वर्षीय रंजना चचेरी बहनें मालती, मीरा, मनीषा के साथ गांव से डेढ़ किमी दूर हनुमान मंदिर दर्शन के लिए गई थी और मंदिर के दर्शन से पहले धसान नदी में नहाने के लिए पहुंच गईं।

नहाने के दौरान रंजना पानी में डूबने लगी। शोर मचाने और सूचना मिलने पर वह लोग आ गए और रंजना को 20 मिनट बाद नदी से निकलकर आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राठ ले गए। जहां डॉ नरेंद्र सिंह ने मृत घोषित कर दिया।

प्रेम नारायण ने बताया कि रंजना माता-पिता के साथ फरीदाबाद में रहती थी। पिता प्राइवेट कंपनी में काम करते हैं। बताया कि रंजना वहीं पर कक्षा 10 में पढ़ती थी। घटना के बाद घर में कोहराम मच गया। मृतका अपने पीछे भाई प्रवेश को छोड़ गई है। परिजनों ने बगैर पोस्टमार्टम कराए ही शव का अंतिम संस्कार कर दिया है। पुत्री की मौत पर मां सुनीता का रो रोकर बुरा हाल है।

पीस कमेटी की बैठक में की सद्भाव, भाईचारे की अपील

राठ (हमीरपुर)। कोतवाली परिसर में आगामी सावन माह और मोहर्रम के पर्व को देखते हुए आज दोपहर के समय पीस कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। आयोजित पीस कमेटी की बैठक में उपजिलाधिकारी विपिन कुमार शिवहरे व पुलिस उपाधीक्षक दिलीप कुमार सिंह के अलावा राठ कोतवाली के इंस्पेक्टर उमेश कुमार सिंह सहित सभी वर्गों के गणमान्य नागरिक और सभासद गण मौजूद रहे। आयोजित पीस कमेटी की बैठक में मौजूद सीओ और एसडीएम ने उपस्थित सभी लोगों से शांति और सद्भाव बनाने की अपील करते हुए भाईचारे से मिलजुल कर रहने के लिए प्रेरित किया। प्रशासनिक अधिकारियों ने कहा कि त्योहारों के पर्व पर किसी भी प्रकार की नई परंपरा की शुरुआत कतई ना की जाए। उन्होंने कहा कि अफवाह फैला कर माहौल बिगाड़ने वालों को चिन्हित करते हुए उन पर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाएगी। वहीं इस दौरान मौजूद नागरिकों ने भी अपनी समस्याओं को उठाते हुए अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष केजी अग्रवाल, उमाशंकर गुप्ता, सुरेश खेबारिया, डॉक्टर सुल्तान बेग, मोहम्मद मुख्तार, अलीम सभासद, खालिक सभासद, शशिकांत रहे।

पैलानी पुल पर मिली वाहनों को हरी झंडी

बांदा। पैलानी पुल मरम्मत के बाद पीडबल्यूडी अधिशासी अभियंता की संस्तुति पर डीएम ने बुधवार से समस्त वाहनों के केन पुल से गुजरने को हरी झंडी दे दी। जिलाधिकारी नागेंद्र प्रताप सिंह ने बताया है कि जनपद के सुमेरपुर मार्ग में स्थित केन नदी पर दीर्घ सेतु (पैलानी सेतु) के क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण सुरक्षा की दृष्टि से समस्त प्रकार के वाहनों का आवागमन 18 जून तक प्रतिबन्धित किया गया था।अधिशासी अभियंता निर्माण खंड-2 ने बताया कि पुल के क्षतिग्रस्त भाग की मरम्मत करा दी गई है। पुल से तीन टन से कम हल्के वाहनों के आवागमन के लिये पुल खोला जा सकता है।

इटरा में उमड़े श्रद्धालु, लगा जाम

संवाददाता, सुमेरपुर

रेलवे गेट में लगे जाम में फंसे वाहन। अमृत विचार

अमृत विचार। क्षेत्र के इटरा आश्रम के बजरंगबली मंदिर में मंगलवार को दर्शन पूजन के लिए श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा। भारी भीड़ होने के कारण रेलवे के चंद्रपुरवा गेट में जाम लग गया। जाम लगने से कानपुर से चलकर मानिकपुर जा रही पैसेंजर ट्रेन को गेट के पूर्व ही रोकना पड़ा। बाद में किसी तरह से गेटमैन ने पटरी के मध्य फंसे वाहनों को आगे पीछे कराकर फाटक बंद करके ट्रेन को निकाला। इस घटना में ट्रेन के यात्री परेशान रहे।

आषाढ़ मास में इटरा के बजरंग बली मंदिर के दर्शन पूजन के लिए प्रत्येक मंगलवार को भक्तों की अपार भीड़ उमड़ रही है। आज भी ऐसा ही नजारा रहा। सुबह से वाहनों का रेला लग गया। मंदिर प्रांगण में मेले जैसा नजारा था। सुबह करीब 9 बजे रेलवे के चंद्रपुरवा गेट में भीषण जाम लग गया। इसी जाम के मध्य कानपुर से चलकर मानिकपुर जा रही मेमू ट्रेन आ गई। जिस पर गेट में वाहनों का जाम होने के कारण इस यात्री ट्रेन को गेट के पूर्व ही रोका गया। गेटमैन ने कड़ी मशक्कत के बाद पटरी में फंसे वाहनों को हटवाकर गेट बंद किया और ट्रेन को आगे के लिए निकाला। इस दौरान करीब 5 मिनट तक ट्रेन गेट के पूर्व ही रुकी रही। ट्रेन के गुजरने के बाद रेलवे कर्मियों ने राहत की सांस ली।

विरोध

हिंदू समाज को हिंसक कहने पर नेता विपक्ष राहुल गांधी पर भड़के भाजपा कार्यकर्ता

भाजपा ने किया प्रदर्शन, राहुल गांधी से की माफी मांगने की मांग

कार्यालय संवाददाता, बांदा

विरोध प्रदर्शन करते भाजपाई।

अमृत विचार। भारतीय जनता युवा मोर्चा ने शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर नेता विपक्षी दल राहुल गांधी के हिंदू समाज को हिंसक कहे जाने के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। नेताओं ने राहुल गांधी से इस कृत्य के लिए माफी मांगने की मांग की।

भाजपा जिलाध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि कांग्रेस के मन में सदैव हिंदू विरोधी मानसिकता रही है। राहुल गांधी ने पूरी दुनिया के सामने साबित कर दिया कि हिंदू धर्म के खिलाफ उनके मन में कितनी नफरत है। भाजयुमो के जिला मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि हिंदू संस्कृति में सभी धर्म के लोगों, जीव जंतुओं, संपूर्ण विश्व के लिए सदैव सुख और कल्याण की अपने ईश्वर से कामना करते हैं। राहुल गांधी ने हिंदुओं को हिंसक बताकर समस्त हिंदू समाज का अपमान किया है। उन्हे इस गलती की सभी से क्षमा मांगनी चाहिए।

भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष विवेक त्रिपाठी,धीरेंद्र सिंह धीरू ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेता सदैव हिंदू विरोधी रहे हैं एक बार फिर से राहुल गांधी ने अपने इस बयान से अपनी व अपनी पार्टी की हिंदू विरोधी मानसिकता को साबित कर दिया है। विरोध प्रदर्शन में भाजपा जिला उपाध्यक्ष ममता मिश्रा, दिलीप तिवारी, भाजयुमो नगर उपाध्यक्ष आशीष गुप्ता आदि पदाधिकारी प्रमुखता से सम्मिलित रहे।

भाजपाइयों ने राहुल का पुतला फूंका

मौदहा (हमीरपुर)। संसद भवन में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा हिंदुओं के प्रति दिए गए आपत्तिजनक बयान पर भाजपा व हिंदू संगठनों ने विरोध प्रदर्शन कर पुतला फूंका। साथ ही राहुल गांधी हाय हाय के जोरदार नारे लगाए। राहुल गांधी द्वारा सदन में दिए गए बयान में हिंदू को हिंसक कहने पर यहां हिंदू संगठनों ने आपत्ति जताई है। कस्बे में भाजपा युवा मोर्चा के नेतृत्व में हिंदू संगठनों ने राहुल गांधी ने सदन में दिए गए आपत्तिजनक बयान पर विरोध जताया। और तहसील के सामने पुतला फूंककर आक्रोश प्रदर्शन किया। इस अवसर पर आकाश त्रिपाठी, सुबोध गुप्ता, बृजेश त्रिपाठी, राकेश सुहाने, भाजपा मंडल अध्यक्ष अनूप सिंह, नितिन ओमर, रमेश सिंह, छोटेलाल प्रजापति, सत्येंद्र सिंह, मोनू गुप्ता, आकाश विश्वकर्मा एसपी निगम आदि लोग रहे।

सार-संक्षेप

मौत के मामले में पुलिस पर उठ रहे सवाल

उरई (जालौन)। थाना सिरसाकलार के हथना बुजुर्ग निवासी अवध किशोर की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में स्थानीय पुलिस की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। मृतक के पुत्र हर्ष ने पुलिस अधीक्षक से भेंट कर अपने पिता की हत्या का आरोप लगाया और कहा कि सिरसा पुलिस आरोपियों से मिल गयी है। जिसके कारण उनकी मौत को सामान्य बता कर मामला ख़त्म करने में लगी है। हर्ष ने घटना के विषय में बताया कि उसके पिता का गांव के ही अमित उर्फ़ सोनू से व्यापारिक लेन देन चलता था इसमें सोनू के पास 3 लाख रुपये बकाया हो गए थे जिसे मांगने पर सोनू द्वारा उसके पिता से लगातार टाल मटोल की जा रही थी। गत 12 जून को उसके पिता सोनू के घर जाने की बात कह कर निकल गए थे | शाम तक जब वे वापस घर नहीं लौटे तो हम लोग तलाश में निकल पड़े। सोनू के घर गए तो दरवाजे नहीं खोले गए | हम लोग 2 दिन तक भटकते रहे। 14 जून को गांव के एक व्यक्ति ने सूचना दी कि उसके पिता का शव सोनू के घर के पास जली हुई हालत में पड़ा है। इस पर वे लोग मौके पर पहुंचे। लेकिन पुलिस कह रही है कि पोस्टमार्टम से हत्या की पुष्टि नहीं हो रही और आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने से इनकार कर रही है। आखिर हत्या नहीं हुई तो शव क्यों जलाया गया और किसने जलाया इस सवाल का जवाब पुलिस के पास नहीं है। पुलिस अधीक्षक ने जांच के आदेश दे दिए हैं।

डीएम ने तहसील का किया औचक निरीक्षण

अतर्रा। नवागांतुक जिलाधिकारी ने तहसील का औचक निरीक्षण करते हुए सभी पटलों का भ्रमण करते हुए संबंधित कर्मचारी से जानकारी ली। उन्होंने एसडीएम व तहसीलदार को रोजाना सुबह जनसुनवाई करने के निर्देश दिए। हिदायत दी कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी नागेंद्र प्रताप ने मंगलवार को तहसील का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अभिलेखागार में अभिलेखों का रख-रखाव देखा। अन्य पटलों की व्यवस्थाओं की जांच पड़ताल की है। डीएम ने लंबित मुकदमों को शीघ्र सुनवाई कर निस्तारण करने के आदेश दिए। कहा कि शासन की मंशानुरूप एसडीएम व तहसीलदार हर दिन अपने कक्ष पर बैठकर फरियादियों की समस्याओ को सुनें। लोगों को त्वरित न्याय दिलाएं। केंद्र और प्रदेश सरकारों द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ हर हाल में प्रत्येक लाभार्थी को दिलाएं। इस दौरान उपजिलाधिकारी रावेंद्र सिंह, तहसीलदार रामचंद्र के अलावा तहसील कर्मचारी मौजूद रहे।

जिला पुस्तकालय में काउंसिलिंग कार्यक्रम में मौजूद चिकित्सक व छात्र छात्राएं।

तनाव से बचने के लिए दिए गए टिप्स

हमीरपुर। जिला पुस्तकालय के पाठकों एवं अध्ययनकर्ताओं को जीवन में अपने भविष्य निर्माण के प्रयासों को सुगम बनाने, दिशा निर्देश एवं तनाव प्रबंधन में सहयोग प्रदान करने के लिए कैरियर एवं तनाव प्रबंधन काउंसलिंग प्रकोष्ठ की व्यवस्था की गई है। जिसके तहत मंगलवार को विभिन्न विषयों, विभागों एवं व्यवसाय से जुड़े विशेषज्ञों के माध्यम से पुस्तकालय में काउंसलिंग का आयोजन किया गया। जिसमें स्वास्थ्य विभाग की डॉ.नीता (साइक्लोजिस्ट), डॉ.मानसी सिंह (मनोचिकित्सक) व प्रगति गुप्ता ने बताया कि हम अपने जीवन मे तनाव व मानसिक परेशानियों को कैसे दूर कर सकते हैं। उन्होंने तनाव व मानसिक परेशानियों से बचने के लिए किए जाने वाले विभिन्न उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने पाठकों व छात्र छात्राओं द्वारा पूछे गए कैरियर संबंधी जिज्ञासाओं का समाधान कर अग्रेतर प्रगति के मार्ग को प्रशस्त करने का प्रयास किया। इस मौके पर पुस्तकालय प्रभारी शिवनारायण सिंह, लाइब्रेरी कोर्डिनेटर दिलीप पटेल सहित पाठक व छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

सत्यप्रकाश बने लेखपाल संघ के तहसील अध्यक्ष

मौदहा (हमीरपुर)। लेखपाल संघ तहसील शाखा के दो वार्षिक कार्यकारिणी व पदाधिकारी चुनाव में मंगलवार को बिना किसी मत विभाजन के सर्वसम्मति से सत्य प्रकाश आर्य को तहसील अध्यक्ष चुना गया। जबकि सत्यम अवस्थी को मंत्री, महेश गुप्ता को उप मंत्री व वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीष को चुना गया। लेखा निरीक्षक देवेंद्र सिंह पटेल, कनिष्ठ उपाध्यक्ष आशुतोष प्रजापति तथा कोषाध्यक्ष संदीप कुमार चुने गए। निर्वाचन अधिकारी अशोक कुमार ने सभी पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्यों की घोषणा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता तहसीलदार बलराम गुप्ता ने किया। प्रदत्त कुमार जिला मंत्री की देखरेख में चुनाव हुआ। बीते वर्षों का लेखा-जोखा प्रस्तुत करने के साथ ही संगठन को मजबूत करने पर बल दिया गया। नवनिर्वाचित तहसील अध्यक्ष ने कहा कि वह लेखपालों के अधिकारों के संरक्षण के लिए तन्मयता से कार्य करते हुए हर स्तर पर आपसी सहयोग और संगठन की शक्ति पर संघर्ष करेंगे।

छात्रों ने निकाली जागरूकता रैली

सरीला (हमीरपुर)। एक जुलाई से वन महोत्सव की शुरुआत हो गई। सात जुलाई तक चलने वाले इस वन महोत्सव में इस बार एक पेड़ मां के नाम स्लोगन से प्रचार-प्रसार शुरू किया गया है। लोगों को पौधरोपण के लिए जागरूक किया जा रहा है। महोत्सव के दूसरे दिन मंगलवार को कस्बे के बाईपास रोड स्थित इंटर कॉलेज व महाविद्यालय के छात्र छात्राओं के साथ रैली निकालकर जागरूक किया गया और बच्चों को पौधे वितरण किये गये। मंगलवार को कस्बे के बाईपास रोड स्थित इंटर कॉलेज के छात्र छात्राओं के साथ रैली निकालकर पूरे नगर का भ्रमण किया गया। वृक्षारोपण एवं पेड़ों के महत्व के बारे में नगर वासियों एवं छात्र-छात्राओं को जानकारी दी गई तथा विद्यालय परिसर में बच्चों को कटहल, आम, नींबू, करौंदा, जामुन व अमरूद सहित फलदार पौधों का वितरण किया गया। इसके बाद जरिया रोड स्थित महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं के साथ वन महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें 10 प्रजाति के वृक्षों का रोपण छात्राओं द्वारा किया गया और छात्र-छात्राओं को पेड़ों के महत्व के बारे में बताया गया। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य, वन क्षेत्राधिकारी प्रवीण कुमार गुप्ता, उप क्षेत्रीय वनाधिकारी सुरजीत सिंह, वन रक्षक इश्तियाक खान, कार्यालय सहायक शिवकुमार अनुरागी सहित विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

विश्व दिव्यांग दिवस पर पुरस्कार के लिये करें आवेदन

उरई (जालौन)। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि निदेशालय दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उत्तर प्रदेश लखनऊ के पत्र 25 जून 2024 के क्रम में सूचित किया जाता है कि 03 दिसम्बर विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्तियों, संस्थाओं को विभिन्न श्रेणी के राज्य स्तरीय पुरस्कार दिये जाते हैं। राज्य स्तरीय पुरस्कार हेतु प्राप्त आवेदन पत्रों को विभाग द्वारा भारत सरकार को प्रेषित किये जाते हैं जिसके लिए समय सीमा निर्धारित है। राज्य स्तरीय पुरस्कार नियमावली-2017 के अंतर्गत पुरस्कार हेतु निम्नानुसार श्रेणियां निर्धारित है। दक्ष दिव्यांग कर्मचारी, स्वनियोजित दिव्यांगजन, दिव्यांगजन हेतु सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता तथा सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेंट अधिकारी या एजेंसी के लिए सेवायोजकों को, दिव्यांगजन के निमित्त कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति तथा सर्वश्रेष्ठ संस्था के लिए, प्रेरणास्रोत हेतु, दिव्यांगजन के जीवन सुधारने के निमित्त सर्वश्रेष्ठ नवीन अनुसंधान या उत्पाद विकास हेतु, दिव्यांगजन हेतु बाधामुक्त वातावरण के सृजन हेतु सर्वश्रेष्ठ कार्य हेतु, दिव्यांगजन को पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने वाले सर्वश्रेष्ठ जिला के लिए, सर्वश्रेष्ठ सृजनसशील दिव्यांग वयस्क व्यक्तियों एवं सर्वश्रेष्ठ बालक, बालिका हेतु, दिव्यांगजन के लिए सर्वोत्तम अनुकूल वेबसाइट हेतु, सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग खिलाड़ियों हेतु एवं दिव्यांगजन के सशक्तीकरण हेतु कार्यरत अधिकारी, कर्मचारी को राज्य स्तरीय पुरस्कार दिया जायेगा। उन्होंने बताया कि निर्धारित श्रेणियों के पुरस्कार से सम्बन्धित आवेदन-पत्र के प्रारूप को आवेदक कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, कलेक्ट्रेट परिसर, जिला पंचायत राज अधिकारी भवन, उरई से किसी भी कार्यदिवस में प्राप्त करते हुए आवश्यक संलग्नकों सहित 15 जुलाई 2023 तक 02 प्रतियों में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

लघु सिंचाई विभाग के बड़े बाबू का स्थानांतरण

उरई (जालौन)। लघु सिंचाई विभाग में तैनात बड़े बाबू लक्ष्मीनारायण गुप्ता अपनी ऊंची पहुंच के चलते दस वर्षों से शेषनाग की तरह कुंडली जमाये बैठे थे। लघु सिंचाई विभाग उरई कार्यालय में तैनात बड़े बाबू लक्ष्मीनारायण गुप्ता का पिछले वर्ष स्थानांतरण बांदा के लिए किया गया था। इसके बाद उन्होंने शासन में बैठे आकाओं से साठगांठ करके अपना स्थानांतरण रुकवा लिया था इस बार शासन ने बडे बाबू लक्ष्मीनारायण गुप्ता का स्थानांतरण सहारनपुर के लिए कर दिया है।

संचारी रोगों के प्रति किसानों को किया जागरूक

तिर्वा, कन्नौज। संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत कृषि रक्षा इकाई ने किसानों के साथ गोष्ठी कर रोगों के प्रति जागरूक करते हुए बचाव के तरीके बताए। उमर्दा ब्लाक की कृषि रक्षा इकाई के प्रभारी आकाश वर्मा ने कहा कि घर के आस पास साफ सफाई रखें। पीने के पानी को उबाल कर पीयें। मच्छरदानी का प्रयोग करें।

परोक्षे कार्यहन्तारं प्रत्यक्षे प्रियवादिनम्।
वर्जयेतादृशं मित्रं विषकुम्भं पयोमुखम् ॥

पीठ पीछे काम बिगाड़ने वाले या सामने प्रिय बोलने वाले ऐसे मित्र को मुंह पर दूध रखे हुए विष के घड़े के समान त्याग देना चाहिए ।

संपादकीय

समागम में भगदड़

हाथरस में धार्मिक समागम के बाद मची भगदड़ में बड़ी संख्या में लोगों की मौत हो गई। देश में धार्मिक आयोजनों के समय भगदड़ के कारण हुई त्रासदियों में एक घटना और जुड़ गई। हादसे की जो तस्वीरें आई हैं वे विचलित कर देने वाली हैं। जान गंवाने वालों में बच्चे-बुजुर्ग महिलाएं भी शामिल हैं। भगदड़ का मुख्य कारण बताया जा रहा है कि कथावाचक भोले बाबा का काफिला निकल रहा था। इस दौरान समागम में शामिल श्रद्धालु भी अपने घर को निकल रहे थे। बाबा के काफिले को निकालने के लिए भीड़ को एक हिस्से से को रोका गया। वहां मौजूद लोग गर्मी और उमस के कारण परेशान हो रहे थे। बाबा का काफिला निकल गया तो लोग भागने लगे। हादसे के बाद प्रदेश सरकार ने जांच के लिए कमेटी का गठन किया है। मुख्यमंत्री ने 24 घंटे में जांच रिपोर्ट मांगी है। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की ओर से मुआवजे का ऐलान कर दिया गया है। देश में यह पहली घटना नहीं है जब भगदड़ मचने से इतनी बड़ी तादाद में लोगों की मौत हुई हो। इससे पहले कई ऐसी घटनाएं घटी है जब कुछ ही घंटों में सैकड़ों लोगों ने अपनी जान गंवा दी। हादसे से साफ है कि इस प्रकार के आयोजनों के दौरान लोगों की सुरक्षा पर सजगता कितनी कम है। भीड़ भरे स्थलों को संभालने के लिए बने नियमों का उल्लंघन होता है।

सवाल उठता है कि इस तरह के धार्मिक आयोजनों में ही क्यों ज्यादा भगदड़ मचती है। दरअसल धार्मिक आयोजनों में बड़ी संख्या में लोग जमा होते हैं। लोगों की संख्या भी तय नहीं होती, जिस कारण भीड़-प्रबंधन बेहद मुश्किल हो जाता है। कार्यक्रम में राजस्थान, मध्यप्रदेश, हरियाणा समेत कई राज्यों के हजारों लोग लोग शामिल थे। कई किलोमीटर तक वाहनों की लाइन लगी थी। जापान की टोक्यो यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर क्लाउडियो फेलिचियानी और ऑस्ट्रेलिया की न्यू साउथ वेल्स यूनिवर्सिटी के डॉ. मिलाद हागानी के शोध के मुताबिक भगदड़ के दौरान ज्यादातर लोग दम घुटने से मरते हैं। जब भीड़ एक दूसरे के ऊपर चढ़ती है तो उसकी शक्ति बहुत अधिक होती है। इतनी ताकत से जब किसी का शरीर भिंचता है तो सांस लेना असंभव हो जाता है। गिरकर मरने से ज्यादा लोग खड़े-खड़े मरते हैं। जो लोग नीचे गिरकर मरते हैं, वे भी दरअसल, सांस घुटने से मरते हैं क्योंकि उनके ऊपर गिरे या भागते लोग उनका दम घोंट देते हैं। ऐसे में सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के लिए ऐसा डेटाबेस होना और उसका विश्लेषण करना जरूरी है ताकि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

कभी कभार कांग्रेस का हिंदुत्व

कनक तिवारी
पूर्व महाधिवक्ता, छ.ग.

संविधान सभा में कांग्रेस कुल या उसके समर्थन के कई सदस्यों ने मजहब आधारित अधिकारों में रियायत का विरोध किया। किसी सदस्य को तो अल्पसंख्यक शब्द तक से परहेज़ था। सीपी और बरार के पीएस देशमुख ने 27 अगस्त 1947 को संविधान सभा में कहा कि भारतीय इतिहास में अल्पसंख्यक से ज्यादा राक्षसी कोई शब्द नहीं दिखा, जो देश की तरक्की में अड़ंगे अटकाएगा।

हिंदुत्व शब्द का उल्लेख सावरकर और उनके भी पहले कांग्रेस नेता लाला लाजपत राय ने किया था। हिंदुत्व के नाम पर वोट मांगना कुछ मुकदमों में सुप्रीम कोर्ट ने जायज भी ठहराया लेकिन कुछ फैसलों में हिंदुत्व और हिंदुइज़्म को अलग करार दिया। रामकृष्ण मिशन ने भी एक मुकदमे में मांग की थी कि वह हिंदू धर्म का अनुयायी नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने दलील नहीं मानी। कई आदिवासी समूह हिंदू घोषित किए जाने पर कहते हैं कि वे हिंदू धर्म के अनुयायी नहीं है। संविधान में हिंदू, इस्लाम, ईसाई, बौद्ध, पारसी, सिक्ख, जैन आदि धर्मों की परिभाषा नहीं दी गई है।

विनायक दामोदर सावरकर के उल्लेख के कारण हिंदुत्व पर बहुत बहस मुबाहिसा, विचार विमर्श और चिल्लपों का भी बाजार गर्म होता रहा है। उसके उलट गांधी की हिंदू धर्म की प्रयोगधर्मी, सेक्युलर और समावेशी समझ के साथ कांग्रेस एवं अन्य लोग आज़ादी की लड़ाई के दौर में मध्यमार्गी विचारधारा की तरह विकसित होते रहे। लोकमान्य तिलक की अगुवाई में भी संतुलन रहा। जवाहरलाल नेहरू के कारण कांग्रेस को वामपंथ की ओर झुकाने का सिलसिला शुरू हुआ। गांधी, नेहरू, पटेल और मौलाना आज़ाद के कारण आंबेडकर को संविधान का खाका बनाने की केंद्रीय भूमिका सौंपी गई। संविधान में धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी होने के बावजूद हिंदुत्व समर्थकों का आरोप रहा है कि हिंदू कोड बिल के जरिए हिंदुओं के निजी अधिकारों में दखल दिया गया है, जबकि मुसलमानों के निजी मजहबी कानून जस के तस बने हुए हैं।

संविधान सभा में कांग्रेस कुल या उसके समर्थन के कई सदस्यों ने मजहब आधारित अधिकारों में रियायत का विरोध किया। किसी सदस्य को तो अल्पसंख्यक शब्द तक से परहेज़ था। सीपी और बरार के पीएस देशमुख ने 27 अगस्त 1947 को संविधान सभा में कहा कि भारतीय इतिहास में अल्पसंख्यक से ज्यादा राक्षसी कोई शब्द नहीं दिखा, जो देश की तरक्की में अड़ंगे अटकाएगा। आरके सिधवा ने अल्पसंख्यक शब्द को इतिहास की पोथी से ही मिटा देने की मांग की। आशंका भी जाहिर की कि

> हिंदू धर्म में पाखंड देखकर विवेकानंद गरजे थे कि 33 करोड़ देवी देवताओं के बदले दलितों और अकिंचनों को उनकी जगह स्थापित कर दिया जाए। संविधान सभा में नेहरूवादी तथा हिंदू राष्ट्रवादी वैचारिकों के बीच लगातार विवाद होता रहा है। धार्मिक अल्पसंख्यकों को न तो विधायिका में आनुपातिक प्रतिनिधित्व मिला और न ही सरकारी नौकरियों और नियोजन में। अल्पसंख्यकों को दिए गए गारंटीशुदा अधिकार और समान नागरिक संहिता के संकेत मुसलमानों के खातों में रह गए। कांग्रेस आज़ादी की लड़ाई में राजनीतिक पार्टी से ज्यादा आंदोलन रही है।

अल्पसंख्यकों को तालीमी संस्थाएं स्थापित करने के अधिकार देने से राष्ट्रीय एकता खंडित होगी और सांप्रदायिक तथा राष्ट्र विरोधी दकियानूसियां पनपेंगी। 26 मई 1949 को अल्पसंख्यकों की रिपोर्ट पर बहस करते कांग्रेस सदस्यों से नाराज एंग्लो-इण्डियन फ्रैंक एन्थोनी ने कटाक्ष किया, 'बिना दुर्भावना के कह रहा हूं-बहुत से सदस्य फकत नियम भर से कांग्रेसी हैं, लेकिन दरअसल विचारों में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और हिंदू महासभा के सदस्य हैं। उनके भाषण अखबारों में पढ़ते हैं कि भारत की आज़ादी और संस्कृति का हिंदू राज और हिंदू संस्कृति के अलावा और मायने क्या हो सकता है?

3 दिसंबर तथा 6 दिसंबर, 1948 को सबसे उत्तेजक जिरह करते कांग्रेसी लोकनाथ मिश्र ने कहा 'अनुच्छेद 13 (अब 19) स्वतंत्रता का घोषणापत्र है, लेकिन अनुच्छेद 19 (अब 25) हिंदुओं को गुलाम बनाने का घोषणापत्र। यह बेहद अपमानजनक अनुच्छेद मसौदे का सबसे काला दाग है। धर्म प्रचार के कारण ही देश पाकिस्तान और भारत में बंट गया। हर व्यक्ति को धर्म प्रचार का मूल अधिकार देना ठीक नहीं है। क्या यह सचमुच हमारा विश्वास है कि जीवन से धर्म को बिल्कुल अलग रखा जा सकता है? हज़रत मोहम्मद या ईसा और उनके विचारों और कथनों से हमारा झगड़ा नहीं है, लेकिन धर्म का नारा लगाना खतरनाक है। धर्म प्रचार शब्द के नतीजतन हिंदू संस्कृति तथा हिंदुओं की जीवन तथा आचार पद्धति के पूरे विनाश का ही मार्ग प्रशस्त होना है। इस्लाम ने हिंदू विचारधारा के खिलाफ दुश्मनी का ऐलान कर रखा है। ईसाइयों ने हिंदुओं के सामाजिक जीवन में दबे पांव प्रवेश किया है। यह इस कारण कि हिंदुओं ने अपनी हिफाजत के लिए दीवारें नहीं खड़ी कीं। हिंदुओं के उदार ख्यालों का दुरुपयोग करते राजनीति ने हिंदू संस्कृति को ही कुचल दिया। धर्म की आड़ में गरीबी और अज्ञान धार्मिक उन्माद के छाते के नीचे पनाह ले रही हैं। दुनिया के किसी संविधान में धर्म प्रचार को मूल अधिकार नहीं कहा है। धार्मिक प्रचार से लोगों में दुश्मनी बढ़ेगी।"

28 अगस्त 1947 को अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर रिपोर्ट पेश करते सरदार पटेल ने कह दिया था कि मुस्लिम लीग के प्रतिनिधियों का संशोधन मुझे मालूम होता तो उनके किसी प्रकार के संरक्षण के लिए राजी नहीं होता। वे उन्हीं तरीकों को अपना रहे हैं जिन्हें उन्होंने पृथक निर्वाचक मंडल जारी करते वक्त अपनाया था। मुसलमानों के दो दल रहे हैं-एक राष्ट्रीय अर्थात कांग्रेसी मुसलमानों का दल और दूसरा मुस्लिम लीग का। उनमें इलाहाबाद में समझौता हो गया। हमने उस समझौते को नहीं माना। देश विभाजित हो गया। वही ढंग फिर अपनाया गया जो देश के विभाजन के लिए अपनाया गया था। तो मैं कहूंगा जो लोग इस तरह की बातें चाहते हैं उनके लिए पाकिस्तान में जगह है, यहां नहीं। कांग्रेसी गोविन्ददास ने राष्ट्रभाषा के सवाल पर जिरह करते कटाक्ष किया "उर्दू साहित्य में हिमालय का नहीं, उसकी जगह कोहकाफ़ का वर्णन मिलेगा। देश की कोयल नहीं, सिर्फ बुलबुल का वर्णन मिलेगा। भीम और अर्जुन की जगह रुस्तम का वर्णन मिलेगा। मैं कहना चाहता हूं कि हम पर सांप्रदायिकता की तोहमत लगाना बिल्कुल गलत है। मैं यह अवश्य कहूंगा कि हिंदी के समर्थक सांप्रदायिक नहीं। जो उर्दू का समर्थन करते हैं, वे सांप्रदायिक हैं।" तैश में आकर आरवी धुलेकर ने कह दिया कि कुछ मुसलमानों के अपवाद को छोड़कर ज्यादातर ने आज़ादी के आंदोलन में हिस्सा नहीं लिया था। उनमें से कई द्विराष्ट्रवाद के समर्थक भी थे। 'पिछले अड़तीस वर्षों में, जब से मैं कांग्रेस में था, इसे मानने अथवा इस मैत्री की नीति, अथवा इस हिंदुस्तानी के मामले का जो इतिहास रहा उसे कुछ याद करने की ज़रूरत है। मैं कहता हूं कि कुछ हजार मुसलमानों के अतिरिक्त, जो इस देश के सपूत हैं, और जो अब भी हमारे साथ हैं, अन्य सभी मुसलमान हमारे साथ नहीं रहे, वे इस देश को अपना देश नहीं समझते थे। इसी कारण वे पृथक होना चाहते थे। वे पृथक निर्वाचन क्षेत्र चाहते थे।

हिंदू धर्म में पाखंड देखकर विवेकानंद गरजे थे कि 33 करोड़ देवी देवताओं के बदले दलितों और अकिंचनों को उनकी जगह स्थापित कर दिया जाए। संविधान सभा में नेहरूवादी तथा हिंदू राष्ट्रवादी वैचारिकों के बीच लगातार विवाद होता रहा है। धार्मिक अल्पसंख्यकों को न तो विधायिका में आनुपातिक प्रतिनिधित्व मिला और न ही सरकारी नौकरियों और नियोजन में। अल्पसंख्यकों को दिए गए गारंटीशुदा अधिकार और समान नागरिक संहिता के संकेत मुसलमानों के खातों में रह गए। कांग्रेस आज़ादी की लड़ाई में राजनीतिक पार्टी से ज्यादा आंदोलन रही है। मदन मोहन मालवीय जैसे कद्दावर नेता कांग्रेस और हिंदू महासभा दोनों के अध्यक्ष लगभग एक समय ही रह पाए थे। नेहरूवादी दृष्टि का पूरा स्वीकार कांग्रेसियों ने अपने आचरण में नहीं किया। यही वजह है कांग्रेस आज अपने राजनीतिक आदर्शों को लेकर अतीत की अंतर्ध्वनियों को सुनती भर रहती है।

प्रसंगवश

हिंदू की राजनीतिक खींचातानी

प्राचीन आर्ष ग्रंथों में 'हिंदू' शब्द कहीं नहीं है। आर्य अनार्य शब्द आए हैं। गीता अध्याय2/2 में "अनार्यजुष्टमस्वर्ग्यम्" कहकर 'अश्रेष्ठ' के लिए अनार्य शब्द प्रयुक्त हुआ है। वैसे अपना प्राचीन दर्शन 'सर्वभूतहित रत' यानी सब प्राणियों के कल्याण की ही बात करता है। हिंदू शब्द 'सिंधु' से बना। कहीं इसे इंदु (चंद्रमा) और 'इण्डो आर्य' से उद्भूत भी बताया गया। जो भी हो, अब हिंदू भारत में एक बहुसंख्यक संप्रदाय है और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ 1925 में अपनी स्थापना के समय से ही इस वर्ग के हितों की बात करता रहा है।

रघोत्तम शुक्ला
सेवानिवृत्त पीसीएस

सद्यः लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुए कहा कि 'खुद को हिंदू कहने वाले हिंसा की बात करते हैं'। इसको लेकर तूफान खड़ा हुआ है कि राहुल पूरे हिंदू समाज को हिंसक बता रहे हैं। दरअसल राहुल की बात का भावार्थ न देखकर बिना तिल के ताड़ बनाया जा रहा है। राहुल का निशाना आरएसएस और भाजपा हैं, न कि संपूर्ण हिंदू समुदाय, चूंकि ये हिंदुत्व की लाठी भांजते हैं और अपने को इस समुदाय के हितों का ठेकेदार मानते हैं। हिंदू मुस्लिम मतों के ध्रुवीकरण से लाभ इन्हीं का होता रहा है। सोचने की बात है कि जो राहुल अपने को दत्तात्रेय गोत्री जनेऊधारी ब्राह्मण कहते हैं, वे पूरे हिंदू समुदाय को हिंसाप्रिय कैसे कह सकते हैं? वे विगत में शिव मंदिरों में जाते रहे हैं और लोकसभा में भी शिव जी का चित्र लेकर आए तथा यह कहकर दिखा रहे थे कि देखो! ये अभय दान की मुद्रा में हैं। उन्होंने अन्य संप्रदायों के भी महापुरुषों को सकारात्मक रूप से उद्धृत किया। ऐसे में राहुल के वाक्य में व्याकरण दोष निकालकर उन्हें हिंदू विरोधी ठहराना तथ्यों के विपरीत होगा। अब उन्हें 'पप्पू' 'या शहजादे' कहकर खिल्ली उड़ाने से काम नहीं चलेगा। बेहतर होगा कि सत्तापक्ष वास्तविकताओं को स्वीकार कर ले और मुल्कराज आनंद की कहानी "ए पेयर आफ मुस्टैचेस"(मूछों का जोड़ा) के खान आज़म खान की तरह व्यवहार न करे, जिसका अपनी मिथ्या अकड़ में परचून वाले सेठ रामानंद के मुकाबले पतन हो गया था।

ऊर्जा दक्षता के लिए छोटे-छोटे प्रयास जरूरी

हाल ही में इटली के अपुलिया में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन में एक बार फिर ऊर्जा क्षेत्र को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। यह दुनिया में ऊर्जा क्षेत्र के बढ़ते महत्व को दर्शाता है। सम्मेलन में कहा गया है कि दुनिया के सात सर्वाधिक संपन्न देशों का समूह जी-7 जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करेगा और ऊर्जा के बदलते स्रोतों को अपनाने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाएगा। सम्मेलन की समाप्ति पर समूह की तरफ से जारी मसौदा बयान में यह बात कही गई। मसौदे में कहा गया है कि हम जीवाश्म ईंधन पर धीरे-धीरे व्यवस्थित ढंग से निर्भरता कम करेंगे। 2050 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने के लिए इस दशक में हम मिलकर गंभीरता से प्रयास करेंगे। इस दस्तावेज में कहा गया है कि 2035 तक कोयला आधारित बिजली उत्पादन में कटौती की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी और इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

गौरतलब है कि बीते अप्रैल महीने में जी-7 देशों के वित्त मंत्री इस प्रस्ताव पर सहमत हुए थे। वहीं सम्मेलन में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ऊर्जा के क्षेत्र में भारत का दृष्टिकोण चार सिद्धांतों उपलब्धता, पहुंच, सामर्थ्य और स्वीकार्यता पर आधारित है। हम 2070 तक नेट जीरो का लक्ष्य हासिल करने की अपनी प्रतिबद्धता पूरी करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। मोदी ने वैश्विक नेताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें मिलकर आने वाले समय को हरित युग बनाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत कॉप के

अमित बैजनाथ गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार

> असल में देश में ऊर्जा क्षेत्र में त्वरित सुधारों की दरकार है। सबसे पहले तो आयात पर निर्भरता कम करने के लिए घरेलू कोयले की गुणवत्ता में सुधार पर ध्यान देना होगा।

अंतर्गत ली गई सभी प्रतिबद्धताओं को समय से पहले पूरा करने वाला प्रथम देश है। उन्होंने ऊर्जा क्षेत्र के महत्व को रेखांकित करते हुए यह भी कहा कि हमें मिलकर आने वाले समय को ग्रीन एरा बनाने का हर संभव प्रयास करना चाहिए।

आखिर क्यों बार-बार एनर्जी सेक्टर पर इतनी गंभीरता से बातचीत की जा रही है? क्यों वैश्विक मंचों पर इस मुद्दे को हर बार उठाया जा रहा है? असल में दुनिया ऊर्जा के क्षेत्र में संकटों का सामना कर रही है। सभी इस बात को समझ चुके हैं कि इस क्षेत्र पर अभी गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाला समय बहुत चुनौतीपूर्ण होगा। उभरते ऊर्जा संकट, घटते जीवाश्म ईंधन संसाधनों और उच्च तेल की कीमतों के साथ जलवायु परिवर्तन की चिंताओं ने बढ़ती ऊर्जा मांगों को पूरा करने के लिए नवीकरणीय, वैकल्पिक, पर्यावरण अनुकूल और कार्बन तटस्थ ईंधन के विकास की ओर वैश्विक ध्यान आकर्षित किया है। अधिकांश ऊर्जा संकट स्थानीय कमी, युद्ध और बाजार में हेरफेर के कारण हुए हैं। कुछ लोगों ने तर्क दिया है कि कर वृद्धि, ऊर्जा कंपनियों का राष्ट्रीयकरण और इस क्षेत्र के विनियमन जैसी सरकारी कार्रवाई ने इस संकट को बढ़ाया है।

जहां तक भारत की बात है, तो इसके ऊर्जा संकट से निपटने की राह में कई चुनौतियां हैं। पहली बात तो यह है कि सभी के पास सीमित ऊर्जा संसाधन हैं। भारत के पास कोयला, तेल और गैस जैसे सीमित ऊर्जा संसाधन ही मौजूद हैं और यह अपनी बढ़ती ऊर्जा मांगों की पूर्ति के लिए आयात पर निर्भर है।

देश के ऊर्जा क्षेत्र को अपने बुनियादी ढांचे में सुधार और अपनी ऊर्जा क्षमता का विस्तार करने के लिए वृहद निवेश की आवश्यकता है, लेकिन सरकार और निजी क्षेत्र ऊर्जा क्षेत्र में पर्याप्त निवेश नहीं कर पा रहे हैं। देश की निम्न प्रति व्यक्ति आय और उच्च गरीबी दर भी लोगों के लिए स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों का वहन कर सकना कठिन बनाती है। वहीं इस क्षेत्र में राजनीतिक और नियामक बाधाएं भी हैं। देश का ऊर्जा क्षेत्र अत्यधिक विनियमित या नियंत्रित है और इसमें सुधार की राह में उल्लेखनीय बाधाएं मौजूद हैं। इसमें एजेंसियों में समन्वय की कमी एक प्रमुख घटक है।

असल में देश में ऊर्जा क्षेत्र में त्वरित सुधारों की दरकार है। सबसे पहले तो आयात पर निर्भरता कम करने के लिए घरेलू कोयले की गुणवत्ता में सुधार पर ध्यान देना होगा। इसे कोयले के कैलोरी मान को बढ़ाने और राख की मात्रा को कम करने के लिए प्रौद्योगिकी में निवेश कर प्राप्त किया जा सकता है। वहीं नवीकरणीय ऊर्जा को प्रोत्साहित करना होगा।

सोशल फोरम

सत्य कहां होता है

सत्य कहां होता है, सत्य क्या भीड़ में, नेता में या मीडिया में होता है या इनके बाहर होता है? वास्तविकता यह है सत्य इन तीनों के बाहर होता है, सत्य वह नहीं है जो झुंड बोल रहा है, सत्य वह भी नहीं है तो नेता बोल रहा है या मीडिया बोल रहा है, सत्य वह है जो इन तीनों के बाहर हमारी आंखों से, हमारे विवेक से ओझल है। जीवन में देखो सत्य नजर आएगा।

प्रो. जगदीश्वर चतुर्वेदी
कोलकाता

उपरोक्त तर्कों के आधार पर परंपरा में जाकर देखें, मसलन, राजा राममोहन राय के सती प्रथा के विरोध को देखें, जिस समय उन्होंने सती प्रथा का विरोध किया, बंगाल में अधिकांश लोग सती प्रथा समर्थक थे, अधिकांश मीडिया भी सती प्रथा समर्थकों के साथ था, अधिकांश शिक्षितलोग भी उनके ही साथ थे। लेकिन सत्य राजा राममोहन राय के पास था, उनकी नजरों से देखने पर अंग्रेजों को भी वह सत्य नजर आया वरना वे भी सती प्रथा को बंद करना नहीं चाहते थे।

कहने का आशय यह है सत्य वह नहीं होता जो भीड़ कह रही है। कल्पना करो आर्यभट्ट ने सबसे पहले जब यह कहा कि पृथ्वी घूमती है और सूर्य की परिक्रमा लगाती है तो उस समय लोग क्या मानते थे, उस समय सभी लोग यही मानते थे सूर्य परिक्रमा करता है, सभी ज्योतिषी यही मानते थे। लेकिन आर्यभट ने सत्य बोलना बंद नहीं किया, आज आर्यभट्ट सही हैं, सारी दुनिया इस बात को मानने को मजबूर है। जान लें आज भी जो ज्योतिष पढ़ाई जाती है उसमें आर्यभट्ट हाशिए पर हैं, वे न्यूनतम पढ़ाए जाते हैं लेकिन सत्य उनके ही पास था।

कहने का आशय यह कि हमें भीड़, नेता के कथन और मीडिया की राय से बाहर निकलकर सत्य जानने की कोशिश करनी चाहिए। सत्य आमतौर पर हमारी आंखों से ओझल होता है उसे परिश्रमपूर्वक हासिल करना होता है, उसके लिए कष्ट भी उठाना पड़ता है। बिना कष्ट उठाए सत्य नहीं दिखता। सत्य तो हमेशा कॉमनसेंस के बाहर होता है। कोरोना, डिजिटल इंडिया, वैक्सीनेशन आदि का सत्य वह नहीं है जो बताया जा रहा है सत्य वह है जो आने वाला है, अदृश्य है। भीड़ चेतना सत्य नहीं है।

-फेसबुक वॉल से

ऑनलाइन फूड डिलीवरी- तौबा मेरी तौबा

अक्सर लोग एक ही तरह का खाना खाते-खाते ऊब जाते हैं। ऐसे में कुछ स्वादिष्ट और अलग भोजन करना चाहते हैं। ऑनलाइन फूड डिलीवरी सर्विसेज आप के दरवाजे पर कई तरह के व्यंजन उपलब्ध करवाते हैं। स्थानीय से लेकर अंतर्राष्ट्रीय तक, आप जब चाहे, जहां चाहे, भोजन आप तक हाज़िर है, चाहे वह किसी भी देश का भोजन हो या फिर स्थानीय इलाके का जब चाहें स्वाद चख सकते हैं।

लॉकडाउन के दौरान ऑनलाइन फूड डिलीवरी का तेजी से विकास देखा गया, अच्छा ऑनलाइन डिलीवरी एप्प उन लोगों के लिए सबसे अच्छा विकल्प बन गया था जो उस दौरान अपने घरों से बाहर नही जा पा रहे थे। इसके अलावा कई लोगों ने उज्ज्वल भविष्य देखकर इस व्यवसाय में निवेश करना शुरू कर दिया। इस से ऑनलाइन फूड ऑर्डरिंग बाजार में जबरदस्त उछाल आया और देखते ही देखते इस क्षेत्र में कई स्टार्ट अप के लिए अवसर खुल गए। साथ ही गला काट स्पर्धा भी शुरू हो गई, इसका असर यह हुआ कि सर्विस के भाव में गिरवाट आ गई। जल्दी डिलीवरी देने के फेर में गलतियां शुरू हो गई। गलत आर्डर, गलत बिल के साथ और गैरजिम्मेदार होने लगे।

अभी हाल ही में मुंबई के मलाड इलाके में बेहद ही चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एक डॉक्टर और उसकी पत्नी ने दावा किया है कि आइसक्रीम कोन के अंदर इंसान की एक कटी हुई उंगली मिली। महिला ने सोशल मिडिया पर इसकी तस्वीर शेयर की और

डॉ. धीरज सिंह
मुंबई

> आजकल ऑनलाइन फूड डिलीवरी का क्रेज बढ़ता जा रहा है लेकिन शायद ही किसी को इस बात का पता है कि ये फूड सामान्य से 60 प्रतिशत तक अधिक मंहगे होते है।

पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस तहकीकात में पता चला कि बात बिल्कुल सही है। इंसानी ऊंगली का टुकड़ा वह भी आइसक्रीम में?

मुंबई से ही संबंधित एक मजेदार वाक्या है, आजकल मुंबई में मूसलाधार बारिश शुरू हो चुकी है, एक डिलीवरी ब्वाय की मोटर साइकिल खराब हो गई तो वह घोड़े पर बैठकर घर-घर डिलीवरी पहुंचाने लगा था। बात तो तब खुली जब उसका विडियो सोशल मिडिया पर वायरल हो गया। यह व्यवसाय अब मनोरंजन भी प्रदान कर रहा है।

इसी साल मार्च माह की घटना है। बैंगलुरु की एक साफ्ट वेयर इंजीनियर लड़की ने ऑनलाइन फूड एप्प से खाने का आर्डर दिया। खाना लेकर एक युवा उचित समय पर आ भी गया। लड़की ने इंसानियत के नाते उससे पानी के लिए पूछा तो लड़का बाथरूम उपयोग का बहाना बना, घर में घुस गया और लड़की के साथ अश्लील हरकत करने लगा। लड़की ने जब शोर मचाया तो डिलीवरी ब्वाय वहां से भाग गया। अकेली रहने वाली लड़कियों के लिए ऐसे अंजान फूड ऑर्डरिंग ब्वायज भी खतरनाक हो सकते हैं। उन्हे सावधान रहना चाहिए।

कुछ माह पहले निरूपमा सिंह नाम की एक महिला ने ट्विट किया था कि उसने ऑनलाइन डिलीवरी एप्प से शाकाहारी भोजन का ऑर्डर दिया था और उसे मांसाहारी भोजन भेज दिया गया। उस के घर में कुल पांच लोग है और उनमे से चार पूर्ण शाकाहारी है। हमने शुद्ध शाकाहारी खाने का ऑर्डर दिया था और हमें मांसाहारी भोजन मिला। शुक्र है कि समय पर हम चेत गए वर्ना हमारा धर्म भ्रष्ट हो जाता।

इस वजह से जबलपुर में एक डिलीवरी ब्वाय का धर्म देखकर एक व्यक्ति ने ऑर्डर कबूल करने से ही मना कर दिया था,उसे शंका थी कि उसके खाने में भी कुछ गडबड़ी हो सकती है? उस वक्त काफी हो हल्ला भी बहुत हुआ था लेकिन कंपनी की तरफ से सफाई और "भोजन का कोई धर्म नही होता", जैसा बयान देने के बाद जाकर मामला ठंडा हुआ था।

एक और अजीबो-गरीब घटना दो साल पहले भी घटी है। हरियाना के पानीपत में एक व्यक्ति ने मछली के व्यंजन का ऑर्डर दिया। ऑर्डर ठीक समय पर बताए गए पते पर डिलीवर भी हो गया लेकिन जैसे ही उसे खोला गया, उसमे एक मरा हुआ जहरीला सांप मिला। यह तो गनीमत रही कि सांप जिंदा नही था। जब यह बात सोशल मिडिया पर वायरल हुई तो एक युजर ने लिखा था, लगता है, आजकल फूड डिलीवरी वाले सीधे सुन्दर वन से ऑर्डर पैक करते है।

गोवा का माइकल भूख से तड़प रहा था, उसने ऑनलाइन फूड ऑर्डर किया था लेकिन फूड आने में देर हो रही थी। इंतजार का एक एक पल घंटों की तरह लग रहा था, तभी उसके दरवाजे की घंटी बजी और वह उस दौड़ा, दरवाजा खोला तो उसे कोई दिखाई नहीं दिया, नीचे देखा तो दरवाजे के पास भी फूड पैकेट पड़ा था लेकिन जब उसने पैकेट खोला तो उसमे खाना ही नहीं था, एक पर्ची थी जिसमे लिखा था, "अगली बार ऑर्डर देंगे तो टिप जरूर देना!" माइकल ने खाने के पैसे चुकाये थे लेकिन टिप नही जोड़ा था तो उसे खाने का खाली डिब्बा मिला। डिलीवरी ब्वाय ने रास्ते में ही खाना चट कर लिया था। ऑनलाइन फूड ऑर्डरिंग में ऐसी बहुत सी कहानियां देखने सुनने को मिल जाएंगी। बीच में तो ऐसे बहुत से विडियो भी वायरल हो रहे थे जिसमें डिलिवरी ब्वाय ऑर्डर का खाना चट करते हुए नजर आ रहे हैं।

आजकल ऑनलाइन फूड डिलीवरी का क्रेज बढ़ता जा रहा है लेकिन शायद ही किसी को इस बात का पता है कि ये फूड सामान्य से 60 प्रतिशत तक अधिक मंहगे होते है। महंगाई के साथ इसी सब अजीबो-गरीब डरावनी घटनाओं की वजह से आज लोगों ने ऑनलाइन फूड ऑर्डर देने से परहेज करना शुरू कर दिया है।

ग्रामीण बैंकों के विलय की उठी मांग

देश की दो बड़ी अखिल भारतीय बैंक अधिकारी परिसंघ और आल इंडिया बैंक एंपलाइज एसोसिशन ने वित्त मंत्री से सभी 43 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंको को उनके प्रायोजक बैंक में विलय करने का अनुरोध किया है। बैंको की संपूर्ण प्रगति और एकरूपता के लिए ऐसा किया जरूरी बताया गया है। यह मांग यूनियंस द्वारा पहले भी उठाई जाती रही है और ग्रामीण बैंक के अधिकारियों ने इसको लेकर आंदोलन भी किए थे।

संजीव मेहरोत्रा
बरेली

उल्लेखनीय है कि ग्रामीण बैंक की शाखाएं सुदूर ग्रामीण अंचल में फैली हुई हैं, जिनकी संख्या पूरे देश में 22000 के करीब है। देश भर के 702 जिलो में कुल 30 करोड़ जमा खाते और करीब 3 करोड़ लोन खाते हैं।

ऐसा माना जा रहा है कि अगर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का अपने स्पांसर बैंक में विलय होता है तो ग्रामीण बैंकों में विद्यमान स्टाफ की कमी की प्रबल समस्या का समाधान होगा। आपसी प्रतिस्पर्धा पर विराम लगेगा और ग्रामीण बैंक के अधिकारी और कर्मचारी बैंकिंग की नई और मुख्य धारा में जुड़ेंगे जो ग्रामीण क्षेत्र के सर्वांगीन विकास के लिए बेहद जरूरी भी है। साथ ही साथ लो कास्ट डिपाजिट मोबलाइज करना और ऋण के अच्छे प्रस्ताव मिलना भी आसान होगा।

यह उल्लेख करना जरूरी है कि पंजाब एंड सिंध बैंक को छोड़ कर सभी ग्रामीण बैंक किसी ने किसी राष्ट्रीयकृत बैंक से मूल रूप से जुड़े हुए हैं और देश भर में ग्रामीण बैंको की 92 प्रतिशत शाखाएं ग्रामीण और अर्ध शहरी क्षेत्र में काम कर रही हैं और स्टाफ की बेहद कमी के दौर से गुजर रही हैं। प्रायोजक बैंक में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का विलय बैंकिग उत्पादों को त्वरित रूप से ग्राहकों तक पहुंचाने और ग्रामीण जनता की सभी बैंकिंग आवश्यकताओं को पूरा कर सकेगा। देखना होगा कि क्या वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन यूनियन के प्रस्ताव को स्वीकार कर ग्रामीण बैंकों के उनके (प्रायोजक) स्पासर बैंक में विलय को तैयार होंगी।

पुलिसकर्मियों ने समझी नये कानून की बारीकियां

तमाम धाराओं में हुआ बदलाव, पुलिस और प्रशासनिक कर्मचारियों को पढ़ाया जा रहा है नये कानूनों का पाठ

कार्यालय संवाददाता उरई

अमृत विचार। 1 जुलाई से आईपीसी की जगह भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) ने ले ली है । अब नये कानूनों की जानकारी सभी थानों और कोतवाली में गोष्ठी अयोजित कर सभी पुलिस कर्मचारियों को दी जा रही है। यहां पर सीओ देवेंद्र कुमार पचौरी व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पहले हत्या की धारा 302 होती थी अब उसकी जगह 103 हो गई है, 307 (हत्या का प्रयास) की धारा को बदल कर 109 कर दिया गया है। 323 (मारपीट) की धारा की जगह अब धारा 115 लिखा जायेगा, इसके अलावा तमाम अन्य धाराओं में बदलाव किया गया है

जैसे छेड़खानी की धारा 354 को बदल कर धारा 74 की गई है। 354 ए धारा (शारीरिक संपर्क और आगे बढ़ना) को अब धारा 76 के नाम से जाना जाएगा। इसी तरह से 354बी शारीरिक संस्पर्श और

लोगों को नये कानून के बारे में जानकारी देते सीओ देवेंद्र कुमार पचौरी व अन्य।

- **धोखाधड़ी की धारा को 420 के स्थान पर अब धारा 318 बोला जायेगा**

अश्लील हरकत करने की धारा को धारा 75 में तब्दील किया गया है। 354सी किसी के घर एवं किसी महिला की अनावश्यक ताक-झांक करना की धारा को अब धारा 77 के नाम से जाना जाएगा। किसी महिला का बिना किसी काम के पीछा करने की धारा 354डी को बदल कर अब धारा 78 किया गया है। बलात्कार की धारा 376 अब धारा 64 के नाम से जानी जायेगी। चार या अधिक लोगों द्वारा समान, गहने तथा नकदी छीनने पर पूर्व में लगाई जाने वाली धारा 392 की जगह अब धारा 309 का उपयोग किया जाएगा। धोखाधड़ी की धारा 420 के स्थान पर धारा 318 लिखा जायेगा। 506 जान से मारने की धमकी देना की धारा को बदलकर अब धारा 351 कर दिया गया है

किसी के द्वारा पीड़ित करने पर आत्महत्या करने की पूर्व की धारा 304ए का स्थान धारा 106 ने ले लिया है। दहेज की मांग पर किसी महिला की हत्या कर देने के मामले में अब तक लगाई जाने वाली धारा 304बी की जगह अब आरोपियों पर धारा 80 लगाई जायेगी।

यह रहीं कुछ धारायें जिनमें हुआ परिवर्तन

- धारा 306 आत्महत्या के लिए उकसाना की जगह धारा 108 का प्रयोग किया जाएगा। इसके अलावा विस्फोटक पदार्थ के बारे में उपेक्षापूर्ण आचरण करने की धारा 286 को अब धारा 287 के नाम से जाना जाएगा। 294 अब तक गाली देना या गलत इशारे करने का जुर्म करने वाले पर अभी तक धारा 294 के तहत कार्रवाई की जाती थी अब इस धारा को बदल कर धारा 296 कर दिया गया है।
- किसी की लज्जा भंग करने पर अब तक लिखी जाने वाली धारा 509 की जगह अब धारा 79 का प्रयोग किया जाएगा।
- धारा 338 मानव जीवन को खतरे वाली चोट पहुंचाने पर अब धारा 125(बी) लिखा जायेगा
- धारा 341 किसी को जबरन रोकना को अब धारा 126 के बदल दिया गया है।
- धारा 290 (अन्यथा अनुबंधित मामलों में लोक बाधा दंड) को बदल कर अब धारा 292 कर दिया गया है। इसी प्रकार अपराधिक अतिवार की धारा 447 को बदल कर धारा 329(3) किया गया है।
- धारा 448 (गृह अतिचार के लिए दंड) को बदल कर धारा 329(4) किया गया है और धारा 382 चोरी के लिए मृत्यु क्षति के स्थान पर अब धारा 304 लिखी जाएगी।
- धारा 493 दूसरा विवाह करना को अब_धारा 82 लिखा जायेगा तथा 495ए पति या उसके रिश्तेदार द्वारा क्रूरता की धारा को बदल कर अब धारा 85 कर दिया गया है।

50 रुपये के विवाद में हलवाई को पीटा

जालौन। शादियों में हलवाई का काम करने वाले व्यक्ति से 50 रुपये के लेन देन को लेकर तीन लोगों ने मिलकर हलवाई के साथ गाली, गलौज करते हुए न सिर्फ मारपीट कर दी। बल्कि जान से मारने की धमकी भी दे डाली।

कानपुर देहात के कस्बा मूसानगर निवासी शिवनाथ मिश्रा ने पुलिस को बताया बताया कि वह शादियों में हलवाई का काम करता है। उसके साथ लेबर भी काम करती है। सोमवार की शाम वह किसी काम के चलते जालौन आया था। जब वह इलाहाबाद बैंक के पास काम निपटा रहा था। तभी वहां गणेशजी निवासी राजेश अपने दो साथियों के साथ आ गए। और वह हिसाब किताब के 50 रुपये मांगने लगे। जब उसने कहा कि वह अपना हिसाब देख ले। इस बात से नाराज होकर तीनों ने मिलकर गाली, गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी, जिसमें उसे चोटें आई हैं। वहीं, उसे पिटता देख आसपास के लोग आए तो तीनों जान से मारने की धमकी देकर वहां से भाग गए।

बैंक अधिकारियों के साथ बैठक करते सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजीव सरन।

बैंक अधिकारियों को दिये गए दिशा-निर्देश

कार्यालय संवाददाता उरई (जालौन)

- **राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए बैंक अधिकारियों के साथ की बैठक**

अमृत विचार। उ. प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में 13 जुलाई को आयोजित की जाने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता सुनिश्चित किये जाने हेतु आज मंगलवार को जनपद न्यायाधीश के निर्देशन में जिले के समस्त बैंक अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक सम्पन्न हुयी।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजीव सरन द्वारा उपजिला मजिस्ट्रेट को निर्देशित किया गया कि उनके न्यायालयों में लम्बित दाण्डिक प्रकीर्ण वादों को चिह्नित कराकर अतिशीघ्र इनकी सूची जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को उपलब्ध करायें और अपने विभाग से सम्बन्धित मामलों में तत्परता से पैरवी कराना सुनिश्चित करें।

उ. प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ से प्राप्त गाइड-लाइन्स के अनुपालन में विधिक सेवा प्राधिकरण की बैठक ली।

सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है : मुकेश

कार्यालय संवाददाता जालौन

- **वस्त्रों के संग्रह एवं वितरण केंद्र अन्त्योदय का किया गया उद्घाटन**
- **यहां पर पुराने वस्त्रों का संग्रह कर जरूरतमंदों को वितरित किया जायेगा**

अमृत विचार। सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है और वंचित की मदद करना ईश्वरीय कार्य है, यह बात भारत विकास परिषद के क्षेत्रीय अध्यक्ष मुकेश जैन ने भारत विकास परिषद प्रमुख शाखा द्वारा संचालित उपयोगी वस्त्रों के संग्रह एवं वितरण केंद्र अन्त्योदय के उद्घाटन के अवसर पर व्यक्त किए।

भारत विकास परिषद के क्षेत्रीय अध्यक्ष मुकेश जैन ने परिषद के देश व्यापी सेवा कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए पंच ध्येय संपर्क, सहयोग, सेवा, संस्कार, समर्पण द्वारा राष्ट्र निर्माण में योगदान की अपील की। सचिव प्रेम कुमार गुप्ता व कार्यक्रम संयोजक पंकज गर्ग ने बताया कि यह केंद्र नए व पुराने वस्त्रों का संग्रह कर जरूरतमंदों को वितरित करेगा।

इस दौरान पौधों का रोपण भी

लोगों को संबोधित करते मुकेश जैन। अमृत विचार

किया गया। इस मौके पर क्षेत्रीय सचिव अजय महतेले, क्षेत्रीय संयुक्त सचिव अजय इटौरया, प्रान्तीय महासचिव विनोद सरावगी, राजेश गुप्ता, लखनलाल चंदैया, शाखा अध्यक्ष मृत्युंजय श्रीवास्तव, सतीश सिंह सेंगर, अनिल माहेश्वरी, महेश बिलैया, अभिषेक श्रीवास्तव एडवोकेट, गौरव गुप्ता, पवन अग्रवाल, मंगल सिंह चौहान आदि मौजूद रहे।

विनोद कुमार सिंह ने टरनंनगंज चौकी इंचार्ज का पदभार संभाला

कालपी(जालौन)। नगर की महत्वपूर्ण मानी जाने वाली टरनंनगंज पुलिस चौकी के नवागंतुक प्रभारी विनोद कुमार सिंह ने अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। विदित हो कि टरननगंज चौकी के निवर्तमान प्रभारी उपनिरीक्षक अभिलाख के स्थान पर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईरज रजा के द्वारा जगम्मनपुर चौकी इंचार्ज उपनिरीक्षक विनोद कुमार सिंह को कालपी कोतवाली का टरननगंज चौकी इंचार्ज बनाया है। पुलिस अधीक्षक के आदेश का अनुपालन करते हुए नवागंतुक चौकी इंचार्ज बिनोद कुमार सिंह के द्वारा पदभार ग्रहण कर लिया है।

चौकी इंचार्ज विनोद सिंह।

दहेज की मांग करते हुए महिला को पीटा

कार्यालय संवाददाता जालौन

- **पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने दर्ज की एफआईआर**

अमृत विचार। शादी में कम दहेज मिलने की बात कहकर ससुराल के लोग विवाहिता को शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं। पीड़िता ने मामले की तहरीर कोतवाली में दी है। पुलिस ने ससुरालियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सिहारी पड़ैया निवासी गीता देवी ने पुलिस को बताया कि उसकी शादी उसके पिता ने मई 2022 में हिंदू रीति रिवाज के साथ मनीष से की थी। शादी के बाद कुछ समय के लिए ससुरालवालों ने उसे ठीक से रखा। इसके बाद वह शादी में पर्याप्त दहेज न मिलने की बात कहकर उसे ताना देने लगे। कुछ समय बाद वह दहेज में और सामान लाने की मांग करने लगे, जब पिता ने और अधिक सामान देने में असमर्थता जताई तो ससुराल के लोगों ने उसे शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर पति मनीष कुंमार, सास ममता देवी, व देवर धर्मेंद्र ने सोमवार की शाम उसके साथ गाली, गलौज शुरू कर दी। मना करने पर लाठी, डंडों से मारपीट की। जिसमें उसे चोटें आई हैं। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने पीड़िता का चिकित्सकीय परीक्षण कराकर तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सार-संक्षेप

इनरव्हील क्लब ऑफ कल्याणी की पदाधिकारी। अमृत विचार

इनरव्हील क्लब ऑफ कल्याणी की प्रेसिडेंट बनीं साक्षी

उरई। इनरव्हील क्लब ऑफ उरई कल्याणी की प्रेसिडेंट साक्षी महेश्वरी को बनाया गया। उनके नाम की घोषणा होते ही साथी पदाधिकारियों ने फूल मालाओं से लादकर उनका स्वागत किया। उन्हें कॉलर पहनाकर अध्यक्ष पद पर आसीन कराया गया। शहर के राठ रोड स्थित मंडपम सभागार में इनरव्हील क्लब ऑफ उरई कल्याणी की प्रेसीडेंट साक्षी महेश्वरी को बनाया गया। क्लब की जेडपीसी अरुणा सक्सेना ने नवनिर्वाचित प्रेसीडेंट को कालर पहनाकर उनके अधिकारिक रूप से क्लब के अध्यक्ष पद पर आसीन कराया। साक्षी महेश्वरी ने कहा कि वह क्लब के जो उदेश्य हैं उनको पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगी। क्लब की वाइस प्रेसीडेंट अपराजिता लोधी ने इनरव्हील प्रार्थना प्रस्तुत की। ट्रेज़रर प्रीती गिरहोत्रा ने तुलसी के पौधे से अतिथियों का स्वागत किया। जॉइंट सेक्रेटरी वंदना श्रीवास्तव ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस दौरान उषा सेठ, आरती सुहाने ,सविता चतुर्वेदी, ममता गुप्ता,पूजा महेश्वरी आदि मौजूद रहीं।

प्राथमिक विद्यालय बावली में मनाया गया प्रवेशोत्सव

उरई,जालौन। जुलाई माह के प्रथम दिवस पर शासन के निर्देशानुसार विद्यालय में प्रवेश उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर संपूर्ण विधालय को फूल माला और गुब्बारों से सजाया गया। सर्वप्रथम एसएमसी सदस्य गण ,ग्राम प्रधान प्रशांत कश्यप, विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष संतोष कुमार और एआरपी दिनेश कुमार यादव जी ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम के दौरान नवप्रवेशी बच्चों का माल्यार्पण और टीका लगाकर उनका स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ सहायक अध्यापक देवेंद्र सिंह ने किया। देवेंद्र सिंह ने बच्चों को प्रतिदिन समय से आने के लिए कहा जबकि सहायक अध्यापक गिरिन्द्र कुमार ने बच्चों के अभिभावकों से अपील की कि आप बच्चों को निर्धारित पुस्तकों और अध्ययन सामग्री के साथ विद्यालय भेजें। अशोक वर्मा ने कहा कि बच्चों का दायित्व है कि वह नियमित रूप से विद्यालय आवें और दिया गया। एआरपी दिनेश यादव ने बच्चों को स्वागत संस्कार की परंपरा के महत्व के बारे में बताया और साथ ही कक्षा दो के बच्चों का पर्यवेक्षण किया जिसमें बच्चों ने अच्छा प्रदर्शन किया। अंत में नव प्रवेशित बच्चों को और जागरूक अभिभावकों को उपहार दिये गये। अंत मे सभी बच्चों और अभिभावकों को मिष्ठान और खीर वितरित की गयी। इस अवसर पर शिक्षा मित्र अखिलेश पांडे, शिक्षा मित्र विनोद कुमार, आंगनबाड़ी कार्यकत्री, अभिभावक गण उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक ने जनसुनवाई में सुनी पीड़ितों की समस्याएं

कार्यालय संवाददाता उरई

- **पीड़ितों को न्याय दिलाने का दिया भरोसा**

अमृत विचार। पुलिस अधीक्षक ईरज रजा ने आज अपने कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान आने वाले पीड़ित लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुनने के बाद पीड़ित लोगों को जांच करवा कर न्याय दिलवाने का भरोसा दिया।

आज मंगलवार को विभिन्न क्षेत्रों के लोग अपनी-अपनी समस्याओं को लेकर एसपी कार्यालय पहुंचे जहां पर पुलिस अधीक्षक ईरज रजा ने जनसुनवाई करते हुए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता के साथ सुना तथा उनकी समस्याओं के उचित,

समस्या सुनते एसपी ईरज रजा।

गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

पत्नियों के साथ मारपीट करने पर हुई कार्रवाई

जालौन। अलग-अलग मामलों में पत्नी के साथ मारपीट करने वाले पतियों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बिरिया खुर्द निवासी काजल पत्नी राघवेंद्र एवं खंडेराव निवासी प्रीति पत्नी जितेंद्र ने पुलिस को बताया कि उनके पति आए दिन किसी न किसी बात को लेकर घर में झगड़ा करते रहते हैं। कई बार समझाने के बाद भी उनकी आदतों में सुधार नहीं आ रहा है। महिलाओं ने आरोप लगाया कि मंगलवार की सुबह घरेलू विवाद के बाद पतियों ने गाली, गलौज करते हुए उनके साथ मारपीट कर दी।

साइबर पुलिस ने ठगे गए रुपये कराये वापस

कार्यलय संवाददाता उरई, जालौन

पुलिस के साथ मौजूद पीड़ित। अमृत विचार

- **1,70,000 रुपये पीड़ितों के कराये बरामद**

अमृत विचार। तमाम जागरूकता अभियान के बाद भी जनपद में ऑनलाइन ठगी के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। पुलिस अधीक्षक डॉ. ईरज राजा द्वारा जनपद में आए दिन ऑनलाइन ठगी को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

बीते दिनों तेजस्वी से 1, 35,000 रुपये, प्रदीप से 35000 रुपये की ऑनलाइन ठगी हुई थी। इन दोनों पीड़ितों ने पुलिस ऑफिस जाकर एसपी से शिकायत की थी, जिसके बाद एसपी ने मामले को गंभीरता से संज्ञान में लेते हुए साइबर सेल टीम को लगाया था। जिसमें साइबर सेल टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद दो लोगों से ठगे गए करीब एक लाख 70 हजार रुपये की रकम वापस उनके खातों में ट्रांसफर करा दी। अपनी ठगी गई रकम वापस पाकर पीड़ितों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने एसपी व टीम की भूरि-भूरि प्रशंसा की। विशेष टीम का भी सहयोग रहा है। जिसमें अतिरिक्त सहायक प्रकाश कश्यप एजीएम एसबीआई, प्रवीण रावल नोडल ऑफिसर एनपीसीआई, प्रभारी निरीक्षक संजय सिंह,हेकां वीर विक्रम सिंह,आरक्षी अरियन्त दुबे, आरक्षी रविरंजन सिंह, आरक्षी विवेक यादव, योगेश, महिला आरक्षी कुन्ती गौतम, मौजूद रहे।

निरीक्षण गौशाला में मौजूद लोगों को दिए जरूरी दिशा- निर्देश, कहा- जल्द ही गौशाला का पुन : निरीक्षण किया जायेगा

गौशाला में सफाई का विशेष ध्यान रखा जाये : एसडीएम

संवाददाता कालपी जालौन

अमृत विचार। कदौरा विकास खंड के ग्रामों के भ्रमण के दौरान उपजिलाधिकारी सुशील कुमार सिंह ने अकबरपुर इटौरा तथा गुरु का इटौरा ग्रामों में स्थित गौशालाओं का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां पर मौजूद लोगों को जरूरी निर्देश दिए।

नायब तहसीलदार हरदीप सिंह तथा राजस्व कर्मचारियों की टीम के साथ उपजिलाधिकारी सुशील कुमार सिंह कदौरा विकासखंड के ग्राम अकबरपुर इटौरा तथा गुरु का इटौरा पहुंचे। उन्होंने दोनों ग्रामों की अलग-अलग स्थानों में स्थित दोनों गौशालाओं का निरीक्षण किया। उपजिलाधिकारी ने गौशाला में भूसे का स्टॉक व रखरखाव देखा। परिसर में मौजूद गायों को अभिलेख से मिलान किया। पानी तथा प्रकाश व्यवस्था का भी जायजा लिया। उन्होंने ड्यूटी में मौजूद कर्मियों को निर्देश दिए कि परिसर में सफाई व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि

गौशाला का निरीक्षण करते एसडीएम सुशील कुमार सिंह।

जल्द ही गौशाला का पुनः निरीक्षण किया जाएगा अगर व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो दोषी कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

सड़क पर सिल्ट डालने से लोग हुए हलकान :उरई जालौन। नगर पालिका परिषद उरई ने बारिश के पहले नाला व नालियों की सफाई न होने की वजह से नाला व नालियां गंदगी से बजबजा रही है। आज मंगलवार को शहर के शहीद भगतसिंह चौराहा पर पालिका के कर्मचारियों ने गंदगी से पटी नालियों का कीचड़ निकाल कर सड़क पर डाल देने से वहां से निकलने वाले राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा यहां तक कि सड़क से निकलने वाले कई बाइक सवार लोगों की बाइक सड़क के किनारे जमा कीचड़ में फिसल कर पलट तक गयी।

बताते चलें कि अगर बारिश के पहले नालियों में जमा गंदगी की सफाई नगर पालिका परिषद द्वारा करवा दी जाती तो आज जो समस्या पैदा हो रही है वह पैदा नहीं होती। इसी तरह जो गंदगी के शहर के अंदर चैम्बर बने है उनकी भी सफाई नहीं करवाई जा सकी है। यहां तक कि पालिकाध्यक्ष के दरवाजे पर भी बना चैम्बर ओवर फिलो होने की वजह से उसका गंदा पानी व कीचड़ बारिश होने पर सड़कों पर बहता नजर आता है, जिससे वहां पर बैठने वाले दुकानदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

फल मंडी में सफाई न होने से लगा गंदगी का अंबार

जालौन। बंगरा मार्ग पर स्थित गल्ला मंडी व थोक फल व सब्जी मंडी में नियमित सफाई नहीं हो रही है। नियमित सफाई न होने के के कारण गंदगी फैली हुई है। नालियां गंदगी भरी पड़ी है तथा छनाई के बाद निकलने वाले खराब अनाज को नहीं हटाया जाता है, जिससे बदबू आ रही है और मच्छर पनप रहे हैं। बरसात में फैली गंदगी से परेशान व्यापारियों ने एसडीएम से शिकायत की। एसडीएम ने सचिव को सफाई दुरूस्त कराने के निर्देश दिए हैं। कृषि उत्पादन मंडी समिति व थोक फल व सब्जी मंडी की सफाई व्यवस्था का काम ठेकेदार द्वारा कराया जाता है। लेकिन ठेकेदार द्वारा मंडी की सफाई व्यवस्था पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ठेकेदार की हीलाहवाली के चलते मंडी में गंदगी फैली रहती है। मंडी व्यापारी बागवान समाज सेवा समिति के अध्यक्ष अशफाक राईन, सईद, इसहाक आदि ने एसडीएम को शिकायती पत्र देकर बताया कि मंडी में गंदगी के कारण व्यापारी परेशान हैं। गल्ला मंडी की अधिकांश नालियां गंदगी से भरी हुई हैं। मंडी के पिछले भाग में कूड़ा के ढेर लगे हुए हैं। मंडी परिसर में फैली गंदगी के कारण बदबू आ रही है और मच्छर पनप रहे हैं। गंदगी के चलते जानवर घूमते रहते हैं। अन्ना जानवरों के कारण गंदगी और बढ़ जाती है। गंदगी होने के एक ओर जहां दुकानदारों को दिक्कत होती है तो वहीं दूसरी ओर मंडी में खरीदारी करने आने वाले ग्राहकों को परेशानी हो रही है। बरसात के समय में सफाई न होने के कारण मंडी परिसर में पानी जमा हो रहा है जिससे गंदगी के साथ बदबू फैल रही है। बरसात में गंदगी संक्रमण का कारण बन सकती है। इसके अलावा मंडी में पशुओं को भगाने का भी ठेका है। मंडी में थोक व्यापार सुबह 10 बजे तक होता है लेकिन ठेकेदार की लेबर सुबह आठ बजे ही चली जाती है। जिसके बाद पशु परेशान करते हैं। व्यापारियों की शिकायत पर एसडीएम अतुल कुमार ने मंडी सचिव वीरेंद्र कुमार को नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए।

तीन माह के लिए बालू खनन बंद होने से हाईवे पर छाया सन्नाटा

कालपी जालौन। यमुना तथा बेतवा नदियों से खनन का कार्य बंद हो जाने से जोल्हूपुर-कालपी हाईवे में सन्नाटा छाया रहा वहीं सड़कों पर भारी वाहनों की आवाजाही में भी कमी हो गई।

विदित हो कि बेतवा नदी के किनारे पथरेहटा, कहटा, परासन तथा चन्दरसी आदि खनन क्षेत्रों में प्रतिदिन ट्रक, डंपर बालू लादकर बाराबंकी, लखनऊ, सीतापुर, उन्नाव, कानपुर, कन्नौज, इटावा आदि क्षेत्रों में प्रतिदिन बालू भरने के लिए बेतवा नदी के खदानों में जाया करते थे। प्रतिदिन कई सैकड़ा ट्रकों तथा डंपरों की आवाजाही लगी रहती थी। इसी प्रकार यमुना नदी के तरीबुलदा की खदान से इटावा, आगरा, हाथरस आदि क्षेत्रों में ट्रक बालू लोड करने के लिए आते-जाते हैं। वहीं शासन के निर्देश पर हर साल की तरह इस साल भी 1 जुलाई से तीन माह के लिए बालू खनन के लिए खदान पर रोक लगा दी गई है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

सूचना

मै **बालकृष्ण शर्मा पुत्र स्व0 चन्द्रभूषण शर्मा, निवासी–6/454, सेक्टर–6, विकास नगर, लखनऊ उ0प्र0**, मै सूचित करता हूँ कि मेरे इसी मकान उ0प्र0 आवास विकास द्वारा की गई मेरे नाम की रजिस्ट्री व अन्य दस्तावेज कहीं खो गये है। मैने आज तक अपनी मूल रजिस्ट्री पर कहीं भी किसी प्रकारण का ऋण आदि नहीं लिया है।

सूचना

सूचित हो कि मैं **सत्यप्रकाश पुत्र घासीराम, निवासी–नेहरू नगर सिकन्दरपुर थाना व तहसील जिला छिबरामऊ, कन्नौज**, मेरे पुत्र अंकित कुमार व उसकी पत्नी शिवानी जो कि अपराधिक किस्म के व्यक्ति है जिनका चाल–चलन खराब हो गया तथा आये दिन उक्त दोनों अनैतिक कार्य करते रहते है व आपस में लड़ते झगड़ते रहते है। मेरी कोई बात मानने को तैयार नहीं है उनके इन कृत्यों से तंग आकर अपने पुत्र अंकित कुमार तथा उसकी पत्नी शिवानी को अपनी समस्त चल– अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। अपने किये गये कृत्यों के वह स्वयं जिम्मेदार होगें। मेरे व मेरे परिवार से कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा।

सूचना

सूचित हो कि मैं **सलीम उम्र 46 साल पुत्र वसीर, निवासी–ग्राम– रेउसा, थाना–रेउसा, पो0– रेउसा तहसील बिसवां, जिला– सीतापुर** मैने अपने पुत्र मेहताब आलम को इनके गलत चाल चलन के कारण अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है इन के द्वारा किये गये कृत्यों व लेन देन से मेरा व मेरे परिवार के सदस्यों का कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा। अपने कृत्यों का वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 28.1. 2021 को कचहरी जाते समय मूल बैनामा संख्या 2099, बही सं– 01, जिल्द संख्या– 1901, पृष्ठ संख्या– 117 से 146, बैनामा दिनांक–10–04–2003 वास्तव में कहीं खो गया है। जिस किसी को उक्त बैनामा कागजात मिले वह निम्न पते पर सूचित करे। यदि कोई भी व्यक्ति उक्त कागजात का उपयोग करता है तो वह अवैध माना जाएगा। **–प्रदीप कुमार सोनी, निवासी–3/21/155, अंगूरीबाग, दिल्ली दरवाजा फैजाबाद, अयोध्या**

सूचना

मेरे पुत्र का नाम कपिल निवासी अतिराजपुर सैफई, इटावा है। जिसकी जन्म तिथि 20–12–2011 है जबकि स्कूल में नाम शिवांश प्रताप सिंह जन्म तिथि 01–03–2011 अंकित हो गई है। ऐसे में मेरे पुत्र का नाम कपिल जन्म तिथि 20–12–2011 ही पढ़ा जावे। **अभिषेक प्रशांत निवासी अतिराजपुर सैफई, इटावा**

सूचना

मेरे पुत्र का नाम एसएस मेमोरियल सीनियर सेकेंड्री पब्लिक स्कूल सैफई इटावा में कक्षा पांच में गलती से अंशुल दर्ज हो गया है। आधार कार्ड के अनुसार उसका वास्तविक नाम प्रतीक है। विद्यालय रिकार्ड में उसका नाम प्रतीक ही दर्ज किया जावे। **राजीव कुमार यादव पुत्र शिवप्रताप सिंह निवासी 665अशोक नगर इटावा।**

सूचना

मेरा पुत्र शिवपाल गलत संगत में पड़ जाने के कारण उसका चाल चलन खराब हो गया है। इस कारण से मै अपने पुत्र शिवपाल से सम्बंध बिच्छेद कर रहा हूं। अगर कोई भी व्यक्ति मेरे पुत्र के साथ रूपयों के अलावा चल अचल सम्पत्ति के साथ लेनदेन करता है तो वह स्वंय ही उसका जिम्मेदार होगा। **प्रार्थी मेहरबान सिंह पुत्र पोथी राम निवासी नगला सेवा राम थाना वैदपुरा जिला इटावा**

सूचना

मेरी यूपीयूएमएस पैरामेडिकल बीपीटी–2019 बैच, द्वितीय बर्ष 2020– 2021 अनुक्रमांक 215164230 व पंजीकृत संख्या– UPUMS2019P2017 की मार्कशीट वास्तव में खो गई है। **प्रीती कुमारी पुत्री अवध बिहारी सिंह ग्राम व पोस्ट लहुवार गाजीपुर।**

नाले, तालाबों में अतिक्रमण, हो रहा जलभराव

नाला-नालियों की सफाई का दावा किया लेकिन पहली ही बारिश ने खोल दी पोल, जगह-जगह भरा पानी

कार्यालय संवाददाता, फतेहपुर

अमृत विचार। भले ही नगर पालिका प्रशासन द्वारा बारिश से पूर्व नाला नालियों की सफाई का दावा किया जाता हो लेकिन पहली ही भारी बारिश में पोल खुल गई। कई मोहल्लों एवं सड़कों में जलभराव हो गया। जलभराव की स्थिति से सरकारी कार्यालय परिसर भी अछूते नहीं रहे। जलनिकासी समुचित न होने का सबसे बड़ा कारण शहर के तालाब एवं नालों में बंगले तनकर खड़े हो गए हैं। बारिश के पानी की जलनिकासी का ठोस प्लान ही नहीं है। ऐसे हालात में अत्यधिक बारिश हुई तो शहर के कई मोहल्लों में मुसीबतें बढ़ना तय हैं।

रविवार की रात से लेकर सोमवार दोपहर तक हुई बारिश से शहर पानी-पानी हो गया। शहर के कर्बला के पास जलनिकासी न होने से परेशानियां खड़ी हो गईं। वहीं महिला डिग्री कालेज के पास स्थित नवईया तालाब में आधे से अधिक कब्जा किए जाने से जलनिकासी नहीं हो पा रही। इतना ही नहीं यहां पर बने नाले को भी प्लाटिंग के चलते सिकोड़ दिया गया है। वहीं मुगल मार्ग आईटीआई रोड स्थित तालाब व नाले में कब्जा होने के चलते सफाई व जलनिकासी प्रभावित हो रही है।

समुचित जल निकासी न होने भरा पानी। अमृत विचार

नालों को जाम कर रहा प्लास्टिक कचरा

नालों व तालाबों के पास बने गेस्ट हाउस एवं मकान मालिकों द्वारा समारोह के दौरान प्रयोग होने वाले प्लास्टिक के कचरे के साथ ही अन्य कचरा भी फेंक दिया जाता है। व्यवसाइयों द्वारा पॉलीथीन युक्त कचरा भी नालों व तालाबों के आसपास डंप कर दिया जाता है। वहीं अन्य तरीकों से भी ऐसी जमीनों में अतिक्रमण हावी रहता है। कब्जे व निर्माण कार्य के दौरान प्रयोग होने वाले वेस्टेज को भी लोग नालों व तालाबों में ही डंप करते हैं।

आईटीआई रोड पर नहीं बचा स्थान

वैसे तो हर साल आईटीआई रोड स्थित नाले सहित अन्य नालों को नगर पालिका द्वारा जेसीबी के माध्यम से साफ करवाया जाता है। बताते हैं कि आईटीआई रोड स्थित नाले के पास बीते समय एक कमरे का निर्माण कराए जाने के कारण यहां पर जेसीबी जाने का स्थान न बचने से अब तक यहां की सफाई नहीं हो सकी। जिससे जलनिकासी भी प्रभावित हो रही है।

तालाबों व नालों पर होने वाले कब्जों की जांच करवाई जा रही है। यदि अभिलेखों में भूमिधारी है तो नाप कराए जाने के साथ ही सरकारी तालाबों के कब्जों को जमींदोज करवाया जाएगा।

-समीर कुमार कश्यप, ईओ नपाप

जमीदोज हुए मकान को दिखाता पीड़ित परिवार। अमृत विचार

मकान भरभरा कर गिरा, बाल-बाल बचे मां और बच्चे

धाता फतेहपुर। नगर पंचायत धाता के अब्दुल कलाम नगर वार्ड के नौवन टोला मोहल्ले के निवासी समीर सलमानी का मकान सोमवार की रात लगभग 10 :00 बजे ढह गया। घटना से कुछ देर पहले ही समीर की पत्नी वाजिदा अपने 6 माह के बच्चे को अपने साथ लेकर दूध देने के लिए रसोई में गई तभी अचानक आगे का कमरा और बरामदा भर भरा कर ढह गया। पति समीर उस समय मोहल्ले में किसी काम से गया था। पीड़ित दंपति ने बताया की लगभग 6 माह पूर्व प्रधानमंत्री आवास के लिए आवेदन किया था लेकिन अभी तक प्रधानमंत्री आवास ना मिलने की कारण हम लोग इसी जीर्ण-शीर्ण मकान में रहने को मजबूर हैं। हर समय अंदेशा लगा रहता है कि कहीं कोई हादसा ना हो जाए। यह अच्छा हुआ कि मैं भी बाहर था और मेरी पत्नी और बच्चा भी घटना वाली जगह पर नहीं थे। हम लोग रोजाना इसी कमरे में सोते थे। यदि यही हादसा सोने के बाद होता तो सोच कर ही मन सिहर उठता है। प्रधानमंत्री आवास के लिए लगातार कोशिश करने के बावजूद भी अभी तक आवास नहीं मिला। दंपति ने सवाल किया कि अब हम कहां रहेंगे।

ई-रिक्शा चुराते समय जाग जाने पर दोस्तों ने की थी मां-बेटे की हत्या

कार्यालय संवाददाता, फतेहपुर

अमृत विचार। बकेवर थाना क्षेत्र में हुई मां बेटे की हत्या का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो पड़ोसी युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से आला कत्ल, खून से सने कपड़े व चप्पल बरामद किए हैं। पुलिस लाइन में घटना का खुलासा करते हुए एसपी उदय शंकर सिंह ने बताया कि ई-रिक्शा चोरी करने के दौरान जाग जाने पर आरोपियों ने ईंट से कूंच कर मां-बेटे की हत्या कर दी थी।

एसपी ने बताया कि 28 जून की रात को थाना क्षेत्र के रुसी गांव निवासी माया देवी व उसके बेटे सत्यम अवस्थी की घर के अंदर हत्या कर दी गई थी। मामले में मृतका के छोटे बेटे शिवम अवस्थी की तहरीर पर रवि कश्यप और एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस टीम घटना की जांच पड़ताल कर रही थी। तभी ग्रामीणों की पूछताछ और जांच में पड़ोसी पंकज पटेल और शिवम् कुमार के नाम प्रकाश में आए। एसपी ने बताया कि

गिरफ्तार आरोपी। अमृत विचार

- आरोपियों से आला कत्ल, खून से सने कपड़े व चप्पल बरामद

आरोपी पंकज, शिवम और मृतक राम जी ऊर्फ सत्यम अवस्थी आपस में दोस्त थे और रिक्शा चलाकर अपना जीविकोपार्जन करते थे। मृतक रामजी उर्फ सत्यम अवस्थी कम पैसे में सवारियों को ले जाने के लिये तैयार हो जाता था, जिस बात को लेकर उसके दोस्त पंकज व शिवम नाराज रहते थे। इसी बात से क्षुब्ध होकर दोनों ने 28 जून को मृतक का ई-रिक्शा गायब कर देने का प्लान बनाया। रात्रि करीब 3 बजे जब सब सोये हुये थे तब पंकज व शिवम, दीवार फांदकर रामजी उर्फ सत्यम अवस्थी के आंगन में दाखिल हो गये और चाभी खोजने लगे। इसी दौरान मृतक सत्यम की मां माया देवी जाग गयी और आरोपियों को पहचान लिया। पकड़े जाने के डर से पंकज ने माया देवी का मुंह दबा दिया और शिवम ने पास पड़े ईंट से प्रहार कर माया की हत्या कर दी। इसी दौरान आहट पाकर बाहर सो रहा रामजी जग गया और दरवाजा पीटने लगा। आरोपी दरवाजे की कुंडी खोलकर दरवाजे के पीछे छिप गये। जैसे ही सत्यम अन्दर आया उसको बाथरूम के पास खींच कर गिरा दिया। पंकज ने रामजी का गला दाबे रखा और शिवम ने ईंट से प्रहार कर सत्यम की भी हत्या कर दी। एसपी ने बताया कि नामित आरोपी की घटना के समय की लोकेशन गुजरात की पायी गई। छानबीन तथा साक्ष्य संकलन से नामित आरोपी रवि को क्लीन चिट दी गई। थाना पुलिस और प्रभारी इंटेलिजेंस विंग विद्या यादव और उनकी टीम ने आरोपियों को ग्राम धमोली बैठका चौराहे से गिरफ्तार किया। एसपी ने पुलिस टीम को 15 हजार रुपये का नकद इनाम दिया है।

एक नजर

हरसिंहपुर गोली कांड में एक आरोपी गिरफ्तार

औंग। थाना कल्यानपुर क्षेत्र के ग्राम हरसिंहपुर में हुए गत माह गोली काण्ड प्रकरण में एफआईआर में दर्ज आरोपी नम्बर दो राघवेन्द्र सिंह पुत्र जगत सिंह निवासी ग्राम हरसिंहपुर को पुलिस ने गत दिवस अरेस्ट कर फतेहपुर न्यायालय भेज दिया है। ज्ञात हो कि उक्त प्रकरण में उदयप्रताप सिंह को जान से मारने का प्रयास किया गया था। जिनका गम्भीर अवस्था में कानपुर में इलाज चल रहा है जिनकी हालत स्थिर बनी हुई है।

तीन माह से फरार एक आरोपी पकड़ा गया

औंग। थाना कल्यानपुर पुलिस ने गत दिवस गो हत्या निवारण अधिनियम एवं मन प्रभावी पदार्थ अधिनियम के अन्तर्गत अंसार नामक व्यक्ति को गिरफ्तार कर कोर्ट भेजा, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। ज्ञात हो कि तीन माह पूर्व चौडगरा क्षेत्र के मोटू होटल के पास एक कंटेनर से 17 गोवंश जीवित तथा आठ मृत गोवंश व सात किलो गांजा बरामद हुआ था। चार आरोपी कंटेनर से पकड़े गए थे। जिसमें पकड़ा गया आरोपी अंसार तभी से फरार था।

अधिकारियों के हुए दबादले, राकेश कुमार डीआईओएस, बीएसए होंगी भारती त्रिपाठी

कार्यालय संवाददाता फतेहपुर

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव सम्पन्न होने के बाद तबादलों का दौर तेज हो गया है। सोमवार को कई विभागों के विभागाध्यक्षों का शासन ने तबादला कर दिया। उनके स्थान में शासन ने नई तैनाती की है।

सोमवार को डीएम ने एसडीएम सदर व बिंदकी को हटाते हुए एएसडीएम व एसडीएम न्यायिक को उप जिला मजिस्ट्रेट का दायित्व सौंपा है। डीआईओएस शिवपूजन द्विवेदी का तबादला करते हुए प्रतीक्षारत रखा है। उनके स्थान पर राकेश कुमार डीआईओएस बनाए गए हैं। ऐसे ही बीएसए पंकज यादव को कानपुर देहात भेजते हुए उनके स्थान पर भारती त्रिपाठी की नई तैनाती की गई है। प्रशासन स्तर पर जिला कृषि अधिकारी ब्रजेश कुमार को प्रमोशन पर मुख्यालय भेजा गया है। उनके स्थान पर नरोत्तम कुमार नए कृषि अधिकारी होंगे। वहीं डीएसओ अभय सिंह का तबादला बुलंदशहर हुआ है, उनके स्थान पर आजमगढ़ से सुनील कुमार पुष्कर डीएसओ होंगे। वहीं सदर नगर पालिका में तैनात ईओ समीर कुमार कश्यप का तबादला कैराना (शामली) किया है।

उनके स्थान पर अभी तक तैनाती नहीं हुई है। वहीं नगर पालिका में तैनात एई निर्माण जगदीश प्रसाद का ट्रांसफर बांदा हुआ है। उधर,बिजली विभाग में एसडीओ राधानगर अभिजीत शाह को वाराणसी भेजा गया है। उनके स्थान पर किसी की पोस्टिंग नहीं होने पर एसडीओ अभिनय श्रीवास्तव एसडीओ चुरियानी को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

एसडीओ बिंदकी द्वितीय अरुण कुमार गुप्ता का तबादला गोरखपुर हुआ है, उनके स्थान का प्रभार एई सूरज राघव को प्रभार सौंपा गया है। वहीं खाद्य सुरक्षा अधिकारी अरविंद कुमार सिंह और रामबाबू का भी ट्रांसफर शासन ने किया है। स्वास्थ्य विभाग में तैनात डिप्टी सीएमओ डा.सीबी सिंह का भी तबादला किया गया है।

प्रदीप कुमार रमन बने सदर एसडीएम

डीएम सी .इंदुमती ने पांच राजस्व अफसरों के कार्यक्षेत्र में परिवर्तन किया है। उन्होंने एसडीएम सदर रहे प्रभाकर त्रिपाठी और एसडीएम बिंदकी अभिनीत कुमार को हटा दिया है। उनके स्थान पर फतेहपुर सदर में तैनात एसडीएम (न्यायिक) प्रदीप कुमार रमन को एसडीएम सदर और कलक्ट्रेट में तैनात एएसडीएम द्वितीय अर्चना अग्निहोत्री को एसडीएम बिंदकी का दायित्व सौंपा है। वहीं एसडीएम सदर प्रभाकर त्रिपाठी के एएसडीएम प्रथम और बिंदकी एसडीएम अभिनीत कुमार एएसडीएम द्वितीय के पद पर तबादला किया है। कलक्ट्रेट में तैनात एएसडीएम प्रथम सर्वेश कुमार गौर को एसडीएम (न्यायिक) खागा के पद पर भेजा है।

- एसडीएम न्यायिक को उप जिला मजिस्ट्रेट का दायित्व सौंपा

स्कूल बन गए तालाब, बच्चे हुए परेशान

कार्यालय संवाददाता, फतेहपुर

अमृत विचार। ग्रीष्मावकाश के बाद सोमवार से परिषदीय विद्यालय खुल गए। पहले दिन ही बारिश होने से तमाम अव्यवस्थाएं हावी रहीं। कई स्थानों पर स्कूल जाने के रास्ते बेहद खराब हैं और दलदल जैसी स्थिति रही। बच्चे बड़ी मुश्किल से स्कूल पहुंचे। तो कुछ स्थानों पर स्कूल में साफ-सफाई नहीं की गई। भारी बारिश के कारण धाता, अमौली, खागा क्षेत्र के कई विद्यालयों के परिसर तालाब बने रहे। जिससे बच्चों एवं शिक्षकों को वापस होना पड़ा। जबकि शासन द्वारा स्कूल खुलने के पूर्व ही स्कूलों में व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए थे। बावजूद इसके जिम्मेदारों ने गम्भीरता नहीं दिखाई। अमौली ब्लाक के अहिरनपुर प्राथमिक विद्यालय की बाउंड्री टूटी होने व विद्यालय से लगा तालाब बच्चों के लिए खतरा पैदा कर रहा है। अधिक बरसात हो जाने पर तालाब और विद्यालय परिषर समतल हो जाता है। जिससे रास्ता भी नहीं समझ आता है।

स्कूल में भरा बरसात का पानी। अमृत विचार

टपकती छत और जलभराव बनी समस्या

ग्रामीणांचलों के कई विद्यालय जर्जर अवस्था में हैं। हथगाम ब्लाक के परिषदीय विद्यालय भवन की छत बारिश में टपकती है। बच्चों के बैठने के लिए सूखा स्थान ही नहीं नसीब होता है। अभिभावकों ने बताया कि समस्या के बावत अधिकारियों को सूचित किया गया है। इसके अलावा विद्यालय में साफ सफाई का भी आभाव रहता है। जिससे बच्चों को बीमार होने का खतरा रहता है।

कीचड़ में गिरते पड़ते स्कूल पहुंचे बच्चे

खजुहा विकास खंड के बंगला स्थित प्राथमिक विद्यालय के बच्चे मुख्य रास्ते में जलभराव के कारण बच्चों को कीचड़ से होकर गुजरना पड़ा। वहीं विद्यालय परिसर में कटीले पौधों ने डेरा जमा लिया है। परिसर में लटक रही बिजली की केबिलें व्यवस्थाओं की पोल खोल रही हैं।

पानी निकासी की व्यवस्था नहीं : स्कूल खुलने के पहले ही कई स्कूल परिसरों में जलभराव की स्थिति है। शहर के खेलदार स्थित प्राथमिक विद्यालय परिसर में बारिश के पानी की समुचित निकासी व्यवस्था नहीं है। इसके अलावा ग्रामीणांचलों के कई विद्यालयों में टूटी बाउंड्री एवं गेट व्यवस्था की पोल खोल रहे हैं। जिनसे विभाग को निपटना पड़ेगा।

- धाता, अमौली, खागा क्षेत्र के कई विद्यालयों में जलभराव

नहीं हुई साफ सफाई परिसर बना जंगल

देवमई ब्लॉक के अंतर्गत कई परिषदीय विद्यालयों के खुलने के प्रथम दिन साफ सफाई की पोल खुलती नजर आई। परिसर में खड़ी बड़ी-बड़ी घास एवं कटीलें पौधे शिक्षकों के उदासीनता की गवाही दे रही हैं। पहले दिन स्कूल में छात्र संख्या बेहद कम रहीं।

माध्यमिक स्कूलों में भी कम रही छात्र संख्या

परिषदीय विद्यालयों के साथ माध्यमिक शिक्षा विभाग के सभी राजकीय एवं सवित्त विद्यालय भी खुल गए। सोमवार को पहले दिन यहां भी छात्र संख्या कम ही रही। जीआईसी के प्रधानाचार्य ने बताया कि पहले दिन बारिश होने के कारण बच्चों की संख्या नहीं बढ़ी है। अब एक-दो दिन से विद्यालय में शिक्षण कार्य प्रगति पर आ जाएगा। अधिकांश निजी विद्यालय 25 जून से ही खुल गए थे।

आत्महत्या के लिए प्रेरित करने पर 5 के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता औंग फतेहपुर

अमृत विचार। गत दिवस न्यायालय के आदेशानुसार थाना कल्यानपुर क्षेत्र के ग्राम सौंह निवासी पांच आरोपियों निधि पुत्री नयन सिंह (21) माया देवी पत्नी नयन सिंह (50) नयन सिंह पुत्र रामगोपाल (55) आशीष पुत्र शोभा (28) तथा राजू पुत्र अज्ञात (32) के विरुद्ध आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई। पहली जुलाई 2023 की रात दस बजे ग्राम सौंह निवासी रामकमल ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। उस समय मृतक की पत्नी अपने मायके में थी। परिजनों ने चुपचाप बिना पुलिस को सूचना दिए शव का अंतिम संस्कार कर दिया था। इसके दूसरे दिन मृतक की पत्नी रागिनी को जब किसी अन्य से सूचना मिली तो उसने कल्यानपुर पुलिस को लिखित तहरीर देकर घटनाक्रम से अवगत कराया था लेकिन पुलिस ने कोई सुनवाई नहीं की थी। दण्ड प्रक्रिया संहिता के अन्तर्गत उपरोक्त पांच आरोपी अभियुक्त मानते हुए न्यायालय ने एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया।

चकबंदी अधिकारी के बाद खागा एसडीएम पर गिरी गाज

कार्यालय संवाददाता, फतेहपुर

- चकबंदी अधिकारी पर आरोप लगा किसान ने की थी आत्महत्या
- भाकियू समेत कांग्रेसियों ने उठाई थी निष्पक्ष जांच के बाद कार्यवाही की मांग

अमृत विचार। किसान की समस्या की अनदेखी करने पर तीन चकबंदी अधिकारियों के निलम्बन के बाद अब एसडीएम खागा अतुल कुमार को भी शासन ने निलम्बित कर दिया है। अफसरों की अनदेखी से आजिज होकर किसान ने चकबंदी अधिकारियों पर आरोप पत्र छोड़ते हुए फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। उसके बाद भाकियू एवं कांग्रेसियों ने भी किसान के पक्ष में जोरदारी से आवाज उठाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कराते हुए दोषियों पर कार्रवाई की मांग की थी।

मामला खागा तहसील क्षेत्र के पाई गांव का था। जमीनी निस्तारण न होने से तंग आए किसान ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। कुछ देर बाद किसान का शव फांसी पर लटका देख ग्रामीणों में हड़कंप मच गया था। जिसके बाद मामला गरमा गया और मौके पर तमाम आलाधिकारी भी पहुंचे।

पाई गांव निवासी मृतक रविकरन सिंह के गांव में चकबंदी हो रही है। जिस पर पीड़ित किसान की जमीन को अचक कर दिया गया था। जिसके बाद पीड़ित किसान ने संपूर्ण समाधान दिवस पर शिकायती पत्र देते हुए चकबंदी अधिकारी रविंद्र नाथ पांडे, कानून गो लाल बहादुर, लेखपाल संदीप श्रीवास्तव पर गंभीर आरोप लगाए थे।

किसान का आरोप था कि पीड़ित की भूमिधरी जमीन के गाटा संख्या 411 के टुकड़े कर उन्हें अचक कर दिया गया। चकबंदी कर्मचारियों द्वारा मनमानी तरीके से ग्रामीणों से धन उगाही की जा रही है। जमीनी निस्तारण न होने से तंग आए किसान ने पहले ही अधिकारियों को आत्महत्या करने की धमकी दी थी। बावजूद इसके किसान की न तो खागा एसडीएम अतुल कुमार ने सुनी और न ही चकबंदी विभाग के अधिकारी ही गंभीर हुए। नतीजन किसान को आत्महत्या के लिए मजबूर होना पड़ा।

पीड़ित किसान ने गांव में ही स्वयं की गौशाला में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इसके बाद मामला इतना गरमाया कि शासन तक पहुंच गया। पहले चकबंदी अधिकारियों को निलम्बित किया गया और अब खागा एसडीएम पर कार्यवाही शासन द्वारा की गई है।

टोल के कार्मिकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

औंग फतेहपुर। थाना कल्यानपुर क्षेत्र के ग्राम मदोकीपुर निवासी एडवोकेट शरद तिवारी पुत्र कृपा शंकर तिवारी के साथ 31 मार्च 2024 को टोल प्लाजा के करीब एक दर्जन कर्मचारियों व अधिकारियों द्वारा की गई मारपीट के मामले में कोर्ट के आदेश पर एफआईआर दर्ज हो गई है। बताया जाता है कि सामान्य लोगों की तरह उस दिन वकील अपने साथी के साथ कार से फतेहपुर जा रहे थे। तब यह घटना घटित हुई थी। वकील ने नियमानुसार पहले टोल प्लाजा की वेबसाइट में शिकायत किया फिर थाने में तहरीर दी, उसके बाद धारा 156 (3) के तहत कोर्ट में अपील की। न्यायालय के आदेश पर ग्राम गुगौली के पांच कर्मचारी, ग्राम बड़ौरी के चार-पांच कर्मचारी तथा टोल के अन्दर बैठे कर्मचारियों की खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई।

प्रवेश प्रारम्भ
प्रवेश प्रारम्भ
वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय
वरुण अर्जुन कॉलेज ऑफ नर्सिंग
उत्तर प्रदेश मेडिकल फैकल्टी से मान्यता प्राप्त
बी.एस.सी. नर्सिंग
(4 वर्षीय डिग्री कोर्स)
शैक्षिक योग्यता : इण्टरमीडिएट साइंस (बायोलॉजी) के साथ
पोस्ट बेसिक नर्सिंग
(2 वर्षीय कोर्स, योग्यता जी.एन.एम. पास आउट)
जी.एन.एम.
(3 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)
ए.एन.एम.
(2 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)
प्रवेश हेतु संपर्क करें :-
मो. 9412151327, 7521001992
पता
वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड हॉस्पिटल
NH-24, बन्थरा, जिला शाहजहाँपुर

समस्या | दुग्ध किसानों को सहुलियतें नहीं मिलने से खफा है पशुपालक

पशुपालकों को नहीं मिल पा रहा दूध का सही दाम

कार्यालय संवाददाता फतेहपुर

अमृत विचार। किसानों की आय के साधनों में पशुपालन मुख्य है, किन्तु जिले में खुले निजी कंपनियों के दूध कलेक्शन सेंटर पर किसानों को उनकी उम्मीद से इतना कम दाम मिल रहा है कि वे कलेक्शन सेंटर की बजाय दूध बेचने के लिए चाय व मिठाई की दुकानों के चक्कर लगा रहे हैं। कुछ किसानों को फैट व स्नफ नापने वाली मशीन पर संदेह होता है, लेकिन मशीन की चेकिंग कराने के लिए किसान को एक हजार रुपये जमा करने पड़ेंगे, यह जानकारी मिलते ही किसान जांच कराने से पीछे हट जाते हैं।

किसानों से दूध खरीदने के लिए निजी कंपनियों ने ग्रामीण इलाकों में अपनी डेयरी (दूध कलेक्शन सेंटर) खोल रखे हैं। किसान दूध लेकर सेंटर पर पहुंचता है तो वहां मशीन में दूध की गुणवत्ता चेक की जाती है। दूध के गुणवत्ता की इस जांच में फैट व स्नफ से दूध का रेट निर्धारित किया जाता है। पशुपालक दिनेश अपनी भैंस का दूध निजी कंपनी के दूध कलेक्शन सेंटर पर देते थे। कुछ दिन तक उन्हें 55 से 56 रुपये लीटर की दर से रुपये मिले। लेकिन बाद में घटकर 39 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया। पूछने पर कभी बताया जाता है कि फैट कम है तो कभी बताया जाता कि दूध में स्नफ कम है। इसी तरह संजय ने बताया कि कलेक्शन सेंटर वाले उनकी गाय के दूध का दाम कम करते जा रहे थे। पूछने पर कहते कि कीड़े की दवा नहीं खिला रहे हो इसलिए फैट और स्नफ कम आ रहा है। कीड़े की दवा खिलाने पर भी दूध का दाम नहीं बढ़ा तो संजय ने अपना दूध मिठाई की दुकान पर 48 रुपये लीटर में देना शुरू कर दिया। किसान रजनीश ने अपनी भैंस का दूध लेकर कलेक्शन सेंटर पर देना शुरू किया तो महीने भर में फैट व स्नफ की कमी बताकर दूध का दाम गाय से भी कम कर दिया गया। अब वह चाय की दुकान पर दूध देने लगे हैं। इसी तरह तमाम पशु पालकों की शिकायत है।

चेक करनी चाहिए मशीन

यदि 10 लीटर से अधिक दूध देने वाला पशु है तब तो उसका फैट घटने-बढ़ने की बात समझ में आती है। लेकिन चार-पांच लीटर से कम दूध देने वाले पशुओं में भी फैट कम होने की समस्या बार-बार आ रही है तो इसे नापने वाली मशीन को भी चेक कर लेना चाहिए। दूध देने वाले जानवरों को हर तीन महीने में कीड़े की दवा देना चाहिए। डॉक्टर की सलाह के मुताबिक कैल्शियम व मल्टीविटामिन भी देना चाहिए।

-संतोष शर्मा, पशु प्रसाधन अधिकारी

- दूध का सही दाम लेने के लिए काटते रहते हैं यहां-वहां का चक्कर

एक हजार रुपये देने पर होगी मशीन की जांच

दूध का फैट व स्नफ नापने वाली जिस मशीन को कई पशुपालक संदेह की नजर से देख रहे हैं वे उसकी जांच करा सकते हैं। खाद्य सुरक्षा के जिला अविहित अधिकारी ने बताया कि यदि किसी को शक है तो वह एक हजार रुपये ऑनलाइन जमा कराकर शिकायत करे। संबंधित कलेक्शन सेंटर पर दूध चेक करने वाली मशीन की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

डेढ़ माह से युवक का पीछा कर रहा सर्प, 5 बार डसा

संवाददाता, फतेहपुर

अमृत विचार। दोआबा के सौरा गांव से एक अजीबो-गरीब मामला सामने आया है। जहां के रहने वाले विकास द्विवेदी को डेढ़ माह के अंदर पांच बार सर्प ने डसा है। जिनका एक प्राइवेट हॉस्पिटल में उपचार चल रहा है। जब पीड़ित व्यक्ति से बातचीत की गई तो उसने हैरान कर देने वाली बात कही। विकास द्विवेदी का कहना है कि उसे जब भी सर्प ने डसा है तो शनिवार और रविवार का दिन था और सर्पदंश के पहले ही उसे इस चीज का प्रत्येक बार आभास हो जाता है। परिजनों ने बताया बेटे ने पहले ही हमें अवगत कराया था कि उसे भय लग रहा है। वह अनहोनी के संकेत मिलने लगते हैं।

इलाज करने वाले डाक्टर भी हैरान: जब विकास द्विवेदी का इलाज कर रहे डॉक्टर जवाहर लाल से वार्ता की गई तो उन्होंने बताया कि यह अजीब मामला सामने आया है। एक व्यक्ति को 5 बार सांप ने काटा जिसका पांचों बार मैंने उपचार किया। जब दो से तीन बार यह घटना हुई तो मैंने मरीज को गांव से बाहर रहने की सलाह दी। इसके बाद वह अपनी मौसी के घर रहा लेकिन उसके बावजूद भी सर्प ने उसे डस लिया है उसका इलाज किया गया है स्थित सामान्य है।

सांप के काटने से पीड़ित युवक।

- गांव छोड़कर रिश्तेदारी पहुंचा, वहां भी सर्प ने बनाया शिकार
- पीड़ित युवक ने किया हैरान कर देने वाला खुलासा

मौत की भगदड़

हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों से पोस्टमार्टम हाउस के बाहर बातचीत करते पुलिस अधिकारी। ● अमृत विचार

सत्संग के बाद चीख और चीत्कार, बिछीं लाशें

50 हजार से ज्यादा अनुयायियों की थी भीड़, निकलने की जल्दी में मची भगदड़

- चश्मीदीदों के मुताबिक, लोग एक-दूसरे को देख नहीं रहे थे, महिलाएं और बच्चे गिरते चले गए
- एटा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराए गए घायल, शवों का कराया जा रहा पोस्टमार्टम

संवाददाता, हाथरस

अमृत विचार: हाथरस जिले के गांव रतिभानपुर में मंगलवार को साकार हरि बाबा का एक दिवसीय सत्संग चल रहा था। वहां पर बच्चों के साथ महिलाएं और पुरुष बाबा का प्रवचन सुन रहे थे। लगभग पौने 2 बजे सत्संग खत्म हुआ, बाबा के अनुयायी बाहर सड़क की ओर जाने लगे।

बताया जा रहा है कि लगभग 50 हजार की संख्या में अनुयायियों को सेवादारों ने जहां थे, वहीं रोक लिया। सेवादारों ने साकार हरि बाबा के काफिले को वहां से निकाला। उतनी देर तक वहां अनुयायी गर्मी और उमस में खड़े रहे। बाबा के काफिले के जाने के बाद जैसे ही सेवादारों ने अनुयायियों को जाने के लिए कहा, वहां भगदड़ की स्थिति बन गई। गर्मी, उमस और भीड़ में दम घुटने से अनुयायी वहीं पर बेहोश होकर गिर गए। हादसे में अब तक 120 लोगों की मौत होने की बात कही जा रही है। मरने और घायल होने वालों में महिलाओं की संख्या ज्यादा है, साथ ही बच्चों के भी हताहत होने की जानकारी मिल रही है। हादसे के बाद घायलों को सिकंदराराऊ सीएचसी और एटा की ओर एम्बुलेंस से उपचार के लिए भेजा गया। रतिभानपुर में हुए हादसे के बाद स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट जारी कर दिया है। इमरजेंसी से लेकर पोस्टमार्टम हाउस में स्टाफ को तैनात रहने के निर्देश दिए गए हैं। जिले के अलग-अलग स्थानों से एम्बुलेंस को घटना स्थल के लिए भेजा गया है।

इस सत्संग में शामिल होने गए चश्मदीदों ने बताया कि मौके पर कैसा मंजर था। एक युवती ने बताया कि सत्संग में बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी हुई थी। सत्संग समाप्त हुआ और उसके बाद लोग वहां से जाने लगे। इसी दौरान निकलने की जल्दी में भगदड़ मच गई। लोग एक-दूसरे को देख ही नहीं रहे थे। महिलाएं और बच्चे गिरते चले गए। भीड़ उनके ऊपर से दौड़ रही थी। कोई बचाने वाला नहीं था। चारों ओर चीख पुकार मची हुई थी।

तीन किलोमीटर तक फैली थी वाहनों की संख्या

दरअसल, हर महीने की शुरुआत के पहले मंगलवार को भोले बाबा का सत्संग होता है। इस सत्संग में राजस्थान, मध्यप्रदेश, हरियाणा सहित कई राज्यों के लोग आए थे। भीड़ का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वाहनों की संख्या तीन किलोमीटर तक फैली हुई थी।

पुलिस में था दरोगा, नौकरी छोड़कर बना भोले बाबा

कार्यालय संवाददाता, कासगंज

अमृत विचार: जिन भोले बाबा के सत्संग के समापन पर हाथरस जिले में भगदड़ के बाद यह हादसा हुआ है, वे कासगंज जिले के पटियाली क्षेत्र तहसील क्षेत्र के गांव बहादुर नगर के रहने वाले हैं। पहले भी उनके सत्संग के बाद हादसे होते रहे हैं और जानें जाती रही हैं, लेकिन अनुयायियों में उनके प्रति अटूट आस्था बनी रही है। इस बार उनके सत्संग में मची भगदड़ से हुई तमाम मौतों के बाद अब तमाम परिवार टूट चुके हैं। पीड़ित परिवारों में मातम छाया हुआ है।

भोले बाबा पूर्व में पुलिस विभाग में सेवा दे चुके हैं, लेकिन उन्होंने स्वयं को भोले बाबा के नाम से संबोधित करने के लिए सत्संग का सहारा लिया और सत्संग करने लगे। धीरे-धीरे उन्हें लोग भगवान की तरह पूजने लगे। कासगंज जिले के गांव पटियाली तहसील क्षेत्र के गांव बहादुर नगर के रहने वाले भोले बाबा के सत्संग देश भर में होते हैं और वहां भीड़ उमड़ती है। यही कारण रहता है कि भीड़ के दौरान हादसों की आशंका भी बनी रहती है। हुआ भी यही। हाथरस में बड़ा हादसा हो गया। अब तमाम अनुयायी घायल होकर दर्द से कराह रहे हैं।

गत वर्ष गई थी 11 जानें

पिछले साल भोले बाबा का सत्संग पटियाली के बहादुर नगर में चल रहा था। यहां सत्संग से लौट रहे अनुयायी जब बदायूं मैनपुरी हाईवे पर पहुंचे तो ऑटो अनियंत्रित होकर बोलेरो कार से टकरा गया, जिसमें 11 अनुयायियों की मौत हुई थी। तब माहौल गमगीन बना रहा, लेकिन धीमे-धीमे अनुयायियों में फिर से आस्था जाग उठी।

बाबा के वालंटियर संभालते हैं व्यवस्था

भोले बाबा के सत्संग में बड़ी संख्या में अनुयायी उमड़ते हैं। यहां पुलिस तो व्यवस्था संभालती ही है, भोले बाबा के वालंटियर स्वयं भी व्यवस्था में जुटे रहते हैं। इस बार पुलिस के साथ-साथ वालंटियर की व्यवस्था भी फेल हो गई और यह बड़ा हादसा हो गया।

पहले भी हो चुके हैं कार्यक्रम

भोले बाबा का सत्संग शहर में बारह पत्थर मैदान पर कई बार हो चुका है। समीपवर्ती गांव मोहनपुरा में भी एक बार भोले बाबा का सत्संग हुआ था। भोले बाबा के सत्संग में लाखों की संख्या में अनुयायी उमड़ते हैं। स्टेशन से बस स्टैंड से लेकर सार्वजनिक स्थलों और कार्यक्रम स्थल पर भी बाबा के वालंटियर रहते हैं।

बड़ा सवाल

हादसे का जिम्मेदार कौन, किस पर होगी कार्रवाई

संवाददाता, हाथरस

हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों से बातचीत करते जिले के प्रशासनिक अधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: हाथरस जिले में भोले बाबा के सत्संग के समापन के दौरान मची भगदड़ से हुई मौतों का जिम्मेदार आखिर कौन है? यह एक बड़ा सवाल बन गया है। लापरवाही के मामले में किसके विरुद्ध मामला दर्ज होगा? हाथरस जिले में इस बड़े हादसे के बाद लोग एक-दूसरे से यही सवाल पूछ रहे हैं। लोग तरह-तरह की चर्चा कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि इस तरह के आयोजनों से पहले आयोजकों को बेहतर व्यवस्थाएं करनी चाहिए। शायद व्यवस्था में कमी रहने के कारण यह हादसा हो गया।

भोले बाबा के सत्संग में पहले भी हादसे होते रहे हैं, लेकिन कभी भी किसी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। किसी की जवाबदेही कभी भी तय नहीं की गई। इस बार जब एक बड़ा हादसा हुआ है तो कार्रवाई के संकेत तो दिखाई दे रहे हैं, लेकिन अभी किसी पर भी कार्रवाई होती नहीं दिख रही, न ही किसी का नाम सामने आ रहा है। वैसे तो लोगों का मानना है कि इस तरह के आयोजन के लिए आयोजक जिम्मेदार होने चाहिए और उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। हत्या के मामले के एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जानी चाहिए। हालांकि, सरकार की तरफ से आयोजकों के खिलाफ मामला दर्ज किए जाने के निर्देश दे दिए गए हैं, लेकिन प्रशासन की ढिलाई पर अभी कोई जवाब-तलब नहीं हुआ है।

प्रशासन से हुई चूकः आयोजन समिति

सत्संग आयोजन समिति से जुड़े महेश चंद्र ने कहा कि हमने जिला प्रशासन से अनुमति लेकर कार्यक्रम कराया था। कार्यक्रम में एक लाख से अधिक लोग मौजूद थे। जब कार्यकम खत्म हुआ तब भगदड़ मच गई। यह हादसा प्रशासन की कमजोरी की वजह से हुआ है। हाथरस में यह कार्यक्रम 13 साल बाद हुआ है। हमारे पास 3 घंटे की अनुमति थी। 1.30 बजे कार्यक्रम खत्म होने के बाद घटना हुई है। प्रशासन को अनगिनत श्रद्धालुओं के कार्यक्रम में आने की जानकारी दी गई थी। मौके पर एंबुलेंस नहीं थी। कार्यक्रम खत्म हुआ तो लोग एक साथ भागने लगे और भगदड़ मच गई। बरसात के मौसम में कीचड़ की वजह से लोग एक-दूसरे पर गिरने लगे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों से हादसे बारे में जानकारी लेते पुलिस अधिकारी। ● अमृत विचार

सत्संग में लगी थी ड्यूटी, शवों को देख कांस्टेबल को हुआ हृदयाघात

कार्यालय संवाददाता, एटा

- एटा के अवागढ़ थाने में क्यूआरटी ड्यूटी पर थी तैनाती

अमृत विचार: भोले बाबा के सत्संग में व्यवस्था संभालने के लिए ड्यूटी पर तैनात पुलिस आरक्षी की भी मौत हो गई। आरक्षी की मौत भगदड़ से नहीं, बल्कि हृदयाघात से हुई है। बताया जा रहा है कि सत्संग स्थल पर उन्होंने तमाम शवों को पड़ा देखा तो हार्टअटैक आ गया और वह अपनी जान गंवा बैठे। आरक्षी की मौत से उनके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

अलीगढ़ जिले के थाना बन्ना देवी क्षेत्र के सिद्धार्थनगर निवासी रवि कुमार मृतक आश्रित में 2014 में आरक्षी पद पर भर्ती हुए थे। पुलिस लाइन एटा में भर्ती हुई और तैनाती अवागढ़ थाने में क्यूआरटी ड्यूटी पर थी। उन्हें भोले बाबा के सत्संग में व्यवस्था देखने के लिए लगाया गया था। वह मौके पर मौजूद थे। भगदड़ का माहौल था तो उन्होंने काफी प्रयास किया, लेकिन जब शवों को पड़ा देखा तो सुध-बुध खो बैठे और जमीन पर गिर पड़े। उन्हें आनन फानन में अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मत घोषित कर दिया। चिकित्सकों ने बताया कि हृदयाघात से आरक्षी की मौत हुई है।

घर से हंसते गाते निकले थे सत्संग के लिए। परिजनों को क्या पता था कि वह दोबारा मिलेंगे भी तो ऐसे हाल में.... भगदड़ में अपनों को खोने के बाद अस्पताल परिसर में विलाप करतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

बेटी खो बैठे मां-बाप, कासगंज के तीन अन्य अनुयायियों की भी मौत

कार्यालय संवाददाता, कासगंज

- गांव बहोट, प्यारमपुर, सलेमपुर नगला खन्जी में पसरा मातम

अमृत विचारः हाथरस में हुए हादसे में कासगंज जिले के चार सत्संगियों ने भी जान गंवाई है। शव एटा भेजे गए हैं, जहां पोस्टमार्टम गृह पर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था।

गांव बहोट निवासी प्रियंका अपने पिता रामसेवक और मां गुड्डो देवी के साथसत्संग सुनने गई थी। वह भी भगदड़ में फंस गई और भीड़ के पैरों तले दबकर जान चली गई। काफी देर तक मां-बाप अपनी बेटी को ढूंढते रहे। उसके बाद बेटी का शव पड़ा मिला। फिर तो माता-पिता का रो-रो कर बुरा हाल हो गया।

प्रियंका

हादसे में पटियाली के गांव प्यारमपुर निवासी सोमवाती पत्नी सत्य प्रकाश, रेवती पत्नी छोटे एवं गांव सलेमपुर निवासी मीनू देवी पत्नी मदन गोपाल की भी मौत हो गई। वही प्यामपुर निवासी गोविंद सागर की पत्नी ज्ञान देवी एवं निखिल पुत्र गोविंद सागर घायल हुए हैं। देर रात सोरों क्षेत्र के गांव नगला खन्जी निवासी 38 वर्षीय सीमा की उपचार के दौरान मौत हो गई है। गांव खरपरा गांव से भी दर्जनों लोग भोले बाबा का सत्संग सुनने के लिए सिकंदराराऊ गए हुए थे। ये सभी लोग सुरक्षित हैं।

खरपरा से भी गए थे दर्जनों लोग

कासगंज जिले के गांव खरपरा गांव से भी दर्जनों लोग भोले बाबा का सत्संग सुनने के लिए सिकंदराराऊ गए हुए थे। हालांकि, ये सभी लोग सुरक्षित हैं, लेकिन जिले के चार लोगों की मौत के बाद ये लोग गम में डूबे हैं।

पड़ोसी जिलों में भी फूल गई स्वास्थ्य विभाग की सांस

- व्यवस्थाओं के नाम पर सिर्फ दिखाई दी औपचारिकता
- पोस्टमार्टम हाउस के बाहर घंटों पड़े रहे शव

संवाददाता, हाथरस

हाथरस के सिकंदराराऊ अस्पताल परिसर में शव की पहचान करते परिजन।

अमृत विचार: हाथरस के सिकंदराराऊ में हुए हादसे के बाद पड़ोसी जिलों एटा और अलीगढ़ जिले के स्वास्थ्य विभाग की भी सांस फूल गई। यहां संसाधन जवाब दे गए। घायलों के लिए स्ट्रेचर नहीं थे तो मृतकों के शव पोस्टमार्टम गृह के बाहर पड़े रहे। लोग अपने सगे-संबंधियों के शव को पहचानने में जुटे रहे। हालांकि, स्वास्थ्य विभाग का अलर्ट भी कोई राहत नहीं दे पाया।

जैसे ही हादसे की खबर शासन को मिली तो शासन ने पड़ोसी जिला एटा और अलीगढ़ के स्वास्थ्य विभाग को अलर्ट जारी किया। स्वास्थ्य विभाग भी सतर्क हो गया और व्यवस्थाएं चाक-चौबंद की जाने लगी। स्ट्रेचर की व्यवस्था बनाई जा रही थी, लेकिन जब घायल पहुंचने लगे तो स्ट्रेचरों कम पड़ गई। इतना ही नहीं, पोस्टमार्टम गृह में शवों के रखने का भी इंतजाम नहीं था। शवों को पोस्टमार्टम गृह के बाहर ही रखा गया। शव तितर-बितर पड़े थे। लोग स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्थाओं को कोस रहे थे, लेकिन विभाग बेबस था।

दिखाई दी अमानवीयता

शवों को बेकद्री से फेंक दिया गया था, जिससे अमानवीयता भी दिखाई दे रही थी। हालांकि, जब लोगों में आक्रोश दिखाई दिया तो पोस्टमार्टम गृहों में शवों के रखने का इंतजाम किया गया। घंटों बाद शवों को पोस्टमार्टम गृह में रखा गया।

घायलों को उपचार देना प्राथमिकताः एडीजी

आगरा जोन की एडीजी अनुपमा कुलश्रेष्ठ ने कहा कि घायलों को उपचार देना पहली प्राथमिकता है। यह बहुत दर्दनाक हादसा है। इसको लेकर हम सबकी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। सरकार स्वयं निगरानी कर रही है। कंट्रोल रूम सक्रिय है और हेल्पलाइन नंबर जारी कर दिए गए हैं। सभी एंबुलेंस लाइन अप कर दी गई है। मामले में जांच की जा रही है। अधिकांश मौत महिलाओं की हुई है। देर रात तक स्पष्ट हो सकेगा कुल कितनी मौतें हुई हैं। वैसे तो अब तक लंबे लगभग 90 मौत हो चुकी हैं।

अस्पताल में भर्ती भगदड़ में घायल हुई महिला से जानकारी लेते पुलिस अधिकारी। ● अमृत विचार

एक नजर

कई आईएएस अधिकारियों का हुआ स्थानांतरण

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने मंगलवार को कई आईएएस अफसरों के तबादले कर दिये। विशेष सचिव दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग अजीत कुमार को विशेष सचिव कृषि उत्पादन आयुक्त शाखा बनाया गया है। सदस्य न्यायिक राजस्व परिषद लखनऊ अमरनाथ उपाध्याय को विशेष सचिव दिव्यांगजन सशक्तिकरण बनाया गया है। प्रतीक्षारत रहे अर्पित उपाध्याय को मुख्य विकास अधिकारी रायबरेली बनाया गया है। विशेष सचिव वित्त समीर वर्मा का आईजी कारागार में किया गया तबादला रद्द कर दिया गया है। अपर आयुक्त प्रशासन परिवहन लखनऊ नरेंद्र सिंह को अपर आयुक्त लखनऊ मंडल बनाया गया है।

अपनी जमीन पर होगा होमगार्ड विभाग का कार्यालय

डीपी शुक्ल, लखनऊ

अमृत विचार, लखनऊः कानून व्यवस्था में अहम भूमिका निभाने वाले होमगार्ड विभाग का कार्यालय अब यूपी के हर जिले में अपनी जमीन पर होगा। इसके लिए विभाग को शासन ने सहमित प्रदान कर दी है। यही नहीं तृतीय और चर्तुथ श्रेणी के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए मुख्यालय पर आवासीय व्यवस्था भी अन्तिम रूप में है।

होमगाड्र्स विभाग में कुल एक लाख अट्ठारह हजार तीन सौ अड़तालीस पद स्वीकृत पद है, जिसमें वर्तमान समय 76,500 अधिकारी और कर्मचारी कार्य कर रहे हैं। कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त रखने के लिए जनपदीय पुलिस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर होमगार्ड के जवान देखे जाते हैं। जहां एक तरफ यूपी की डायल-112 में करीब सात हजार होमगार्ड ड्यूटी कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर कानपुर कमिश्नरेट में चार हजार पांच सौ होमगार्ड यातायात और कानून व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसी तरह लखनऊ कमिश्नरेट में भी तीन हजार पांच सौ होमगार्डों से सेवा ली जा रही है। सुरक्षा व्यवस्था में सक्रिय भूमिका निभाने वाले इन होमगार्ड का कार्यालय अभी तक किराए के भवनों में ही चल रहा था।

प्रत्येक जिले में अपनी भूमि पर होमगार्ड विभाग का कार्यालय होगा। शासन से स्वीकृत मिलने के बाद हर एक मुख्यालय पर कार्यालय के लिए जमीन खरीदी जा रही है। कुल 41 जिलों में खुद की जमीन पर कार्यालय स्थापित हो चुके हैं, शेष जिलों में यह कार्य प्रगति पर है। जनपदीय पुलिस लाइन में बने आवासों की तरह होमगार्ड विभाग में भी तृतीय और चर्तुथ श्रेणी के अधिकारियों और कर्मचारियों के रहने के लिए मल्टी स्टोरी फ्लैट का कार्य प्रस्तावित है, शीघ्र ही इसे अन्तिम रूप दिया जायेगा। **-बिजय कुमार मौर्य, डीजी होमगार्ड**

मुख्यालय स्तर पर बनाये जा रहे आवासीय भवन

जानकारी के मुताबिक होमगार्ड विभाग के तृतीय और चर्तुथ श्रेणी के अधिकारियों और कर्मचारियों के रहने के लिए मुख्यालय स्तर पर आवासीय भवन बनाये जा रहे हैं, इसके लिए सरकार ने विभाग को पर्याप्त बजट भी मुहैया कराया है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में दो मंडलीय प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना के साथ साथ कुछ जिलों में खुद की भूमि पर होमगार्ड विभाग का कार्यालय खुल चुका है।, शेष जनपदों में जमीन क्रय करके कार्यालय बनवाने का कार्य प्रगति पर है। इसके अलावा केन्द्रिय प्रशिक्षण संस्थान लखनऊ में बहुमंजिला आवासीय भवनों का निर्माण भी प्रस्तावित है।

अवैध घुसपैठ कराने वाले गिरोह का 10वां सदस्य गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊः उप्र. एटीएस ने मंगलवार को उत्तर 24 परगना पश्चमी बंगाल से इनामी अभियुक्त अब्दुल्ला गाजी को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि अब्दुल्ला गाजी उस गिरोह का हिस्सा है, जो भारत में अवैध तरीके से रोहिंग्याओं की घुसपैठ कराता है। बतादें कि इस गिरोह से जुड़े 9 सदस्यों को एटीएस अब तक गिरफ्तार कर चुकी है।

एटीएस अधिकारियों के मुताबिक इस गिरोह में शामिल अन्य अभियुक्तों की तलाश जारी है। उन्हें भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

फतेहपुर की खागा तहसील के एसडीएम निलंबित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः फतेहपुर की खागा तहसील के एसडीएम अतुल कुमार को किसान की फरियाद अनसुनी करना भारी पड़ गया। मुख्यमंत्री के निर्देश पर एसडीएम को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही, विभागीय कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिये गये हैं। निलंबित एसडीएम को आयुक्त एवं सचिव राजस्व परिषद कार्यालय से संबद्ध किया गया है।

फतेहपुर के ग्राम पाई के किसान रविकरन सिंह ने 15 जून को संपूर्ण समाधान दिवस पर तहसील खागा में एसडीएम अतुल कुमार को भूमि विवाद संबंधी प्रार्थना पत्र दिया था। एसडीएम अतुल कुमार ने मामला गंभीर होने के बाद भी शिकायत का ससमय व गंभीरतापूर्वक निस्तारण नहीं किया। ऐसे में मामले की जांच मंडलायुक्त प्रयागराज और पुलिस महानिरीक्षक प्रयागराज परिक्षेत्र को सौंपी गई। दोनों अधिकारियों ने अपनी जांच रिपोर्ट में एसडीएम अतुल कुमार को दोषी ठहराया। इस पर मुख्यमंत्री ने एसडीएम अतुल कुमार को निलंबित कर दिया।

▸▸ मुख्यमंत्री ने दिए विभागीय कार्रवाई के निर्देश

स्पेशल इन्वेस्टमेंट रीजन एक्ट लागू करने वाला चौथा राज्य होगा उप्र.

वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को हासिल करने के प्रस्ताव को मिली मंजूरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को हासिल करने और बड़े निवेश को आकर्षित करने के लिए राज्य में स्पेशल इन्वेस्टमेंट रीजन (एसआईआर) एक्ट को लागू करने का निर्णय लिया गया है। लोकभवन में मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिमंडल बैठक में स्पेशल इन्वेस्टमेंट रीजन एक्ट के इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इस तरह का एक्ट अभी तक तीन राज्यों में है, जिनमें गुजरात, राजस्थान और कर्नाटक शामिल हैं। इस तरह इस एक्ट को लागू करने वाला उप्र. चौथा राज्य बन जाएगा।

इस एक्ट को निर्माण (नोडल इन्वेस्टमेंट रीजन फॉर मैन्युफैक्चरिंग) एक्ट नाम दिया गया है। इसके माध्यम से देश और दुनिया के बड़े-बड़े निवेशकों को उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आकर्षित किया जा सकेगा। सरकार के इस निर्णय से ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही आर्थिक विकास को गति मिलेगी, जबकि जन सामान्य को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे।

मंत्रिमंडल में लिए गए फैसलों की जानकारी देते मंत्री सूर्य प्रताप शाही और सुरेश खन्ना।

चार भौगोलिक क्षेत्रों में बनेंगे एसआईआर

प्रमुख सचिव औद्योगिक विकास अनिल कुमार सागर ने बताया कि यह एक्ट बनाने का उद्देश्य बड़े-बड़े इन्वेस्टमेंट रीजन बनाना और उन्हें कानूनी संरक्षण प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का जो लक्ष्य रखा है, उसके लिए आवश्यक है कि हमें बड़े-बड़े इन्वेस्टमेंट रीजन बनाने होंगे। उन्होंने बताया कि अभी हमने एक्ट में इन्वेस्टमेंट के लिए लैंड की मिनिमम लिमिट निर्धारित नहीं की है, लेकिन जैसे हमने बुंदेलखंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी की स्थापना की है, जिसके लिए 5 हजार हेक्टेयर का एरिया रखा है उसी तरह स्पेशल इन्वेस्टमेंट रीजन में भी बड़ा एरिया रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रस्ताव के अनुसार उत्तर प्रदेश में कम से कम चार ऐसे स्पेशल इन्वेस्टमेंट रीजन बनाए जाएंगे, जो राज्य के चारों भौगोलिक क्षेत्रों में होंगे। उन्होंने बताया कि हमारे पास लैंड बैंक की उपलब्धता काफी है, लेकिन यदि आवंटन के लिए लैंड बैंक की बात करें तो करीब 20 हजार एकड़ के आसपास लैंड बैंक उपलब्ध है।

लखनऊ और वाराणसी में बनेंगे मल्टीपरपज हॉल

औद्योगिक निवेश के अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देने के क्रम में इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गनाइजेशन एवं एमएसएमई के मध्य समझौता ज्ञापन किए जाने को लेकर भी प्रस्ताव को कैबिनेट द्वारा मंजूरी प्रदान की गई। वित्त एवं संसदीय मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि जिस तरह से राजधानी दिल्ली में भारत मंडपम बना है, उसी तरह लखनऊ और वाराणसी में इस प्रकार का बड़ा कंवेंशन सेंटर या मल्टीपरपस हॉल बनाया जाएगा जहां एमएसएमई से जुड़े लोग अपने-अपने उत्पादों का डिस्प्ले कर सकेंगे।

अन्य प्रस्तावों को भी मंत्रिमंडल ने दिखायी हरी झंडी

- पशुधन कुक्कुट एवं मत्स्य आहार प्रोत्साहन नीति 2024, व उप्र. चारा नीति 2024 को मंजूरी।
- दुग्धापादन के लिए अच्छी नस्ल की गायों के वृद्धि के लिए आहार नीति लाई गई है।
- कानपुर देहात में माध्यमिक शिक्षा विभाग की 5 एकड़ भूमि को समाज कल्याण विभाग को हस्तांतरित करने को मंजूरी।
- औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन को एमएसएमई के साथ आईटीपीओ के साथ एमओयू को मंजूरी।
- इसके तहत लखनऊ वाराणसी में भारत मण्डपम दिल्ली की तर्ज़ पर कन्वेंशन सेंटर बनाने पर कार्य होगा।
- स्पेशल इन्वेस्टमेंट रीजन एक्ट बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी, उप्र. देश का चौथा राज्य होगा जिसमें यह एक्ट लागू होगा।
- वर्तमान ने तीन राज्य (गुजरात, कर्नाटक, राजस्थान) राज्यों में यह एक्ट है।
- उप्र. एग्रीटेक नीति-2024 को हरी झंडी।

अन्तरराष्ट्रीय स्तर के व्यापार मेलों की तैयारी

अमृत विचार, लखनऊः मंत्रिपरिषद ने केन्द्र सरकार की संस्था इण्डिया ट्रेड प्रमोशन आर्गनाइजेशन (आईटीपीओ) और उप्र. सरकार के सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम व निर्यात प्रोत्साहन विभाग (निर्यात प्रोत्साहन ब्यूरो के माध्यम से) के बीच एक समझौता किए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। दरअसल, इण्डिया ट्रेड प्रमोशन आर्गनाईजेशन द्वारा नई दिल्ली में भारत मण्डपम के रूप में एक उत्कृष्ट कोटि की अवस्थापनात्मक सुविधा स्थापित की गयी है, जहां राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर के व्यापार मेलों का आयोजन किया जाता है।

इस संस्था को ऐसी अवस्थापनात्मक सुविधा निर्मित करने तथा व्यापार मेलों का आयोजन करने में दक्षता प्राप्त है। इस क्रम में उत्तर प्रदेश में भी उच्च कोटि की अवस्थापनात्मक सुविधाएं स्थापित करने के लिए आईटीपीओ का तकनीकी सहयोग अब लिया जाएगा। इसके लिए उनकी सहायता से संयुक्त रूप से एक स्पेशल परपज व्हीकल का निर्माण किया जा सकता है।

वहीं मंत्रिपरिषद ने पशुपालन विभाग, उप्र. चारा नीति (वर्ष 2024 से 2029 तक) क्रियान्वित कराए जाने सम्बन्धी प्रस्ताव को पारित कर दिया है।

बेहतरीन पारी खेलिए, कुछ नया कीजिए : योगी

राजधानी स्थित सरकारी आवास पर प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों के साथ मुख्यमंत्री योगी। अमृत विचार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अपने सरकारी आवास पर भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयनित प्रशिक्षु अधिकारियों (2023 बैच) से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए उनका मार्गदर्शन भी किया। उन्होंने कहा कि संवाद, अच्छा व्यवहार और अपने कार्यों में शुचिता बनाए रखें, इससे हर समस्याओं का समाधान होगा। मुख्यमंत्री ने प्रशिक्षण के दौरान फील्ड में किए गए कार्यों के बारे में भी अधिकारियों से जानकारी ली। सीएम ने शुभकामनाएं देते हुए बोले कि बेहतरीन पारी खेलिए और कुछ नया कीजिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में संवाद सबसे बड़ी ताकत है। फील्ड में जब भी जाएं तो आमजन से संवाद स्थापित करें।

▸▸ प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों से कहा कि लोकतंत्र में संवाद सबसे बड़ी ताकत

इन्होंने की मुलाकात

प्रशिक्षु अधिकारी अनुभव सिंह, दीपक सिंहवाल, गुंजिता अग्रवाल, ईशिता किशोर, काव्या सी, महेंद्र सिंह, चलुआ राजू, नारायणी भाटिया, नितिन सिंह, रिंकू सिंह राही, साहिल कुमार, साईं आश्रित शाखामूरी, शिशिर कुमार सिंह, स्मृति मिश्रा, स्वाति शर्मा और वैशाली ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की। इस मौके पर कई अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

बहोरन लाल का निर्विरोध निर्वाचित होना तय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः विधान परिषद की खाली एक सीट के उप चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया के आखिरी दिन मंगलवार को भाजपा प्रत्याशी बहोरन लाल मौर्य ने नामांकन किया। इस सीट के लिए मतदान व मतगणना 12 जुलाई को निर्धारित है, पर सपा की ओर से कोई प्रत्याशी न उतारे जाने से मौर्य का निर्विरोध निर्वाचित होना तय माना जा रहा है।

नामांकन के मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मौर्य चुनाव जीतकर विधान परिषद में पहुंचेंगे और आम लोगों की समस्याओं को सदन में प्रमुखता से रखेंगे। नामांकन दाखिल के दौरान मुख्यमंत्री के अलावा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, मंत्री सुरेश खन्ना, स्वतंत्र देव सिंह, जेपीएस राठौर, कपिल देव अग्रवाल, बलदेव सिंह औलख आदि मौजूद रहे।

भाजपा प्रत्याशी बहोरन लाल मौर्य का नामांकन कराते मुख्यमंत्री योगी, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक। अमृत विचार

▸▸ विधान परिषद के उपचुनाव के नामांकन के आखिरी दिन भाजपा प्रत्याशी ने किया

विधान परिषद की इस सीट का कार्यकाल जुलाई 2028 तक होगा। पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य के इस्तीफा देने से यह सीट खाली हुई है। सपा प्रमुख अखिलेश से अनबन होने के कारण मौर्य ने सपा से इस्तीफा दे दिया था, बाद में उन्होंने परिषद के सदस्य पद से भी इस्तीफा दे दिया था।

सपा ने नहीं उतारा प्रत्याशी

सपा ने इस उप चुनाव के लिये अपना प्रत्याशी नहीं उतारा। इस सीट पर विधानसभा सदस्यों की ओर से मतदान होना है। वर्तमान में विधानसभा में भाजपा के 251, सहयोगी अपना दल-सोनेलाल के 13, राष्ट्रीय लोकदल के आठ, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के छह और निषाद पार्टी के पांच विधायक हैं। मुख्य विपक्षी दल सपा के 105 और उसकी सहयोगी कांग्रेस के दो विधायक हैं। इसके अलावा जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के दो व बहुजन समाज पार्टी के एक विधायक हैं। विधानसभा में इस वक्त 10 सीट रिक्त हैं। विधान परिषद के 100 सदस्यीय सदन में इस वक्त भाजपा के 78 और सपा के 10 सदस्य हैं। इसके अलावा अपना दल-सोनेलाल, निषाद पार्टी, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक, राष्ट्रीय लोकदल और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी व शिक्षक दल के एक-एक और चार निर्दलीय सदस्य हैं।

ओडिशा में सम्मानित हुए आईपीएस डॉ. अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊः ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय कोरापुट में आयोजित हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग के 75वें तीन दिवसीय अमृत महोत्सव के राष्ट्रीय अधिवेशन में उप्र. पुलिस के डीआईजी डॉ अखिलेश निगम को सम्मानित किया गया। साथ ही उनकी निबंध कृति, हिंदी भाषाः संक्रमण काल एवं भविष्य, का लोकार्पण भी किया गया।

यह कार्यक्रम हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयागराज एवं ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था, जिसमें डॉ अखिलेश (अखिल) को हिंदी साहित्यकार एवं भाषाविद के रूप में आमंत्रित भी किया गया था। इस मौके पर राष्ट्रभाषा परिसंवाद के अंतर्गत एक देश एक राष्ट्रभाषा विषय अपनी बात रखते हुए भारतीय भाषाओं में एकता स्थापित करने पर जोर दिया।

वर्ग पहेली-119

बाएं से दाएं

1. 1. किसी कार्य को मन लगाकर करने की क्रिया 2. मन की एकाग्रता 3. (दो या अधिक) हृदयों की एकता।

4. 1. कपड़ा रंगने का काम 2. कपड़ा रंगना।

7. 1. साफ़ करना 2. बरतन या कपड़ों को साफ़ करने के लिए पानी में डुबोकर तेज़ी से हिलाना-डुलाना 3. ख़ाली करना 4. किसी बात की जानकारी के लिए की गई छानबीन 5. सब कुछ ले लेना, सफ़ाया करना।

ऊपर से नीचे

1. 1. आशय, तात्पर्य, मतलब 2. प्रयोजन, मकसद, उद्देश्य 3. संकल्प, इरादा, इच्छा।

2. 1. सौंफ से बनी हुई एक प्रकार की शराब 2. एक प्रकार की बीड़ी जिसकी सुरती में सौंफ का अर्क पड़ा हो।

3. ऊंचाई, उच्चता।

5. दूसरी जाति।

6. सूत आदि का काता जाना।

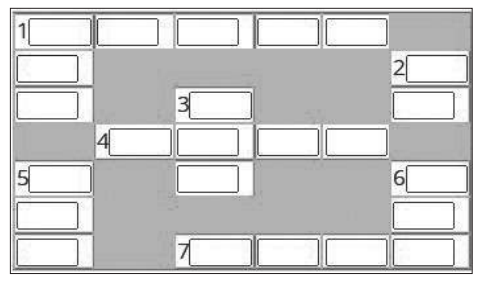

वर्ग पहेली-118 का हल

1 आ	रो	पी		2 सी	ड़
जि			3 ज़िं		
ज़		4 आ	दा	ता	
	5 ड		दि		6 गो
	7 प	ग	ली		पी
	ट				
		8 मे	घा	व	रि

सुडोकू-32

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			4		5		9	6
			8		1		5	
3		6		2		4		
5			1			9		8
	9						2	
7		2			4			3
		4		1		6		5
	7		5		3			
2	1		6		7			

सुडोकू-31 का हल

2	6	1	8	9	4	5	7	3
8	7	4	2	3	5	6	1	9
9	3	5	6	1	7	2	4	8
6	4	8	5	7	1	9	3	2
1	2	7	3	6	9	8	5	4
3	5	9	4	8	2	1	6	7
5	9	6	7	4	8	3	2	1
4	8	2	1	5	3	7	9	6
7	1	3	9	2	6	4	8	5

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 3 जुलाई बुधवार 2024 संवत-2081, शक संवत 1946 मास-आषाढ़, पक्ष-कृष्ण पक्ष, तिथि-द्वादशी 07.10 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

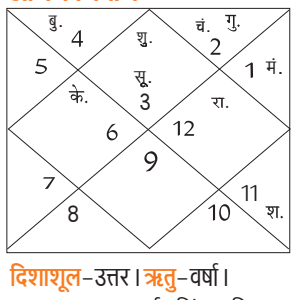

दिशाशूल-उत्तर। **ऋतु**-वर्षा।
चन्द्रबल-वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-रोहिणी 04.47 तक तत्पश्चात मृगशिरा।

मेष

आज आप कहीं घूमने जाने का प्लान कर सकते हैं। व्यवसाय में धन लाभ के अवसर मिलेंगे लेकिन चुनौतियां भी रहेंगी। सहकर्मियों के प्रति मन में असंतोष उमड़ सकता है। अनावश्यक बातों को बार-बार दोहराने से बचना चाहिए। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा।

वृष

आज आप समय का सदुपयोग करेंगे। आपको अपनी कार्यशैली में बदलाव करना पड़ सकता है। व्यापार के नए प्रस्ताव मिल सकते हैं। छात्रों का मन पढ़ाई में लगेगा। आपके दिमाग में नए विचार आयेंगे। वैवाहिक जीवन आनन्ददायक रहेगा।

मिथुन

आज अपनी दिनचर्या को संयमित रखें। गुप्त शत्रुओं से सावधान रहना होगा। घर और कारोबार में तालमेल में कमी हो सकती है। विदेश में रह रहे किसी परिजन के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। बुरी आदतों की तरफ आपका झुकाव हो सकता है।

कर्क

आज आपकी सोच काफी सकारात्मक रहेगी। कुछ नया सीखने का प्रयास करेंगे। लंबे समय से अटका हुआ कोई छोटा कार्य किसी मित्र के सहयोग से पूर्ण हो सकता है। खर्चों पर नियंत्रण पाने की आवश्यकता है। कारोबार में आय बढ़ने के योग बन रहे हैं।

सिंह

आज कारोबार की योजनाओं को भविष्य में टालने के बजाय शीघ्रातिशीघ्र क्रियान्वित करने का प्रयास करें। अपनी योग्यता को सिद्ध करने में सफल होंगे। परिवार का वातावरण शान्तिमय रहेगा। करियर को लेकर आप काफी प्रसन्न रहेंगे।

कन्या

आज कार्यक्षेत्र में अधिकारी वर्ग के लोग आपकी प्रशंसा करेंगे। युवा छात्रों को अपने करियर को लेकर कुछ परेशानी हो सकती है। लेकिन आपका मूड हल्का हो सकता है। अपनी उपलब्धियों के विषय में विचार करें व उसके अनुसार योजना बनाएं।

तुला

आज अति उत्साह में आपका काम बिगड़ सकता है। व्यवसायिक गतिविधियां समय पर पूर्ण नहीं होंगी। सरकारी अधिकारियों के कारण परेशानी उठानी पड़ सकती है। रिश्तेदारों के साथ अपने संबंध खराब न करें। खानपान में काफी संयम रखने की आवश्यकता है।

वृश्चिक

आज आप लोगों की मदद करने में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे। बीमा या किसी पॉलिसी आदि से लाभ हो सकता है। जीवनसाथी की सेहत को लेकर समस्या दूर होगी। किसी दूर स्थान की यात्रा हो सकती है। नई जॉब की शुरुआत होने के योग बन रहे हैं।

धनु

आज यदि किसी कारणवश जीवनसाथी के साथ मनमुटाव है तो आज शाम को वो झगड़ा सुलझा सकते हैं। अपनी समस्याओं के लिए दूसरों को जिम्मेदार न ठहरायें। शेयर और स्टॉक मार्केट से आपको धन लाभ हो सकता है। परिवार जनों का भरपूर साथ मिलेगा।

मकर

आज आप भरपूर मात्रा में जल का सेवन करें। मित्रों से मतभिन्नता हो सकती है। रियल एस्टेट से जुड़े व्यापार में हानि हो सकती है। दस्त और कमजोरी लगने जैसी समस्या का शिकार हो सकते हैं। आपको झूठ और चुगलखोरी वाले व्यवहार से बचना चाहिए।

कुंभ

आज किसी भी कार्य को करने से पहले उसकी रूपरेखा अवश्य बना लें। अधीनस्थ कर्मचारी आपके व्यवहार के कारण नाराज हो सकते हैं। घर का माहौल अच्छा रहेगा। सभी कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से करें। व्यक्तिगत जरूरतों में किसी खर्च के कारण कटौती करनी पड़ सकती है।

मीन

आज नए प्रकल्पों में आप रुचि ले सकते हैं। विदेश में रह रहे मित्रों से फोन पर चर्चा हो सकती है। बौद्धिक चर्चाओं में व्यस्त रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रशंसा होगी। काम का दबाव कम होने से आपका दिन अच्छे से बीतेगा। आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

आज की फिल्में

B4U MOVIES
- लश्कर सुबह : 08.42
- सनम तेरी कसम रात : 08.21

&pictures
- जीनियस सुबह : 08.18
- जुदाई रात : 07.30

SONY PIX
- बैटमैन बिगिन्स सुबह : 10.45
- स्पाइडर मैन शाम : 06.16

ZEE CINEMA
- तमिलारसन सुबह : 08.49
- इंस्पेक्टर बजरंगी शाम : 05.43

colors CINEPLEX
- प्रोफेसर सुबह : 11.54
- एयरलिफ्ट रात : 08.28

आज की सुपरहिट फिल्म

बीफोरयू मूवी पर रात : 08.21 बजे

जोक्स ऑफ द डे

मां- कल आधी रात को कमरे में आकरबोली- बेटा तुझे पता है कि पेट्रोल सस्ता हो गया है?
बेटा- हां मां फिर?
मां- चुपचाप फोन बंद करके सो जा नहीं तो तेरे इसी फोन पर पेट्रोल डाल के आग लगा दूंगी।

लड़की-क्या करते हो?
लड़का-नारी सम्मान सेवा पर काम करता हूं
लड़की- वाह सोशल वर्कर हो?
लड़का -नहीं, फेसबुक पर लड़कियों की फोटो लाइक करता हूं।

मैंथा बाजार भाव

रामपुर-शिवालिक 925 फ्लैग 1035 डीएमओ 825 बोल्ड 1100, सम्भल-चन्दौसी-शिवालिक 900 फ्लैग 1055 बोल्ड 1100 डीएमओ 830।

कानपुर मंडी

अनाज (प्रति क्वि.)-

गेहूंदड़ा	2400-2410
आरआर 21	2550-2600
गेहूंफ़ारम	2600-2700
जौ	2000 -2100
ज्वार	2000 -4000
बाजरा	2100-2150
मकाई	2200 -2400

दलहन (प्रति क्वि.)

लोकल	मिल डिलीवरी
चना	6500 -6600
अरहर	9000 -10000
मसूर	5500 -5600
मटर	3700 -4000
उड़दहरा	11000 -11500
उड़दकाला	8000 -9000
मूंग	7800 -8000

दाल (प्रति क्वि.)

अरहरफूल	16600-16700
अरहरस्पेशल1	14300-14400
चनादाल	7900-8100
मटरदाल	4600-4700
मसूरमलका	7250-7300
मसूरदाल	7400-7450
उड़द्दाल	9000- 13000
उड़द धोवा	10000- 13000
मूँगदाल	8100 -9700
मूँग धोवा	9700-11000

चावल (प्रति क्वि.)

अरवा	2000 - 2300
बासमती नं.1	8500 - 10000
सेला	2500 - 3000
बासमती नं.2	6500 - 7500

आटा-मैदा (प्रति 50 किग्रा.)

आटा	1400-1460
मैदा	1380-1460
सूजी	1440-1460

चक्कीआटा (ब्राण्डेड 50 किग्रा.)

शाहपसंद	1360-1400

तिलहन (प्रति क्वि.)

लाही	5600-5800
अलसी	4500 -4600 रुपये।

मलिहाबादी दशहरी का दीवाना हुआ जर्मनी

इंडो-जर्मन सरकार के सहयोग से ग्लोबल गैप दूर करके पहले निर्यात के लिए पसंद आया आम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- आज जर्मन के राजदूत व अपर कृषि सचिव टीम के साथ मलिहाबाद का करेंगे भ्रमण
- निर्यात करने वाले 10 बागवानों को प्रोत्साहित करके उनसे और निर्यात की करेंगे मांग

अमृत विचार : इंडो-जर्मन सरकार के सहयोग से यूरोपीय देशों में लखनऊ के मलिहाबादी दशहरी आम के निर्यात की राह आसान हो गई है।

एग्री कल्चर मार्केटिंग डेवलपमेंट (एएमडी) प्रोडेक्ट के तहत ग्लोबल गैप दूर करके पहली बार 14 जून को जर्मनी गया आम वहां के लोगों को खूब भाया है और बराबर निर्यात के लिए बुधवार को जर्मन के राजदूत डॉ. फिलिप एकरमैन, अपर कृषि सचिव फैज अहमद किदवई (कृषि मंत्रालय) टीम के साथ मलिहाबाद आएंगे। जो एग्री कल्चर मार्केटिंग डेवलपमेंट और कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार निदेशालय के अधिकारियों के साथ बागों का भ्रमण करके आमों की विशेषता जानेंगे। साथ ही आम निर्यात करने वाले 10 बागवानों को प्रोत्साहित करके उनसे और निर्यात की मांग करेंगे।

जर्मनी ने दिया था ग्लोब गैप का प्रशिक्षण: यूरोपीय देशों में कृषि उत्पाद के कठिन निर्यात के मानकों के कारण फल और सब्जियों का निर्यात नहीं होता है। इसे ग्लोबल गैप कहते हैं, जिसे दूर करने के लिए जनवरी में जर्मनी के विशेषज्ञों ने लखनऊ समेत 14 जिलों के 25 एफपीओ को फल और सब्जी के लिए ग्लोबल गैप का विश्व स्तरीय प्रशिक्षण दिया था। प्रशिक्षण में उत्पाद की गुणवत्ता, आयात-निर्यात की जानकारी, लाइसेंस व कीटनाशक दवाओं के मानक व इस्तेमाल करना, बाजार की पहचान, पैकिंग आदि तौर-तरीके सिखाकर ग्लोबल गैप का प्रमाण पत्र दिया था। इसमें आम यूरोप के मानकों में खरा उतरा है। इसी तरह एएमडी सब्जियों का निर्यात कराएगा।

इन एफपीओ को मिला था प्रशिक्षण

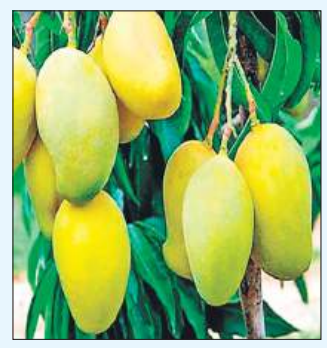

लखनऊ से निराला हर्बल बायो इनर्जी, सेक्रथ अर्थ बायो इनर्जी, नवज्योति किसान, इरादा बायो किसान फार्मर, मित्र जीवन बायो इनर्जी, जेवीकेएस बायो इनर्जी, टफारी फार्मर, रिस्ता फार्मर, पे अमृत आर्गेनिक, नवयुग फार्मर, अलीगढ़ से कोमलिका फार्मर, ओजोन फार्म, बलिया से दिदयम बायो इनर्जी, फतेहपुर से प्रगतिशील कृषक, ललितपुर से विकास पथ एग्रो, कासगंज से मेडिएरोमा एग्रो, उन्नाव औरास फार्मर, बाराबंकी से रामआसरे एग्रो, गाजीपुर से शिवांस कृषि, मेरठ से नीर आदर्श आर्गेनिक फार्मर, एटा से एग्री फार्म फ्रेश फार्मर, झांसी से उल्दन एग्रीकल्चर, रामपुर से रामपुर कृषक फार्मर, कानपुर देहात से एसआरएमजी प्रोड्यूसर व कृषक विकास प्रोड्यूसर कंपनी।

> लखनऊ के मैंगो पैक हाउस से पहली बार 1300 किलो मलिहाबादी दशहरी आम जर्मनी निर्यात किया है। इसका स्वाद वहां के लोगों को खूब पंसद आया है। अब किसी भी यूरोपीय देश में आम भेज सकते हैं।
> **-संजय कुमार,** सहायक निदेशक, कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार निदेशालय।

भारत खनिज ब्लॉक के लिए अफ्रीका लैटिन अमेरिका के साथ कर रहा बातचीत

नई दिल्ली, एजेंसी

- खान मंत्रालय की संयुक्त सचिव ने दी जानकारी

खान मंत्रालय की संयुक्त सचिव वीना कुमारी डरमल ने मंगलवार को कहा कि भारत महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक को सरकार-से-सरकार आधार पर हासिल करने के लिए अफ्रीका के साथ-साथ लैटिन अमेरिका के देशों के साथ बातचीत कर रहा है। लिथियम जैसे महत्वपूर्ण खनिज आज की तेजी से बढ़ती स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में आवश्यक घटक हैं, जिनमें पवन टर्बाइन, बिजली तंत्र तथा इलेक्ट्रिक वाहन शामिल हैं।

स्वच्छ ऊर्जा में तेजी से हो रहे बदलाव के साथ इन खनिजों की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। भारत ऊर्जा भंडारण गठबंधन (आईईएसए) द्वारा आयोजित भारत ऊर्जा भंडारण सप्ताह (आईईएसडब्ल्यू) 2024 में डरमल ने कहा-हम सरकार से सरकार (जी2जी) के आधार पर या प्राथमिकता के आधार पर ब्लॉक प्राप्त करने के लिए अफ्रीका के साथ-साथ लैटिन अमेरिका के कई अन्य संसाधन संपन्न देशों के साथ चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि खान मंत्रालय भारत में महत्वपूर्ण खनिजों की खोज को अधिक से अधिक महत्व दे रहा है। संयुक्त सचिव ने कहा कि घरेलू मोर्चे पर सरकार ने छत्तीसगढ़ में एक लिथियम ब्लॉक की सफलतापूर्वक नीलामी की है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि छत्तीसगढ़ सरकार जल्द ही लिथियम ब्लॉक से अन्वेषण तथा उत्पादन शुरू करने के लिए कदम उठाएगी।

सर्राफा

कानपुर

चॉदी 999 (प्रति किलो)	90,400
चांदी सिक्का (प्रति सैकड़ा)	95,000
चांदी सिक्का (सैकड़ा) बिकवाल	100000
सोना बिस्कुट (दस ग्राम)	73,600
गिन्नी (प्रति नग)	54,850-55,050

लखनऊ

सोना स्टैंडड (प्रति 10 ग्राम)	72,550
सोना रवा (प्रति 10 ग्राम)	72,400
गिन्नी (प्रति 10 नग)	42, 500
चांदी (999)	89,500
चांदी तैयार	89,600
चांदी का सिक्का (प्रति सैकड़ा)	80, 000

बरेली

सोना जेवरात पक्के	72,300
सोना जेवरात गिन्नी	71,300
चांदी पक्की	882 (अनुमानित)

मुरादाबाद

सोना 24 कैरेट	72,600
चांदी आभूषण	89,400।

गैर-शुल्क बाधाओं के बारे में जानकारी जुटाने के लिए पोर्टल बना रही सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य मंत्रालय निर्यातकों के सामने आने वाली गैर-शुल्क बाधाओं (एनटीबी) को दर्ज करने और उनके समाधान के लिए संबंधित देशों के साथ बातचीत करने के लिए एक मंच तैयार कर रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह बात कही।

फिलहाल खास तौर पर छोटी वस्तुओं के लिए इन व्यापार बाधाओं से संबंधित सूचना मौजूद नहीं है। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा-हम एक पोर्टल बना रहे हैं ताकि सभी गैर-शुल्क बाधाओं को प्राथमिकता दे सकें। इस पोर्टल पर कारोबारी अपनी शिकायतें दर्ज करा सकेंगे और मंत्रालय उस पर आगे की कार्रवाई करेगा। जिन मामलों में गैर-शुल्क बाधा बड़ी मात्रा में उत्पादों के व्यापार पर असर डाल रही है, उनके निवारण और कार्रवाई के लिए उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी।

आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने एक रिपोर्ट में कहा है कि अमेरिका, चीन एवं जापान जैसे देशों में घरेलू निर्यातकों को गैर-शुल्क बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है।

नौ एनबीएफसी ने आरबीआई को पंजीकरण प्रमाणपत्र लौटाया

मुंबई। आरबीआई ने मंगलवार को कहा कि उज्जीवन फाइनेंशियल सर्विसेज समेत नौ गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) ने केंद्रीय बैंक को अपना पंजीकरण प्रमाणपत्र (सीओआर) लौटा दिया है। इनमें से पांच एनबीएफसी ने गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थान कारोबार से बाहर होने की वजह से अपना पंजीकरण प्रमाणपत्र लौटा दिया है। इनके नाम विगफिन होल्डिंग्स, स्ट्रिप कमोडियल, एलियम फाइनेंस, इटरनाइट फिनवेस्ट और फिनो फाइनेंस हैं। इनके अलावा एलेग्रो होल्डिंग्स, टेम्पल ट्रीज इम्पेक्स एंड इन्वेस्टमेंट और हेम फाइनेंशियल सर्विसेज ने प्रमाणपत्रों को लौटाया है।

सेबी ने हिंडनबर्ग को भेजा कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

- अमेरिकी कंपनी ने इसे बेतुका तथा डराने का प्रयास बताया

भारतीय पूंजी बाजार नियामक सेबी ने अमेरिकी 'शॉर्ट-सेलर' एवं निवेश शोध कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च को अडाणी समूह के शेयरों पर दांव लगाने में कथित उल्लंघन को लेकर किए दावों को लेकर कारण बताओ नोटिस जारी किया है। हिंडनबर्ग ने अडाणी समूह पर शेयरों के भाव में हेराफेरी और वित्तीय गड़बड़ियों का आरोप लगाते हुए एक रिपोर्ट जारी की थी।

अमेरिकी कंपनी ने बताया कि भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने उसे कारण बताओ नोटिस भेजा है। उसने इस नोटिस को बेतुका और पूर्व-निर्धारित उद्देश्य की पूर्ति के लिए गढ़ा गया बताया। उसने कहा कि यह भारत में सबसे शक्तिशाली लोगों द्वारा किए गए भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी को उजागर करने वालों को चुप कराने तथा डराने का प्रयास है। अमेरिकी कंपनी ने कहा कि कारण बताओ नोटिस से कुछ प्रश्नों का समाधान हो गया है, क्या हिंडनबर्ग ने अडाणी को नुकसान पहुंचाने के लिए दर्जनों कंपनियों के साथ काम किया, जिससे करोड़ों डॉलर कमाए? नहीं ...हमारे पास एक निवेशक साझेदार था और लागतों के बाद हम शायद ही अदाणी शॉर्ट पर ब्रेक-ईवन से ऊपर आ पाएं।

कोटक ने लाभ दिलाने के लिए विदेशी कोष बनाया: हिंडनबर्ग

अमेरिकी निवेश और शोध कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने दावा किया है कि उद्योगपति उदय कोटक द्वारा गठित बैंक और 'ब्रोकरेज' कंपनी ने विदेशी कोष बनाया और उसका रखरखाव किया तथा इस कोष का उपयोग 'अज्ञात निवेशक' ने अडाणी समूह के शेयरों में गिरावट से लाभ उठाने के लिए किया। हिंडनबर्ग ने जनवरी, 2023 में अदाणी समूह पर शेयरों के भाव में हेराफेरी और वित्तीय गड़बड़ियों का आरोप लगाते हुए एक रिपोर्ट जारी की थी।

राष्ट्रीय

संसद की ओर मार्च करने का प्रयास कर रहे छात्र हिरासत में

नीट-यूजी विवाद: केंद्रीय शिक्षा मंत्री को बर्खास्त करो और एनटीए को खत्म करो जैसे लगा रहे थे नारे

नई दिल्ली, एजेंसी

कई प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं के विरोध में संसद की ओर मार्च करने का प्रयास कर रहे 12 से अधिक छात्रों को मंगलवार को हिरासत में लिया गया।

इंडिया अगेंस्ट एनटीए के बैनर तले विभिन्न संगठनों से जुड़े छात्र यहां पटेल चौक मेट्रो स्टेशन पर एकत्र हुए और एनटीए विरोधी नारे लगाने लगे। केंद्रीय शिक्षा मंत्री को बर्खास्त करो और एनटीए को खत्म करो जैसे नारे लिखे पोस्टर और बैनर लेकर छात्रों ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा में पेपर लीक और भ्रष्टाचार के कथित मामलों के खिलाफ प्रदर्शन किया। दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शनकारी छात्रों को उस समय हिरासत में ले लिया, जब वे अपनी मांगों को लेकर संसद की ओर मार्च करने की कोशिश कर रहे थे। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, प्रेस क्लब में संवाददाता सम्मेलन करने के बाद छात्र पटेल चौक मेट्रो स्टेशन पर एकत्र हुए, जहां से उन्होंने संसद की ओर मार्च करना शुरू किया। ऐसा करने की कोशिश कर रहे 12 से अधिक छात्रों को हिरासत में लिया गया है।

नई दिल्ली में परीक्षाओं में अनियमितताओं के विरोध में संसद की ओर मार्च करते छात्राएं। ● एजेंसी

छात्र संगठनों ने नीट विवाद को लेकर केंद्र की आलोचना की

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के घटक दलों के छात्र संगठनों ने मंगलवार को नीट-यूजी में कथित अनियमितताओं को लेकर भाजपा नीत केंद्र सरकार की आलोचना की और मेडिकल प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए सभी 24 लाख उम्मीदवारों के लिए दोबारा परीक्षा आयोजित किये जाने की अपनी मांग दोहरायी। यहां प्रेस क्लब में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में छात्र संगठनों के राष्ट्रीय नेताओं ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित परीक्षा में विसंगतियों के खिलाफ एक साझा प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए और निष्पक्ष परीक्षा आयोजित कराने में विफल रहने के कारण परीक्षा एजेंसी को समाप्त करने की मांग पर जोर दिया। संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में वाम समर्थित ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा), स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) और ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन (एआईएसएफ) सहित समाजवादी छात्र सभा और कांग्रेस की छात्र शाखा भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) सहित छात्र संगठनों के राष्ट्रीय नेता मौजूद थे। उन्होंने आरोप लगाया कि एनटीए की "निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से परीक्षा आयोजित करने में असमर्थता" के कारण लाखों छात्रों का भविष्य खतरे में है और उन्होंने मांग की कि सभी उम्मीदवारों के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट)-स्नातक की नयी तारीखें तुरंत जारी की जाएं।

नीट विवाद : न्यायालय आठ को याचिकाओं पर करेगा सुनवाई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय विवादों से घिरी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी से जुड़ी याचिकाओं पर आठ जुलाई को सुनवाई करेगा। इनमें पांच मई को हुई परीक्षा में अनियमितताओं का आरोप लगाने वाली तथा इसे नए सिरे से कराए जाने का अनुरोध करने वाली याचिकाएं भी शामिल हैं। उच्चतम न्यायालय की वेबसाइट पर आठ जुलाई के लिए अपलोड की गयी वाद सूची के अनुसार, प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ 26 याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। देश भर के संस्थानों में एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एनटीए द्वारा राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) परीक्षा आयोजित की जाती है।

बिहार सरकार ने आरक्षण पर कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती

नई दिल्ली,एजेंसी

बिहार सरकार ने आरक्षण कानून में संशोधन को खारिज करने संबंधी पटना उच्च न्यायालय के फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है। संशोधित कानून के तहत नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत करने का प्रावधान किया था।

उच्च न्यायालय ने 20 जून के अपने फैसले में कहा था कि पिछले साल नवंबर में राज्य विधानमंडल द्वारा सर्वसम्मति से पारित किए गए संशोधन संविधान के प्रतिकूल हैं और यह समानता के (मूल) अधिकार का हनन करता है। राज्य की याचिका अधिवक्ता मनीष कुमार के माध्यम से उच्चतम न्यायालय में दायर की गई है। उच्च न्यायालय की एक पीठ ने बिहार में सरकारी नौकरियों में रिक्तियों में आरक्षण (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए) (संशोधन) अधिनियम, 2023 और बिहार (शैक्षणिक संस्थानों में दाखिले में) आरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2023 को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं को मंजूर कर लिया था। उच्च न्यायालय ने 87 पन्नों के विस्तृत आदेश में स्पष्ट किया कि उसे कोई भी ऐसी परिस्थिति नजर नहीं आती जो राज्य को इंदिरा साहनी मामले में उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्धारित आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा का उल्लंघन करने में सक्षम बनाती हो।

एक नजर

धनखड़ और खरगे के बीच हुआ वाकयुद्ध

नई दिल्ली। राज्यसभा में मंगलवार को जगदीप धनखड़ और मल्लिकार्जुन खरगे के बीच उस समय कुछ देर के लिए वाकयुद्ध छिड़ गया जब सभापति ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि वरिष्ठ सदस्य जयराम रमेश को विपक्ष के नेता का स्थान ग्रहण कर लेना चाहिए। धनखड़ ने सदन की कार्यवाही के दौरान बार-बार टोका-टोकी करने का प्रयास कर रहे कांग्रेस सांसद जयराम रमेश को अनुशासित करने के प्रयास के तहत यह बात कही थी।

हथियार व गोला बारूद का जखीरा बरामद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों ने हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा बरामद किया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी साझा की। अधिकारियों ने कहा कि कुपवाड़ा पुलिस के विशिष्ट सूचना के आधार पर नंगारी जंगल, दर्दपोरा क्रालपोरा इलाके में सुरक्षा बलों द्वारा एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया गया था। इस दौरान सुरक्षा बलों ने बड़ी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामान बरामद किए हैं। अधिकारियों ने कहा, तलाशी अभियान के दौरान आठ एके मैगजीन, 445 कारतूस, तीन मैगजीन के साथ एक पिस्तौल, 13 पिस्तौल कारतूस और एक हथगोला बरामद किया गया।

हम नए आपराधिक कानूनों पर नहीं करेंगे टिप्पणी : चंद्रचूड़

नई दिल्ली, एजेंसी

- प्रधान न्यायाधीश बोले-इन कानूनों से उत्पन्न मुद्दे उच्चतम न्यायालय में हैं लंबित

तीन नए आपराधिक कानूनों को लेकर जारी बहस के बीच भारत के प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने मंगलवार को इन पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि इन कानूनों से उत्पन्न मुद्दे उच्चतम न्यायालय में लंबित हैं।

तीन नए कानून भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) एक जुलाई से पूरे देश में लागू हो गए और इन कानूनों ने क्रमशः भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम का स्थान लिया। हाल ही में नए कानूनों पर रोक लगाने की मांग करते हुए शीर्ष अदालत में एक जनहित याचिका दायर की गई थी। इसमें इन कानूनों में कुछ प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई है। दिल्ली में निचली अदालत की नई इमारतों के लिए कड़कड़डूमा, शास्त्री पार्क और रोहिणी में शिलान्यास समारोह के बाद मीडिया से बातचीत में प्रधान न्यायाधीश ने कहा-ये मुद्दे उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन हैं, हो सकता है कि अन्य उच्च न्यायालयों में भी लंबित हों। इसलिए मुझे ऐसी

किसी चीज पर नहीं बोलना चाहिए, जिसके अदालत के समक्ष आने की संभावना हो। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि अदालतें केवल संविधान का पालन करती हैं और वादकारियों के अलावा किसी और की सेवा नहीं करती हैं। उन्होंने कहा, हमारी अदालतें केवल संप्रभु सत्ता का केंद्र नहीं हैं, बल्कि आवश्यक सार्वजनिक सेवा प्रदाता भी हैं।

जलवायु परिवर्तन को नजरंदाज नहीं किया जा सकता: सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ ने दिल्ली में हाल में पड़ी भीषण गर्मी के बाद भारी बारिश की ओर इशारा करते हुए मंगलवार को कहा कि जलवायु परिवर्तन को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए हरित जीवन शैली" अपनाने की आवश्यकता है।

कोर्ट ने कविता को षडयंत्रकारियों में से एक करार दिया

नई दिल्ली, एजेंसी

आबकारी घोटाला

दिल्ली उच्च न्यायालय ने कथित शराब घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार एवं धनशोधन के दो मामलों में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता के. कविता को जमानत देने से इनकार करते हुए कहा कि प्रथम दृष्टया वह दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 तैयार करने और इसके क्रियान्वयन की आपराधिक साजिश के मुख्य षडयंत्रकारियों में से एक हैं।

उच्च न्यायालय ने जांच एजेंसियों द्वारा एकत्रित सामग्री का अवलोकन करते हुए कहा कि कविता प्रथम दृष्टया विभिन्न प्रक्रियाओं में रिश्वत के भुगतान और अपराध की आय से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं और धनशोधन के अपराध में शामिल थीं। अदालत ने कहा कि अभी नियमित जमानत देने का कोई मामला नहीं बनता क्योंकि जांच महत्वपूर्ण चरण में है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने महिला होने के आधार पर राहत के लिए कविता की याचिका खारिज कर दी और कहा कि एक सुशिक्षित और एक पूर्व सांसद के रूप में उनकी तुलना एक कमजोर महिला से नहीं की जा सकती और अदालत उनके खिलाफ गंभीर आरोपों को नजरअंदाज नहीं कर सकती है।

नए आपराधिक कानूनों को वापस लेने का दिल्ली बार काउंसिल का अनुरोध

नई दिल्ली। दिल्ली बार काउंसिल ने एक जुलाई से लागू तीन नए आपराधिक कानूनों को वापस लेने का अनुरोध मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से किया। दिल्ली बार काउंसिल के उपाध्यक्ष संजीव नसियार ने कहा कि नए कानून लागू होने के समय पूर्ववर्ती सरकार का कार्यकाल समाप्त हो चुका था। नसियार ने देते हुए कहा, संवैधानिक औचित्य के रूप में इन कानूनों को नई निर्वाचित संस्थाओं की मंजूरी और अनुमोदन के बिना बदली हुई परिस्थितियों में लोगों पर नहीं थोपा जा सकता।इसमें कोई संदेह नहीं है कि ये संशोधन संवैधानिक सिद्धांतों और उच्चतम न्यायालय के फैसले की पूरी तरह से अवहेलना करते हैं। उन्होंने कहा, पुलिस हिरासत की अवधि को 15 दिनों से बढ़ाकर 60/90 दिन करने को कम से कम कहने के लिए तो दमनकारी है।

बाढ़ से 6.71 लाख लोग प्रभावित, 13 मछुआरों को वायुसेना ने बचाया

गुवाहाटी, एजेंसी

असम में बाढ़ का कहर

असम में बाढ़ की स्थिति मंगलवार को भी गंभीर बनी रही और इस साल बाढ़ की दूसरी लहर में 20 जिलों में 6.71 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) ने गंभीर रूप से प्रभावित डिब्रूगढ़ जिले से 13 फंसे हुए मछुआरों को बचाया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

एक आधिकारिक बुलेटिन में कहा गया है कि ब्रह्मपुत्र सहित कम से कम 13 प्रमुख नदियां विभिन्न स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं तथा कई जिलों में भारी से बहुत भारी वर्षा की चेतावनी जारी की गई है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुरोध पर डिब्रूगढ़ के हटिया अली से बाढ़ के पानी में फंसे मछुआरों को बचाया गया। अधिकारी ने कहा-एएसडीएमए ने भारतीय वायुसेना से फंसे हुए 13 मछुआरों को हवाई मार्ग से बाहर निकालने का अनुरोध किया। इसका सारा खर्च एएसडीएमए द्वारा वहन किया जाएगा। भारतीय वायुसेना ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बचाव अभियान से संबंधित तस्वीरें साझा करते हुए लिखा: "वायुसेना ने असम के डिब्रूगढ़ के उत्तर में बाढ़ग्रस्त ब्रह्मपुत्र के एक छोटे से द्वीप से 13 लोगों को बचाया।

असम के मोरीगांव जिले में भारी बारिश के बाद बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में यात्रा करने के लिए नाव का उपयोग करते ग्रामीण। ● एजेंसी

दो जुलाई 2024 को सूर्योदय के बाद, एएफएस मोहनबाड़ी से एक एमआई-17 IV हेलीकॉप्टर ने चुनौतीपूर्ण मौसम की स्थिति में उड़ान भरी और दलदली भूमि से बचाव अभियान चलाया। इसमें कहा गया है कि पायलट और फ्लाइट गनर के समन्वित प्रयासों से 13 बचे लोगों को शीघ्र और सुरक्षित विमान में चढ़ाना सुनिश्चित हुआ।

वायुसेना ने कहा कि बचाव के बाद मछुआरों को आपातकालीन प्राथमिक उपचार प्रदान किया गया। इससे पहले रविवार को, भारतीय वायुसेना ने धेमाजी जिले के जोनाई से राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के आठ कर्मियों और एक राजस्व अधिकारी को बचाया था। ये लोग राहत अभियान के दौरान चार इलाके में फंस गए थे। बाढ़ की मौजूदा लहर में डिब्रूगढ़ जिला बुरी तरह प्रभावित हुआ है और ऊपरी असम का यह प्रमुख शहर लगातार छह दिन से जलमग्न है।

दक्षिण पंथियों को हराने के लिए 190 उम्मीदवारों ने वापस लिए नाम

पेरिस, एजेंसी

फ्रांस में चुनाव

- **दूसरे दौर के चुनाव के लिए उम्मीदवारों की सूची जमा की**
- **आरएन को जीत से रोकने के लिए इमैनुएल मैक्रों ने बनाया प्लान**

फ्रांसीसी उदारवादी राजनीतिक गठबंधन एन्सेम्बल व न्यू पॉपुलर फ्रंट के वामपंथी चुनावी गठबंधन के कम से कम 190 उम्मीदवार दक्षिणपंथी नेशनल रैली (आरएन) को हराने में मदद करने के लिए संसदीय चुनाव के दूसरे दौर से हट गए हैं।

फ्रांस के अखबार ले मोंडे ने मंगलवार को रिपोर्ट में यह जानकारी दी। तीन सौ से अधिक फ्रांसीसी चुनावी जिलों में मतदान के पहले दिन के नतीजों से पता चला कि दाएं, बाएं और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के राजनीतिक गठबंधन के तीन मुख्य ब्लॉक के उम्मीदवार दूसरे दौर में आगे बढ़ गए थे। कथित तौर पर मैक्रों के विचार के लिए उनके गठबंधन और वामपंथी ब्लॉक के उम्मीदवारों की आवश्यकता थी जो आकस्मिक चुनाव के पहले दौर के बाद अपने जिले में तीसरे स्थान पर आए थे। ताकि दक्षिणपंथी उम्मीदवारों को रोकने के लिए दूसरे दौर से हट जाएं, क्योंकि जो उम्मीदवार दूसरे स्थान पर था। दूसरे दौर के चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची मगंलवार शाम 6:00 बजे तक जमा करा दिए।

मानसून के मौसम में डेंगू के डंक से सावधान

देश के कई राज्यों में मानसून ने दस्तक दे दी है। इस मौसम में कई सारी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। डेंगू इन्हीं बीमारियों में से एक है जो मानसून में सबसे ज्यादा लोगों को प्रभावित करता है। यहां तक की डेंगू बुखार कभी-कभी जानलेवा भी साबित हो जाता है। बारिश के मौसम में घर के आसपास और पड़ोस में बारिश के कारण हुए जलभराव से डेंगू मच्छर पनप सकता है। यह मच्छर साफ पानी में पैदा होता है, यदि आपके घर में खुले स्थानों पर पानी भरा है तो डेंगू का मच्छर पैदा हो जाएगा, इसलिए अपने आसपास जमा पानी को खाली करते रहें। कुछ बातों को ध्यान में रख आप इससे अपना बचाव कर सकते हैं।

डेंगू के लक्षण

आमतौर पर डेंगू बुखार के लक्षणों में एक साधारण बुखार होता है और किशोरों एवं बच्चों में इसकी आसानी से पहचान नहीं की जा सकती। डेंगू में 104 फारेनहाइट डिग्री का बुखार होता है, जिसके साथ इनमें से कम से कम दो लक्षण होते हैं: सिर दर्द, मांसपेशियों व हड्डियों और जोड़ों में दर्द, जी मिचलाना, उल्टी लगना, आंखों के पीछे दर्द, ग्रंथियों में सूजन, त्वचा पर लाल चकते होना इत्यादि। इसमें तीन प्रकार के बुखार होते हैं, जिनसे व्यक्ति को खतरा होता है, जो इस प्रकार हैं – हल्का डेंगू बुखार, डेंगू रक्तस्रावी बुखार और डेंगू शॉक सिंड्रोम। तीनों में डेंगू शॉक सिंड्रोम सबसे खतरनाक होता है। यहां तक कि यह मौत का कारण भी बन सकता है।

यह भी हैं कारगर उपाय

- **मच्छर रोधी क्रीम :** डाइथाइलटोलुआमाइड (डीईईटी) के कम से कम 10 प्रतिशत कंसंट्रेशन वाला रेपेलेंट प्रभावी रहता है। लंबे समय तक जोखिम हो तो फिर उच्च कंसंट्रेशन वाले रेपलेंट की आवश्यकता होती है।
- **व्यक्तिगत स्वच्छता :** जब आप किसी वायरस से संक्रमित होते हैं, तो आप अन्य बीमारियों के प्रति अतिरिक्त संवेदनशील हो जाते हैं। डेटॉल लिक्विड हैंडवॉश का प्रयोग करें, जो कीटाणुओं को दूर रखने का काम करता है।
- **ठहरे हुए पानी को कीटाणुरहित करें :** एडीज मच्छर साफ और स्थिर पानी में पनपता है। पानी के बर्तन या टंकी को हर समय ढककर रखें और यदि आवश्यक हो तो एक उचित कीटाणुनाशक का उपयोग करें।

डेंगू का उपचार

डेंगू बुखार का कोई विशिष्ट उपचार नहीं है, क्योंकि डेंगू एक वायरस है। यथासमय देखभाल से मदद मिल सकती है, जो कि इस बात पर निर्भर करता है कि बीमारी कितनी गंभीर है। डेंगू बुखार होने आप चिकित्सा परामर्श लेकर स्वस्थ हो सकते हैं। हमारे शरीर के अधिकांश तरल पदार्थों का उल्टी और तेज बुखार के दौरान ह्रास हो जाता है। तरल पदार्थों के सेवन से आसानी से डिहाइड्रेट नहीं होगा।

डेंगू के कारण

डेंगू चार वायरसों के कारण होता है, जो इस प्रकार हैं – डीईएनवी-1, डीईएनवी-2, डीईएनवी-3 और डीईएनवी-4। जब यह पहले से संक्रमित व्यक्ति को काटता है तो वायरस मच्छर के शरीर में प्रवेश कर जाता है। और बीमारी तब फैलती है जब वह मच्छर किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटता है, और वायरस व्यक्ति के रक्तप्रवाह के जरिये फैलता है। एक बार जब कोई व्यक्ति डेंगू बुखार से उबर जाता है, तो वह विशिष्ट वायरस से प्रतिरक्षित होता है, लेकिन अन्य तीन प्रकार के वायरस से नहीं। यदि आप दूसरी, तीसरी या चौथी बार संक्रमित होते हैं तो गंभीर डेंगू बुखार, जिसे डेंगू रक्तस्रावी बुखार के रूप में भी जाना जाता है, के विकसित होने की संभावना बढ़ जाती है।

एक नजर

इमरान खान की पत्नी को अग्रिम जमानत दी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक भ्रष्टाचार रोधी अदालत ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी को भ्रष्टाचार मामले में मंगलवार को अग्रिम जमानत दे दी। खान और बुशरा बीबी सहित अन्य आरोपियों पर अल-कादिर ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में देश के खजाने को लगभग 50 अरब रुपये का नुकसान पहुंचाने का आरोप है।

पाकिस्तान में दो अभियानों में नौ आतंकवादी मारे गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने देश के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत में दो अभियानों में नौ आतंकवादियों को मार गिराया है। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा कि सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर केपी के खैबर और लक्की मारवात जिलों में अभियान चलाया।

मंगोलिया की संसद ने नया स्पीकर चुना

उलान बटोर। मंगोलिया की संसद, जिसे स्टेट ग्रेट खुराल भी कहा जाता है, ने पिछले शुक्रवार को हुए नियमित संसदीय चुनावों के बाद मंगलवार को दशजेग्वे अमरबायसगलान को अपना नया अध्यक्ष चुना। अमरबयासगलन (43) ने 2022 से मुख्य कैबिनेट सचिव और 2016 से सत्तारूढ़ मंगोलियाई पीपुल्स पार्टी (एमपीपी) के महासचिव के रूप में अपनी सेवा दी है।

मिसाइल हमले में पांच यूक्रेनी लड़ाकू विमान हुए नष्ट

मॉस्को। रूसी सशस्त्र बलों ने सोमवार को यूक्रेन के पोल्टावा क्षेत्र में एक हवाई क्षेत्र पर मिसाइल हमला किया, जिसमें पांच यूक्रेनी एसयू-27 लड़ाकू विमान नष्ट हो गए। रूसी रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को यहां यह जानकारी दी। मंत्रालय ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया चैनल के माध्यम से बताया कि इस्कैंडर-एम ऑपरेशनल-टैक्टिकल मिसाइल सिस्टम के हमले ने मायरहोरोड हवाई क्षेत्र में विमान पार्किंग क्षेत्र को निशाना बनाया तथा यूक्रेनी सशस्त्र बलों से संबंधित पांच एसयू-27 लड़ाकू विमानों को नष्ट कर दिया।

ट्रंप पर अदालत का फैसला शासन को कमजोर करने वाला : बाइडेन

आपराधिक मुकदमे से छूट के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को एक खतरनाक मिसाल बताया

वाशिंगटन, एजेंसी

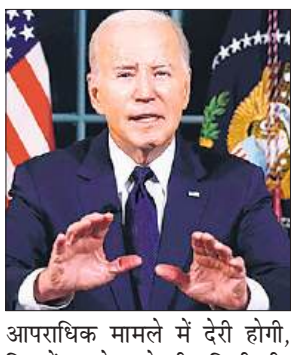

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपने पूर्ववर्ती डोनाल्ड ट्रंप को आपराधिक मुकदमे से आंशिक छूट देने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले को एक खतरनाक मिसाल बताया है। ट्रंप द्वारा सोमवार को अदालत के फैसले को लोकतंत्र के लिए बड़ी जीत बताने के बाद बाइडेन ने कहा कि फैसले ने कानून के शासन को कमजोर कर दिया है और यह अमेरिकियों के लिए एक भयानक अन्याय है।

अदालत ने इससे पहले दिन में पाया कि राष्ट्रपति को आधिकारिक कृत्यों के लिए छूट प्राप्त रहती है, लेकिन अनौपचारिक कृत्यों के लिए उन्हें छूट नहीं मिलती और मामले को वापस ट्रायल जज के पास भेज दिया। बीबीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इस फैसले से 2020 के चुनाव परिणाम को पलटने की कथित कोशिश के लिए ट्रंप के खिलाफ उन आपराधिक मामले में देरी होगी, जिसमें बाइडेन को जीत मिली थी। ट्रायल जज को अब यह निर्धारित करना होगा कि राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप ने कौन से आपराधिक कार्य किए थे, जिसमें कई महीने लग सकते हैं।

रिपोर्ट में बताया गया है कि नवंबर के राष्ट्रपति चुनाव से पहले कोई भी मुकदमा शुरू होने की संभावना नहीं है। राष्ट्रपति बाइडेन ने सोमवार देर रात एक टेलीविजन बयान में कहा इस राष्ट्र की स्थापना इस सिद्धांत पर हुई थी कि अमेरिका में कोई राजा नहीं है। हम में से प्रत्येक कानून के समक्ष समान है। कोई भी, कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। अमेरिका का राष्ट्रपति भी नहीं। आज के (अदालत के) फैसले का लगभग निश्चित रूप से मतलब है कि राष्ट्रपति क्या कर सकता है, इसकी वस्तुतः कोई सीमा नहीं है।

भारत के साथ हम आर्थिक और सुरक्षा सहयोग को कर रहे हैं मजबूत

वाशिंगटन/नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी विदेश विभाग के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा है कि भारत और अमेरिका के बीच संबंध पहले से और अधिक मजबूत हुए हैं। भारत चाहे ईरान और रूस के साथ संबंधों को आगे बढ़ा रहा है, लेकिन अमेरिका कई प्रमुख क्षेत्रों में विशेष रूप से आर्थिक संबंधों और सुरक्षा सहयोग में उसके (भारत) साथ अपने संबंधों को मजबूत कर रहा है। पटेल से जब पूछा गया कि ईरोन और रूस के साथ भारत के संबंधों के मद्देनजर अमेरिका भारत के साथ अपने गहरे होते संबंधों से कैसे निपटेगा, तो उन्होंने कहा भारत एक ऐसा देश है जिसके साथ हम कई प्रमुख क्षेत्रों में अपने संबंधों को गहरा कर रहे हैं, खासकर जब यह हमारे आर्थिक संबंधों और सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने से संबंधित है। अमेरिकी राष्ट्रपति को कुछ हफ्ते पहले जी7 पर प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात का अवसर मिला था। पटेल ने पिछले साल जून में मोदी की वाशिंगटन की राजकीय यात्रा के बारे कहा आप इस तथ्य से अनजान नहीं हैं कि हमने पिछली गर्मियों में मोदी की राजकीय यात्रा के लिए भारत की मेजबानी की थी।

सही समय पर फिलिस्तीन को मान्यता देगा सिंगापुर

सिंगापुर। सिंगापुर सैद्धांतिक रूप से फिलिस्तीन को एक देश के रूप में मान्यता देने के लिए तैयार है और यह कदम उचित समय पर उठाया जाएगा। विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन ने मंगलवार को संसद में यह बात कही। बालाकृष्णन ने इस बात पर जोर दिया कि देश ने स्थायी शांति प्राप्त करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रासंगिक प्रस्तावों के अनुरूप, वार्ता के माध्यम से द्वि-राष्ट्र समाधान की वकालत की है।

डॉ. बालाकृष्णन ने कहा विशेष रूप से, एक प्रभावी फिलिस्तीनी सरकार की आवश्यकता है जो इजराइल के अस्तित्व के अधिकार को स्वीकार करे और आतंकवाद को स्पष्ट रूप से अस्वीकार करे। दैनिक समाचारपत्र द स्ट्रेट्स टाइम्स ने मंत्री के हवाले से अपनी रिपोर्ट में कहा दोनों पक्षों के वैध अधिकार हैं और दोनों देशों के लोगों को सुरक्षित सीमाओं के भीतर शांति और सम्मान के साथ रहने का अधिकार है। सिंगापुर द्वारा 10 मई को संयुक्त राष्ट्र के एक प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया गंया था, जिसमें संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीन को सदस्य देश के रूप में शामिल करने का समर्थन किया गया है।

विश्वास मत का सामना करेगी प्रचंड सरकार

काठमांडू, एजेंसी

खतरे में सरकार

- **नेपाली कांग्रेस व सीपीएन-यूएमएल के बीच गठबंधन, नई सरकार बनाने का प्रयास**

नेपाल के सबसे बड़े दलों में शामिल नेपाली कांग्रेस और सीपीएन-यूएमएल के बीच नई गठबंधन सरकार बनाने के लिए सहमति बनने के बीच प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल प्रचंड ने पद से इस्तीफा नहीं देने का फैसला किया है। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी केंद्र) के सचिव गणेश शाह ने बताया कि पार्टी पदाधिकारियों की मंगलवार को प्रधानमंत्री कार्यालय में हुई बैठक में प्रचंड ने कहा कि वह पद से इस्तीफा देने के बजाय संसद में विश्वास मत का सामना करना पसंद करेंगे। गणेश शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री प्रचंड (69) ने अपने डेढ़ साल के कार्यकाल के दौरान संसद में तीन बार विश्वास मत हासिल किया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है, जब नेपाल के दो सबसे बड़े दलों - नेपाली कांग्रेस और सीपीएन-यूएमएल ने प्रधानमंत्री प्रचंड को सत्ता से बेदखल करने के लिए एक नई राष्ट्रीय सर्वसम्मति सरकार बनाने के वास्ते आधी रात को एक समझौता किया। नेपाल के प्रतिनिधि सदन में सबसे बड़ी पार्टी नेपाली कांग्रेस के पास 89 सीट जबकि सीपीएन-यूएमएल के पास 78 सीट हैं।

नई गठबंधन सरकार के लिए किए हस्ताक्षर

नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा और नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यूएमएल) के अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने नई गठबंधन सरकार बनाने के लिए सोमवार मध्यरात्रि को समझौते पर हस्ताक्षर किए। देउबा (78) और ओली (72) संसद के शेष कार्यकाल के लिए बारी-बारी से प्रधानमंत्री पद साझा करने पर सहमत हुए हैं।

केन्या में विरोध प्रदर्शन, 39 की मौत

नैरोबी, एजेंसी

पूर्वी अफ्रीकी देश केन्या में विवादास्पद कर वृद्धि विधेयक के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों में करीब 39 लोग मारे गए हैं और 361 अन्य घायल हुए हैं। केन्या नेशनल कमीशन ऑन ह्यूमन राइट्स (केएनसीएचआर) ने सोमवार को मृतकों के बारे में जानकारी दी।

इससे पहले केएनसीएचआर ने शनिवार को बताया था कि केन्या में चल रहे हिंसक विरोध प्रदर्शनों के दौरान करीब 30 लोग मारे गये थे। मानवाधिकार समूह ने केन्याई सुरक्षा बलों पर प्रदर्शनकारियों की भीड़ पर सीधे गोलियां चलाने का भी आरोप लगाया है। आयोग ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा हमारे रिकॉर्ड से पता चलता है कि देश भर में विरोध प्रदर्शनों में 39 लोग मारे गए हैं और 361 अन्य घायल हुए हैं। विरोध प्रदर्शनों के दौरान देश में 32 लोगों के लापता होने का मामला सामने आया है और 627 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जून के मध्य से केन्या में विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ है। जब सरकार ने ब्रेड, चीनी परिवहन, मोबाइल व विदेशी मुद्रा लेनदेन पर 16 प्रतिशत वैट लगाने के साथ कारों व तेल पर उत्पाद शुल्क लगाने वाला विधेयक पेश किया था।

नए टैक्स के खिलाफ जनता में गुस्सा

केन्या में सरकार द्वारा नए टैक्स लगाने से जनता काफी गुस्से में है और बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को भीड़ संसद में प्रवेश कर गई और वहां आगजनी की। इसके बाद सांसदों को संसद भवन से सुरक्षित निकाला गया। प्रदर्शनकारी नए टैक्स का विरोध कर रहे हैं जिससे डायपर जैसी वस्तुओं की कीमत बढ़ जाएगी।

अमेरिका यूक्रेन को हथियारों के लिए देगा 2.3 अरब डॉलर

वाशिंगटन। रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका जल्द ही यूक्रेन के लिए 2.3 अरब अमेरिकी डॉलर की अतिरिक्त सुरक्षा सहायता की घोषणा करेगा, जिसमें टैंक रोधी हथियार, इंटरसेप्टर और पैट्रियट और अन्य वायु रक्षा प्रणालियों के लिए युद्ध सामग्री शामिल होगी। यूक्रेन के रक्षा मंत्री रूस्तम उमेरोव ने अमेरिका रक्षा मुख्यालय पेंटागन में ऑस्टिन से मुलाकात की थी जिसके बाद यह घोषणा हुई है। यह डोनेत्स्क क्षेत्र में रूसी सेना से लड़ने में मदद के लिए कीव की अपील पर मजबूत प्रतिक्रिया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रविवार को कहा था कि रूस ने पिछले हफ्ते में ही यूक्रेन में 800 से अधिक शक्तिशाली ग्लाइड बम गिराए हैं। उन्होंने रूस के अंदर सैन्य ठिकानों पर हमला करने के लिए पश्चिमी हथियारों के इस्तेमाल पर प्रतिबंधों में ढील का आग्रह किया।

भारतीय स्त्री रोग विशेषज्ञ धोखाधड़ी मामले में दोषी

शिकागो, एजेंसी

भारतीय अमेरिकी प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ मोना घोष ने बीमाकर्ताओं को उन सेवाओं व प्रक्रियाओं के लिए प्रतिपूर्ति दावे प्रस्तुत करने की बात स्वीकार की जो प्रदान नहीं की गई थीं या चिकित्सकीय रूप से आवश्यक नहीं थीं। उन्हें शिकागो के चिकित्सक को संघीय स्वास्थ्य देखभाल धोखाधड़ी के आरोपों में दोषी ठहराया गया है।

मेडिकेड एवं निजी बीमाकर्ताओं को गैर-मौजूद सेवाओं के बिल देने के लिए 20 साल की जेल की सजा सुनाई गई है। अटॉर्नी कार्यालय के अनुसार, मोना घोष प्रोग्रेसिव वूमेन हेल्थकेयर की मालिक और संचालिका थीं। अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय ने कहा घोष ने धोखाधड़ी से कार्यालय और टेलीमेडिसिन यात्राओं की जटिलता को बढ़ा-चढ़ाकर बताया तथा बिलिंग कोड का उपयोग करके दावे प्रस्तुत किए। वहीं इलिनोइस के एक अन्य चिकित्सक को भी 27 जून को दो मामलों में दोषी ठहराया, प्रत्येक मामले में 10 साल की सजा की उम्मीद है।

भारतीय मूल के गुरु पर यौन उत्पीड़न का मुकदमा

लंदन। भारतीय मूल के गुरु राजेंद्र कालिया के खिलाफ इस सप्ताह लंदन के उच्च न्यायालय में यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए कई महिलाओं ने लाखों पाउंड के हर्जाने के लिए मुकदमा दर्ज कराया है। महिलाओं का दावा है कि वे उसकी शिष्याएं थी जबकि कालिया का दावा है कि वह इंग्लैंड की एक धार्मिक सोसाइटी का मुख्य पुजारी है। कालिया (68) पहले से चल रहे एक मुकदमे में प्रतिवादी हैं जिसमें उस पर अपने उपदेशों और शिक्षाओं के साथ-साथ चमत्कार का कथित प्रदर्शन कर अनुयायियों के कार्यों को अनुचित रूप से प्रभावित करने का आरोप लगाया गया है।

अमरनाथ के लिए 6,500 तीर्थयात्रियों का नया जत्था रवाना

जम्मू। दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर के लिए 6,500 से अधिक तीर्थयात्रियों का नया जत्था मंगलवार को कड़ी सुरक्षा के बीच जम्मू से रवाना हुआ। सोमवार को 23,000 से अधिक तीर्थयात्रियों ने 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित गुफा मंदिर में बाबा बर्फानी के दर्शन किए।

चलती बस से कूदने पर 10 तीर्थयात्री घायल : जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में अमरनाथ यात्रा से लौट रहे कम से कम 10 तीर्थयात्री चलती बस से कूदने पर घायल हो गए। यह घटना उस वक्त हुई, जब चालक ने यात्रियों को बताया कि बस के ब्रेक फेल हो गए हैं। सैन्यकर्मियों और पुलिस कर्मियों ने बस को रोक लिया, जिससे जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर संभावित दुर्घटना टल गई। अधिकारियों ने बताया कि बस में 40 तीर्थयात्री सवार थे।

बॉलीवुड हलचल

एटली की आगामी फिल्म में एक साथ होंगे कमल हसन, सलमान

मुंबई। सुपरहिट निर्देशक एटली अपनी अगली फिल्म में सलमान खान और कमल हसन को एक साथ कास्ट करने के लिये तैयार हैं। उनकी आखिरी ब्लॉकबस्टर जवान फिल्म 2023 में रिलीज हुई थी, जिसमें एसआरके, दीपिका पादुकोण और नयनतारा अभिनय करते नजर आए थे। एटली पूरी तरह से तैयार है अपनी अगले फिल्म की शुरुआत करने के लिए जिसका नाम अभी तक अज्ञात है। उन्होंने पहले सलमान खान और रजनीकांत को एक साथ कास्ट करने का सोचा था लेकिन अब सूत्रों ने बताया कि एटली कमल हसन और सलमान खान को एक साथ मेगा प्रोजेक्ट में ला सकते हैं। सूत्रों ने मीडिया को बताया कि दोनों मेगास्टार कथित तौर पर आगामी एक्शन थ्रिलर के लिये चर्चा कर रहे हैं और उन्हें इसकी कहानी पसंद आयी है। एटली की अगली फिल्म की कुछ प्रक्रिया जुलाई के अंत तक पूरी की जानी है, जिसके बाद वह आगे कार्रवाई शुरू करेंगे।

शाहरुख खान को 'करियर अचीवमेंट अवॉर्ड' से किया जाएगा सम्मानित

मुंबई। अभिनेता शाहरुख खान को लोकार्नो फिल्म महोत्सव के 77वें संस्करण में करियर अचीवमेंट सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। आयोजकों ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। खान पार्डो अला कैरियर असकोना-लोकार्नो टूरिज्म से सम्मानित होने वाले पहले भारतीय होंगे। इससे पहले, इतालवी फिल्म निर्माता फ्रांसेस्को रोसी, अमेरिकी गायक-अभिनेता हैरी बेलाफोनेट और मलेशियाई निर्देशक साई मिंग-लियांग इस पुरस्कार से सम्मानित किए जा चुके हैं। खान (58) को 10 अगस्त को स्विट्जरलैंड के लोकार्नो स्थित पियाजा ग्रांडे में यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। सात अगस्त से शुरू होने वाले इस महोत्सव में संजय लीला भंसाली निर्देशित 2002 की फिल्म देवदास भी दिखाई जाएगी। खान 11 अगस्त को फोरम स्पेज़ियो सिनेमा में आम जनता के लिए खुली बातचीत में भी शामिल होंगे। लोकार्नो फिल्म महोत्सव के कलात्मक निदेशक जियोना ए नाज़ारो ने कहा कि इस समारोह में शाहरुख का स्वागत करना एक सपने के सच होने जैसा है। उन्होंने कहा भारतीय सिनेमा में उनका योगदान बेमिसाल है।

वरूण धवन को पसंद आयी कल्कि 2898 एडी

मुंबई। बॉलीवुड के चॉकलेटी हीरो वरूण धवन को फिल्म कल्कि 2898 एडी बेहद पसंद आई है। नाग अश्विन द्वारा निर्देशित, कल्कि 2898 एडी में अमिताभ बच्चन, कमल हसन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पाटनी सहित कई शानदार कलाकार हैं। वैजयंती मूवीज द्वारा निर्मित यह फिल्म 27 जून दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई है।बॉलीवुड से लेकर साउथ स्टार्स तक फिल्म की तारीफ कर रहे हैं। इसी बीच वरूण धवन ने भी कल्कि 2898 एडी की तारीफ की है। वरुण धवन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर लिखा,कल्कि वह सब कुछ है, जिसका सपना हमने भारतीय सिनेमा के लिए देखा था।

खगोल विज्ञान जे0011 3217 नाम दिया गया है इस आकाशगंगा का नाम

अंतरिक्ष में नई रेडियो आकाशगंगा की खोज

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: खगोलविदों ने एक नई रेडियो आकाशगंगा की खोज की है। यह विशाल आकार की आकाशगंगा है। जिसे जे0011 3217 नाम दिया गया है। यह एक तरफा द्वितीयक लोब सहित विशिष्ट विशेषताओं को प्रदर्शित करती है।

ब्रह्मांड में आकाशगंगाओं का अपना अलग महत्व व स्थान हैं। रेडियो आकाशगंगाओं के बारे में कम ही लोग जानते समझते हैं। मगर वैज्ञानिक मानते हैं कि अंतरिक्ष की प्रत्येक वस्तु व जानकारी सभी को होनी चाहिए।

रेडियो आकाशगंगाओं की बात करें तो वह अपने केंद्रीय कोर से भारी मात्रा में रेडियो तरंगें उत्सर्जित करती हैं। इन आकाशगंगाओं के केंद्रों में ब्लैक होल गैस और धूल जमा होती रहती हैं। जिससे रेडियो तरंग दैर्ध्य

- **आकाशगंगाओं के केंद्रों में ब्लैक होल गैस व धूल जमा होती रहती हैं**

में दिखाई देने वाले उच्च-ऊर्जा जेट उत्पन्न होते हैं, जो विद्युत आवेशित कणों को उच्च वेग तक गति प्रदान करते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार यह अपने सक्रिय चरण यानी 100 मिलियन वर्ष तक चलने के दौरान एक विशिष्ट रेडियो आकाशगंगा में कोर, लोब, जेट और हॉटस्पॉट जैसी विशेषताएं खुद में रखती हैं और इस चरण के बीत जाने के बाद उनकी गतिविधि के संकेत आम तौर पर गायब हो जाते हैं। इसकी वजह से सक्रिय गैलेक्टिक न्यूक्लियस (एजीएन) का स्रोत बंद हो जाता है। यह खोज प्री-प्रिंट सर्वर में प्रकाशित हुई है।

भारत के मिदनापुर सिटी कॉलेज की शोभा कुमारी के नेतृत्व में खगोलविदों की टीम ने इस आकाशगंगा का पता लगाने वाली रिपोर्ट प्रस्तुत की है।

आकाशगंगाओं की विस्तृत जानकारी जुटानी होंगी

नैनीताल : आकाशगंगाओं का संसार अजूबा है। जिनकी विस्तृत जानकारी जुटाना बाकी है। तकनीकी विकास व अध्ययन की सुविधाओं के विस्तार के साथ अप्रत्याशित जानकारी सामने आ सकती हैं। इसके लिए व्यापक स्तर पर प्रयास की जरूरत वैज्ञानिक महसूस करते हैं।